दो अलग-अलग पंचांग में उलझी तिथियां, उड़िया और हिंदी पंचांग से तय होते हैं पर्व

कुछ मंदिरों में 11 को ही अष्टमी का हवन, उसके बाद नवमी का पूजन किया जाएगा

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फैक्ट फाइल

12 को नवमी पूजन

11 अक्टूबर की शाम मंदिर में अष्टमी हवन किया जाएगा। 12 अक्टूबर को नवमी पूजन के साथ ही ज्योति विसर्जन होगा।

-मनोज अग्रवाल
अध्यक्ष, बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट

सुबह हवन

मंदिर समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि 11 अक्टूबर को ही सुबह हवन कर दोपहर में नवमी पूजन एवं ज्योत विसर्जन का कार्यक्रम किया जाएगा।

-गणेश प्रसाद शर्मा, सचिव, पाताल भैरवी मंदिर

11 को होगा अष्टमी हवन

महामाया मंदिर समिति द्वारा 11 अक्टूबर को अष्टमी हवन कराया जा रहा है। अगले दिन 12 अक्टूबर को नवमी के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

*-संतोष शर्मा,
अकाउंट ऑफिसर,
महामाया मंदिर*

दंतेश्वरी व पाताल भैरवी में 11 को ही अष्टमी-नवमी महामाया और बम्लेश्वरी में 12 को होगा नवमी पूजन

सत्यम शर्मा ▶▶| राजनांदगांव

खास खबर

गणेश पर्व के बाद पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है। इसी के साथ आने वाले पर्व नवरात्र को लेकर भी मंदिर समितियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। नौ दिनों के नवरात्र पर्व में पंचांग की वजह से इस बार भी संशय की स्थिति निर्मित हो गई है। कुछ पंचांग में 11 अक्टूबर को ही अष्टमी और नवमी बताया गया है। वहीं कुछ में 12 को दशहरा के ▶▶| शेष पेज 4 पर

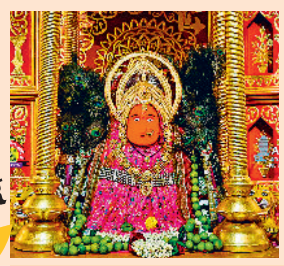

11 को ही नवमी पूजन

उड़िया पंचांग के अनुसार 11 अक्टूबर को ही अष्टमी एवं नवमी तिथि बताई गई है। इस वजह से मंदिर में 11 को ही अष्टमी हवन एवं नवमी पूजन किया जाएगा।

*- परमेश्वर नाथ
पुजारी, दंतेश्वरी मंदिर*

साल में चार नवरात्र

पंडितों के अनुसार सालभर में चार नवरात्रि पर्व होता है। इनमें 2 गुप्त नवरात्रि, एक वासंतिक नवरात्र और एक शारदीय नवरात्रि है। चारों नवरात्रि में शारदीय नवरात्रि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण व लोकप्रिय है। इसे महा नवरात्रि ▶▶| शेष पेज 4 पर

दो पंचांग में अलग-अलग तिथि

पंडितों से मिली जानकारी के अनुसार हिंदी एवं उड़िया पंचांग में अलग-अलग तिथि के उल्लेख की वजह से ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है। बताया गया कि हिंदी पंचांग में उदयमान तिथि को माना जाता है। जबकि उड़िया पंचांग में ऐसा नहीं होता। उड़िया पंचांग में एक ही दिन दो से तीन तिथि भी आ जाती है।

छत्तीसगढ़ के दवा निगम का एक और कारनामा

सेम कंपनी, सेम दवा के चुकाए कई गुना दाम, 20 करोड़ ज्यादा दे दिए

दवाओं की खरीदी के मामले में गड़बड़ी करने में महारत हासिल कर चुकी छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड का एक और कारनामा सामने आया है। जिन दवाओं की खरीदी राजस्थान का दवा कार्पोरेशन कम दामों में करता रहा, उसका भुगतान सीजीएमएससी द्वारा थोक में खरीदी कर ऊंचे दर पर किया जाता रहा। दवा खरीदी समिति और अफसरों की मनमानी के कारण पिछले दो साल में सप्लायर कंपनी और उसके सहयोगियों को करोड़ों की अधिक राशि का अतिरिक्त भुगतान कर दिया गया।

राजस्थान दवा कार्पोरेशन की तुलना में ऊंचे दामों पर करते रहे दवाओं की खरीदी

दवा खरीदी करने वाली समिति की मनमानी, सप्लायर एजेंसी पर हुई मेहरबानी

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

अलग खबर

कई सौ करोड़ की गैर जरूरी रीएजेंट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भेजने के मामले में कटघरे में खड़े सीजीएमएसी के अधिकारियों पर शासन की बड़ी राशि का अतिरिक्त खर्च करने का बड़ा और गंभीर आरोप लगा है। सीजीएमएसी किसी भी तरह की दवाओं की खरीदी के लिए कीमतों का कई तरीके से अध्ययन कर अपनी दर निर्धारित कर क्रय आदेश जारी करती है। सामने आई शिकायत में यह आरोप है कि कीमतों को तय करने की जिम्मेदारी उठाने वाली समिति ने इस व्यवस्था को नजर अंदाज कर दिया और दवाओं की खरीदी मनमाने दाम पर कर शासन को 20 करोड़ 39 लाख से ज्यादा राशि का नुकसान पहुंचा दिया। इतना ही नहीं अफसरों ने सप्लायर एजेंसी पर विशेष मेहरबानी दिखाते हुए उसे राशि का भुगतान भी कर दिया। इन दवाओं की सप्लाई ज्यादातर 9एम इंडिया लिमिटेड और उसके सहयोगी कंपनियों द्वारा किया गया था। चौंकाने वाले तथ्य यह हैं कि दवा कार्पोरेशन ने जिन दवाओं की खरीदी सप्लायर एजेंसी ▶▶| शेष पेज 4 पर

मुख्य सचिव तक पहुंची शिकायत

इस मामले का खुलासा राजधानी में रहने वाले एक सामाजिक कार्यकर्ता श्याम अवतार केडिया द्वारा किया गया है। उन्होंने सीजीएमएससीएल और आरएमएससीएल की दवा खरीदी उनके दामों का विस्तृत अध्ययन करने के साथ मामले की शिकायत मुख्य सचिव से की है। अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि सरकारी खजाने की बेहताशा बर्बादी जघन्य अपराध है, इसलिए मामले की गहन जांच की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनसे अतिरिक्त राशि की वसूली की जाए।

दवा निगम ने साधी चुप्पी

बीस करोड़ के ऊंचे दामों पर सैकड़ों दवा खरीदने के मामले में सीजीएमएससी के अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। तत्कालीन एमडी पद्मिनी भोई साहू ने इस बारे में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। ज्यादा दाम पर खरीदी का खेल वर्ष 2022 से जारी है।

ऐसे हुआ अतिरिक्त भुगतान

दवा	सीजीएमएसी की दर	आरएमएससी की दर	अंतर राशि
प्राइमाक्विन टेबलेट	100 रुपए	63	37
क्लोरफेनिरामाइन	11	5.9	5
मेटोक्लोप्रामाइड	40.32	18	22
डिगॉक्सि	7	5	2
फ्यूरोसेमाइड	40.32	25.2	15
फेनोबार्बिटल	26.20	16.44	10.24
फीनोबार्बिटोन इंजे.	16.12	9.09	7.03

प्लाटून कमांडर भी योजना से प्रभावित

आठ लाख के ईनामी समेत आठ नक्सलियों का समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

छग शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति तथा नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर गंगालूर, नेशनल पार्क एवं उसूर-पामेड़ एरिया कमेटी के प्लाटून कमांडर, पार्टी सदस्य एवं जनताना सरकार अध्यक्ष सहित 8 माओवादियों ने 21 सितंबर को आत्मसमर्पण किया है। समर्पित नक्सलियों में चन्दर कुरसम पिता बुड़ता कुरसम (38), निवासी कोकरा थाना पीपीसीएम ▶▶| शेष पेज 4 पर

कई घटनाओं में थे शामिल

आत्मसमर्पित नक्सली मार्ग में पेड़ गिराकर मार्ग अवरुद्ध करने, ग्रामीणों की मुखबिरी के संदेह पर हत्या, पुलिस पार्टी पर आईईडी विस्फोट करने समेत कई घटनाओं में शामिल थे। माओवादियों को 25000-25000 रुपए नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर ▶▶| शेष पेज 4 पर

- *दोस्तों को मिठाई-समोसा पार्टी भी दी*
- *मामा से लिया कर्ज और पूरा किया सपना*

2.50 लाख में युवक बना आईपीएस अफसर, बदन में वर्दी, कमर में पिस्टल

एजेंसी ▶▶| जमुई

जिले में एक फर्जी आईपीएस का मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, सिकंदरा पुलिस ने एक फर्जी आईपीएस को बंधन बैंक के पास से पकड़ा है। युवक के पास से एक नकली पिस्टल भी बरामद हुई है। इसके अलावा एक पल्सर बाइक और दो लाख रुपये का चेक भी बरामद किया गया है।

पुलिस ने युवक को पकड़कर उससे पूछताछ की तो पता चला कि उसने ढाई लाख रुपए देकर यह नौकरी पाई है। वर्दी देने वाले ने उसकी ड्यूटी कहां लगेगी इसकी जानकारी फोन आने की बात कही थी। इस साजिश में शामिल मुख्य आरोपी मनोज सिंह की तलाश की जा रही है। आरोपी मिथिलेश मांझी के पास से आधार कार्ड, पैन कार्ड, ▶▶| शेष पेज 4 पर

कहीं मानसिक असंतुलन तो नहीं

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार युवक के चेहरे और उसके हाव-भाव से यह प्रतीत हो रहा है कि पुलिस अधिकारी बनने का उसके अंदर शौक था या दिमागी असंतुलन के बीच उसके सिर पर चढ़ा नशा था, जिसके कारण वह ठगी का शिकार हो गया।

वर्दी पहनकर मां से लिया आशीर्वाद

वर्दी और पिस्टल पाकर मिथलेश इतना खुश हुआ कि वह अपने गांव पहुंचा और अपनी मां से आशीर्वाद लिया। इसके बाद वह मनोज सिंह से मिलने जा रहा था, लेकिन सिकंदरा चौक पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मिथलेश ने पुलिस को यह बताया है कि मनोज सिंह ने उसे फर्जी आईपीएस की वर्दी पहनकर बुलाया था और बाकी के 30 हजार रुपये की मांग की थी।

योग, आयुर्वेद, नैचुरोपैथी व सनातन स्वस्थ जीवन पद्धति अपनाएं

PATANJALI® wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

मोटापा, बीपी, शुगर, थायरॉइड, अस्थमा, आर्थराइटिस क्रोनिक एसिडीटी, पुराने पेट के रोग, हृदय रोग, लीवर किडनी फेलियर, सोराइसिस, एक्जिमा, सफेद दाग आदि साध्य, असाध्य, शारीरिक एवं स्ट्रेस, डिप्रेशन एंग्जाइटी आदि मानसिक रोगों का समग्र (इंटिग्रेटेड) साइंटिफिक सॉल्यूशन जानने एवं स्थायी समाधान के लिए जैसा महर्षि पतंजलि, महर्षि धन्वंतरि आदि ऋषियों ने बताया है वैसी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रतिदिन स्वामी जी के साथ प्रातः LIVE योगाभ्यास करें और पूर्ण स्वस्थ निरामय जीवन जिएं।

आस्था LIVE — प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 व रात्रि 8:00 से 9:30 बजे

INDIA TV LIVE — रोज सुबह 8:00 से 8:40 बजे

यू ट्यूब एवं फेसबुक पर भी स्वामी जी को फॉलो करें और उनके साथ LIVE योगाभ्यास करें

@swamiramdevofficial @swamiramdev

पतंजलि की आयुर्वेदिक औषधियां ही सर्वश्रेष्ठ क्यों है?

पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन में 5000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके हमने इन्टरनेशनल हेल्थ रिसर्च जर्नल्स में पतंजलि के लगभग 500 से अधिक रिसर्च पेपर पब्लिश किये हैं तथा आयुर्वेद की औषधियों को पहली बार व्यापक एवं प्रामाणिक स्तर पर एलोपैथी की दवाओं के साथ कम्पैरेटिव स्टडी कर के आयुर्वेद की रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन का दर्जा दिलाया है। एनिमल मॉडल में लिवर, किडनी, पैनक्रियाज, लंग, हार्ट, ब्रेन एवं प्रजनन तंत्र फेलियर कर के आयुर्वेद की औषधियों से पुनः स्वस्थ कर के यह प्रमाणित किया है कि–

- आयुर्वेद से डिजनरेटेड सेल्स एवं ऑर्गन्स को रिजनरेट कर सकते हैं।
- जिस कारण से रोग हो रहा है उसके मूल कारण का पूर्णतः निवारण कर सकते हैं।
- पतंजलि की औषधियां सिंप्टम और सिस्टम दोनों को एक साथ स्वस्थ करती हैं। यह एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटी एजिंग एवं इम्यूनिटी बूस्टर भी हैं।
- टॉक्सिकॉलोजी स्टडी में निर्धारित औषधि मात्रा से 4 गुना से 28 गुना तक प्रयोग करके यह भी पाया कि पतंजलि आयुर्वेद की औषधियां पूर्ण निर्दोष एवं सभी प्रकार के साइड इफेक्ट से रहित हैं।

पतंजलि की सभी आयुर्वेदिक औषधियां मनुष्य की मूल प्रकृति के अनुरूप हैं क्योंकि एक–एक सेल में लाखों वर्ष की मेमोरी संग्रहित होती हैं और वो आयुर्वेदिक औषधि को आत्मसात कर लेती हैं जबकि अनेक रीसर्च यह बताते हैं कि एलोपैथी की सिंथेटिक दवाओं से बॉडी रिएक्ट करती है फिर उससे बहुत प्रकार के साइड इफेक्ट से जूझना पड़ता है अतः चिकित्सा की गुलामी से मुक्ति पाएं। योग, आयुर्वेद, नैचुरोपैथी को अपनी जीवन शैली में अपनाने के लिए हरिद्वार में 1 से 2 सप्ताह के आवासीय चिकित्सा हेतु अवश्य आएं।

पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम् में पंचकर्म, षट्कर्म, नैचुरोपैथी, मेडिकेटेड फूड, वाटर और फास्टिंग द्वारा आवासीय चिकित्सा का लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें।

8954666111, 8954666222, 8954666333

booking@patanjaliwellness.com | www.patanjaliwellness.com

देश का पैसा देश में रहना चाहिए। यही पतंजलि के अर्थ से परमार्थ के पुरुषार्थ का अनुष्ठान है। देश को आर्थिक गुलामी से बचाएं। योग, आयुर्वेद को अपने जीवन में अपनाकर पतंजलि के शुद्ध सात्विक उत्पाद घर लाएं।

नोटः– पतंजलि की कोई भी औषधि किसी भी रेगुलेटरी बॉडी से या कोर्ट द्वारा बैन नहीं है। जिन 14 औषधियों (श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, ब्रोंकोम, श्वासारि प्रवाही, श्वासारि अवलेह, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर, लिवामृत एडवांस, लिवोग्रिट, आईग्रिट गोल्ड, पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप आदि) के बारे में उनके बैन होने का भ्रम फैलाया गया, यह सभी व अन्य सभी औषधियां हमारे पतंजलि चिकित्सालय, आरोग्य केन्द्र, मेगा स्टोर्स एवं पूरे देश के प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

ऊपर वर्णित दवा का उपयोग सुझाव मात्र है। उपर्युक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में इसका मुख्यतः प्रयोग किया जाता है। स्वविवेक से दवाएं न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।

पूर्व राष्ट्रपति बोले- ऐसा हर मंदिर में हो सकता है, तिरुपति प्रबंधन बोला- अब पवित्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/वाराणसी

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट की खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रसाद को लेकर हिंदुओं की गहरी आस्था होती है, लेकिन मिलावट की खबरें श्रद्धालुओं के बीच शंका उत्पन्न कर रही हैं। वाराणसी के दौरे का जिक्र करते हुए कोविंद ने कहा, मैं काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन नहीं कर पाया, लेकिन मेरे कुछ सहयोगी मंदिर गए थे और उन्होंने मुझे प्रसाद दिया। उस समय मुझे तिरुपति मंदिर की मिलावट की खबरें याद आ गईं। यह समस्या सिर्फ एक मंदिर तक सीमित नहीं हो सकती, यह हर मंदिर की कहानी हो सकती है। कोविंद ने मिलावट को पाप बताते हुए कहा, मिलावट तो पाप है। हिंदू शास्त्रों में भी इसे पाप कहा गया है। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद आस्था का प्रतीक है। इसमें मिलावट करना निंदनीय है। पूर्व राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बाद प्रसाद में मिलावट को लेकर जागरूकता बढ़ाने और इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग जोर पकड़ रही है।

आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध मंदिर तिरुपति बालाजी के लड्डुओं के घी में कथित तौर पर मछली के तेल और जानवरों की चर्बी मिले के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का बड़ा बयान आया है। कोविंद ने कहा कि हर तीर्थ स्थल में ऐसी घटिया मिलावट हो सकती है। हिंदू धर्म के अनुसार ये बहुत बड़ा पाप है। इधर, मंदिर प्रबंधन ने कहा कि प्रसादम अब पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र है।

- रामनाथ कोविंद ने लड्डू विवाद पर जताई चिंता, मिलावट को बताया पाप
- प्रसाद की शुद्धता पर सवाल

केंद्र सरकार ने मांगी रिपोर्ट

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से बात की है और तिरुपति लड्डू मुद्दे पर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि केंद्र इस मामले में खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत कार्रवाई करेगा।

प्रसादम अब शुद्ध और पवित्र

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर प्रबंधन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा कि प्रसादम अब पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र है। इसे आगे भी रखने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

'गलत सूचना' फैलाने पर सात पर एफआईआर

इधर, तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले 'खराब गुणवत्ता के घी' के 'अमूल' ब्रांड का होने संबंधी गलत सूचना फैलाने के आरोप में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के सात उपयोगकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। आणंद स्थित गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को घी की आपूर्ति किए जाने से इंकार किया है। जीसीएमएमएफ 'अमूल' ब्रांड नाम के तहत अपने दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन करता है। सात 'एक्स' उपयोगकर्ताओं ने जीसीएमएमएफ की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के इरादे से गलत सूचना फैलाई कि तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू बनाने में इस्तेमाल होने वाला जानवरों की चर्बी मिला घी 'अमूल' ब्रांड का था। इन 'एक्स' उपयोगकर्ताओं ने गलत सूचना फैलाई कि 'अमूल' ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले घी का इस्तेमाल किया गया।

खबर संक्षेप

वायुसेना का 6 को 'मरीना बीच' पर एयर शो

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के अग्रणी लड़ाकू विमानों सहित 72 विमान छह अक्टूबर को चेन्नई के प्रतिष्ठित 'मरीना बीच' पर एक एयर शो के दौरान विविध प्रकार के करतब दिखाएंगे। यह भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। एयर शो में भारतीय वायुसेना की विशिष्ट टीम आकाशगंगा, सूर्यकिरण और सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। 'मरीना बीच' पर भव्य एयर शो पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगा। वायुसेना दिवस हर साल आठ अक्टूबर को मनाया जाता है। 92वीं वर्षगांठ का कार्यक्रम 'भारतीय वायुसेना - सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर' थीम पर आधारित है।

महिला की हत्या कर 30 से अधिक टुकड़े किए

बेंगलुरु। बेंगलुरू में मल्लेश्वरम इलाके की एक इमारत में एक महिला की हत्या कर शव के 30 से अधिक टुकड़े किये गए, जो एक फ्रिज से बरामद किये गए हैं। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय महिला की हत्या करीब एक पखवाड़े पहले की गई होगी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और इमारत की ओर जाने वाली सड़क पर अवरोधक लगा दिए। इसी इमारत के एक फ्लैट में, महिला के शव के 30 से अधिक टुकड़े एक फ्रिज से बरामद किये गए हैं। पुलिस ने बताया कि महिला अकेली रहती थी। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा हमने मृतक महिला की पहचान कर ली है, लेकिन हम अभी इसका खुलासा नहीं कर रहे हैं।

बंद को सफल बनाने राजधानी की सड़कों पर उतरे बैज, कहा- बंद रहा सफल

मिलाजुला रहा कांग्रेस का प्रदेश बंद कई जिलों में असर, कई में बेअसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोहारीडीह कांड को लेकर कांग्रेस का प्रदेश बंद कहीं असरदार कहीं बेअसर रहा। कबीरधाम में बंद का प्रभाव दोपहर तक रहा। वहीं बस्तर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग में बंद मिला-जुला रहा। इधर बंद को सफल बनाने राजधानी रायपुर में सुबह से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज मोटर साइकिल पर निकले थे। सुबह श्री बैज ने शास्त्री बाजार सहित कई बाजार बंद भी कराए। श्री बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ बंद सफल रहा।

कांग्रेस के बंद के दौरान विवाद की स्थिति ना बने, इसके लिए चौक-चौराहों और बाजारों में पुलिस बल की तैनाती की गई। साथ ही कांग्रेस की रैली के साथ-साथ पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ियां भी चल रही थीं, ताकि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह से ही रैली की शक्ल में निकलकर चाय और नाश्ते की दुकानों को बंद करवाते नजर आए। कांग्रेसी नेता शहर के अलग-अलग इलाकों में बंद को लेकर समर्थन मांगने पहुंच रहे हैं। कांग्रेस नेताओं के आग्रह पर दुकानदारों ने दुकान तो बंद कर दी, लेकिन नेताओं के जाने कुछ देर बाद ही शटर फिर से खोल दिए। राजधानी में मोवा, गोलबाजार, जयस्तंम्भ चौक, और शास्त्री बाजार में लोगों ने अपनी दुकाने बंद रखी। वहीं शहर के अंदरूनी इलाकों में बंद का असर नहीं दिखा। धरसीवा, तिल्दा, अभनपुर, आरंग, बिरगांव, सहित चंद्रखूरी ,मंदिरहसोद में बंद का असर दिखा। रायपुर में महापौर एजाज ढेबर, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा निकले। वहीं धरसीवा बंद करने उधो राम वर्मा उपस्थित रहे।

दोषियों पर कार्यवाही होने तक जारी रहेगी लड़ाई : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, छत्तीसगढ़ बंद आम आदमी का राज्य सरकार की विफलता और बिगड़ते कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रतिरोध था। कांग्रेस जनता के हितों की लड़ाई आगे भी लड़ती रहेगी। प्रशांत साहू को अभी न्याय नहीं मिला है। प्रशांत साहू की मौत की जांच के कोई आदेश अभी तक सरकार ने नहीं दिया है। हम दोषियों के खिलाफ कार्यवाही होने तक लड़ाई जारी रखेंगे।

चैंबर का नहीं मिला समर्थन

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स का समर्थन नहीं मिलने का भी असर बंद पर पड़ा। बस्तर संभाग में कांग्रेस के बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। बीजापुर नगर के व्यपारिक प्रतिष्ठान सुबह से ही बंद रहे। मेडिकल, होटल, फल की दुकानों व यात्री परिवहन को छोड़ अन्य दुकानों पर बंद असर रहा। बीजापुर के अलावा भैरमगढ़, आवापल्ली, भोपालपटनम, नैमेड, मद्देड़ व कुटरू में भी बंद का असर रहा है।

राजनीति करना बंद करे कांग्रेस : साव

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कांग्रेस के बंद पर कहा, घटनाओं पर राजनीति करना कांग्रेस का काम है। कानून व्यवस्था पर विष्णुदेव साय सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति रखती है। सरकार कठोर से कठोर फैसले लेने में संकोच नहीं कर रही है, जो भी किसी भी घटना में दोषी होगा वो बचेगा नहीं। कानून व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में कांग्रेस राजनीति करना बंद करें।

कवर्धा में बंद का असर

कबीरधाम जिले में सुबह से ही अधिकांश दुकानें बंद रही। हालांकि प्रदेश स्तर पर व्यापारी संगठन चैंबर ने अपना समर्थन नहीं दिया है, इसके बाद भी कबीरधाम जिले के कवर्धा, पंडरिया, पांडातराई, कुंडा, बोड़ला, सहसपुर लोहारा, पिपरिया, पोंडी समेत अन्य स्थानों में दुकानें बंद रही। सराफा लाइन से लेकर बस स्टैंड, मुख्य बाजार की सभी दुकानें बंद रही। बंद में इमरजेंसी सेवाओं को अलग रखा गया है। जिले की घटना को लेकर लोगों ने स्वस्फूर्त समर्थन दिया।

सरगुजा में मिलाजुला असर

सरगुजा जिले में कांग्रेस के बंद का असर देखने को मिला। कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और दुकानदारों से प्रदेश बंद को सफल बनाने अपील की। अंबिकापुर के व्यापारियों ने कांग्रेस के बंद का समर्थन करते हुए दुकानों को बंद किया।

भाटापारा में जमकर बहस

वहीं भाटापारा में दुकानें बंद कराने गए कांग्रेसियों और व्यापारी के बीच जमकर बहस हुई। यहां बंद का मिला जुला असर दिखा। वहीं मनेन्द्रगढ़-जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में बंद का असर नहीं दिखा। कांग्रेसी नेताओं ने दुकानों को बंद कराने सड़क पर उतरे। प्रतिष्ठान खुले रहे और सभी वाहनों का परिचालन जारी। वहीं कोरबा, राजनांदगांव, दुर्ग, महासमुंद, धमतरी, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर चांपा, रायगढ़, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया सहित अन्य जिलों में बंद का आंशिक असर दिखा।

- झारखंड से पानी छोड़े जाने के बाद खफा ममता ने सीमा कर दी थी सील, जो आज खुली

राज्यपाल ने झारखंड सीमा सील करने पर ममता से मांगा जवाब

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उन रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने झारखंड के साथ अंतरराज्यीय सीमा सील कर दी है। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल बोस ने संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत मुख्यमंत्री को यह बताने का निर्देश दिया है कि क्या यह रिपोर्ट सही है और यदि हां, तो ऐसा करने के क्या कारण हैं।

ममता बनर्जी ने गुरुवार को आदेश दिया कि जलस्तर बढ़ने और पांशकुरा में राष्ट्रीय राजमार्ग 16 में प्रवेश करने के बाद बंगाल और झारखंड के बीच वाहनों की आवाजाही को सील कर दिया जाएगा। बनर्जी ने कहा कि बंगाल-झारखंड सीमा तीन दिनों के लिए बंद कर दिया गया था जिसे आज खोला गया।

सीएम ममता ने पीएम को लिखा पत्र

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) द्वारा नियंत्रित बांधों से कथित तौर पर 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण राज्य में आई बाढ़ के बारे में पत्र लिखा। सीएम बनर्जी ने कहा कि "मानव निर्मित बाढ़" ने बंगाल में 5 मिलियन से अधिक लोगों को बुरी तरह प्रभावित किया है और कहा कि अगर लापरवाही जारी रही, तो राज्य निगम के साथ सभी संबंध तोड़ देगा।

सीमा पर लग गई थी सैकड़ों ट्रकों की लाइन

सीमा सील होने के बाद शुक्रवार को झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर माल ले जाने वाले ट्रकों की लंबी कतारें देखी गईं। कच्चा माल और कई महत्वपूर्ण सामान ले जाने वाले मालवाहक ट्रक सीमा पर फंसे रहे। पश्चिम बंगाल की सीमा पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और पश्चिम बर्धमान के तीन जिलों में झारखंड के साथ लगती है।

दो 'कोर्समेट', दो 'क्लासमेट' के हाथों में होगी सेनाओं की कमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सरकार द्वारा उप वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल एपी.सिंह की अगले वायुसेनाप्रमुख के रूप में की नियुक्ति की घोषणा के बाद अब सेना, वायुसेना और नौसेना जैसी देश की तीन सशस्त्र सेनाओं की कमान दो 'कोर्समेट' और दो 'क्लासमेट' के हाथों में होगी। इनमें सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उप वायुसेनाप्रमुख एयर मार्शल सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 65 वें कोर्स के कोर्समेट हैं। दोनों वर्ष 1983 में अकादमी से उत्तीर्ण होकर निकले थे। जबकि जनरल द्विवेदी और नौसेनाप्रमुख एडमिरल त्रिपाठी मध्य प्रदेश के रीवा सैनिक स्कूल में क्लासमेट रहे हैं।

पांच महीने में मिले सेनाओं के नए प्रमुख

बीते लगभग पांच महीने में तीनों सेनाओं को उनके नए प्रमुख मिले हैं। इसमें सबसे पहले 30 अप्रैल को नए नौसेनाप्रमुख के रूप में एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कार्यभार संभाला था। उनके बाद नए सेनाप्रमुख के रूप में 31 जुलाई को जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपना पदभार ग्रहण किया और अब अंत में नए वायुसेनाप्रमुख के रूप में एयर मार्शल सिंह की नियुक्ति का केंद्र ने ऐलान किया है। वह 30 सितंबर की दोपहर में वायुसेनाप्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

तीनों सेनाओं के बीच बढ़ेगा समन्वय

एनडीए में एक साथ शिक्षा लेने की वजह से जनरल द्विवेदी, एडमिरल त्रिपाठी और एयर मार्शल सिंह बहुत अच्छे मित्र हैं। यह कहीं न कहीं तीनों सशस्त्र सेनाओं के बीच समन्वय बढ़ाने में भी काफी मददगार साबित होगी। साथ ही इसकी मदद से सेनाओं के शीर्ष नेतृत्व खासकर सैन्य मामलों के विभाग को काफी लाभ होगा। जो कि वर्तमान में थिएटर कमांड के गठन को लेकर कार्य कर रहा है। इसका नेतृत्व जनरल अनिल चौहान कर रहे हैं। सशस्त्र सेनाएं अभियानों के दौरान अपने संसाधन के समान और समुचित इस्तेमाल को लेकर भी एकजुटता से कार्य कर रही हैं।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

हरियाणा में गरमाई सियासत

खट्टर बोले- सैलजा भाजपा में आना चाहें तो खुले हैं द्वार

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने चुप्पी साधी हुई है। इसी बीच प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर कुमारी सैलजा बीजेपी में आना चाहती हैं, तो हम उन्हें अपने साथ लेने के लिए तैयार है। मनोहर लाल खट्टर के बयान के बाद से राजनीतिक गलियारों में चर्चा का बाजार गर्म हो गया है। कहा जा रहा है कि बीजेपी तीसरी बार सत्ता में आने के लिए प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा खेल कर सकती है।

बता दें कि हरियाणा में पांच अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होना है। वहीं आठ अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इससे पहले कांग्रेस की दिग्गज नेता कुमारी सैलजा ने चुनावी प्रचार से दूरी बना ली है। वह कांग्रेस की स्टार प्रचारक हैं। इसके बाद भी कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में रैली नहीं कर रही है। वहीं उनकी आगामी रैली को लेकर भी कोई सूचना नहीं आई है।

कई नेता भाजपा में आए, वे भी आ सकती हैं

खबरों की मानें, तो इस दौरान मनोहर लाल ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अपमान के बाद भी उन्हें कोई शर्म नहीं आई है। उन्होंने कहा है कि बीजेपी में हमने कई नेताओं को अपने साथ मिलाया है। वहीं अगर कुमारी सैलजा तैयार हैं तो हम उन्हें भी अपने साथ लेंगे।

खरगे बोले- पहले अपना घर संभालो

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के इतने लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। ऐसे में बीजेपी को पहले अपना घर संभालना चाहिए। इसके बाद दूसरों के घर में झांकना चाहिए।

सैलजा के अपमान के लिए हुड्डा जिम्मेदार

मनोहर लाल खट्टर ने एक चुनावी सभा में मंच से कहा कि कांग्रेस में कुमारी सैलजा का अपमान हुआ है। मनोहर लाल ने आगे कहा कि कांग्रेस में कुमारी सैलजा को गालियां तक दी गई। यही वजह है कि वह इससे आहत होकर घर में बैठी हुई है। उन्होंने इस सबके लिए कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार ठहराया है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर)
कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

रायपुर, रविवार 22 सितंबर 2024 | आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी | वर्ष : 23, अंक : 67 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कई जिलों में ट्रेक नहीं स्क्रीन पर ले रहे टेस्ट

सड़कों पर दौड़ रही मौत... बिना ट्रायल के ही बांट रहे ड्राइविंग लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/मोहला/कांकेर, बिलासपुर

ड्राइविंग लाइसेंस इसलिए बनाया जाता है ताकि यह प्रमाणित रहे कि जो व्यक्ति गाड़ी चला रहा है उसे चलाना आता है। बाकायदा उसकी ट्रेनिंग हुई है। परिवहन विभाग उसका टेस्ट लेता है। ट्रेक पर वाहन चलाकर देखा जाता है। लेकिन कई जिलों में गाड़ी चलाने की परीक्षा के तहत ट्रायल लेने के लिए पर्याप्त मैदान और संसाधन नहीं हैं। जगदलपुर में तो बिना ट्रायल लिए ही हजारों ड्राइविंग लाइसेंस बांट दिए गए हैं।

जगदलपुर में वाहन चलाना नहीं आता, फिर भी कंप्यूटर में परीक्षा देकर लाइसेंस बांटे जा रहे हैं। संभागीय मुख्यालय से लगभग 7-8 किमी दूर सरगीपाल में ▶▶|शेष पेज 4 पर

सिर्फ फोटो और हस्ताक्षर से हो रहा काम

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़ तथा राजनांदगांव तीन तीन जिलों का काम देख रहे राजनांदगांव आरटीओ ऑफिस में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए गाड़ियों से ट्रायल नहीं कराया जाता। लाइसेंस बनवाने वाले महिला पुरुष को सिर्फ फोटो खिंचवाने व हस्ताक्षर कराने तलब किया जाता है।

कांकेर में मुख्य मार्ग पर टेस्ट

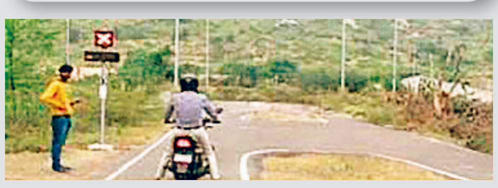

कांकेर जिला मुख्यालय में जब से आरटीओ कार्यालय संचालित है, तब से किराए के भवन में चल रहा है। आरटीओ को ड्राइविंग लाइसेंस देने के लिए जो जांच करनी चाहिए, कई बार बिना जांच के लिए लाइसेंस दे दिया जाता है। विभाग प्रमुख ▶▶|शेष पेज 4 पर

बिलासपुर में मैनुअल हो रहा टेस्ट

बिलासपुर। प्रदेश में ई ट्रैक के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की कवायद की गई थी, लेकिन प्रदेश में परिवहन विभाग ने महज रायपुर में ही ई ट्रैक सुविधा दी है, वहीं बिलासपुर में अबतक इसका इंतजार है। वर्तमान में मैनुअल टेस्ट ड्राइविंग की सहायता से ही आवेदकों को लाइसेंस जारी किया जा रहा है। प्रदेश के सभी परिवहन कार्यालय में ई-ट्रैक की स्थापना ▶▶|शेष पेज 4 पर

प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जा रही

पूर्व में ई-ट्रैक बनाने निजी संस्था को देने की योजना थी, छोटे जिलों में ई-ट्रैक बनाने पर निजी संस्था लागत राशि वसूल नहीं पाती। केंद्र की संस्था सीआईआरटी को बोला है जिन जिलों में ई-ट्रैक बनाने जमीन आबंटित की गई है, वहां ई-ट्रैक बनाने एनालिसिस करने करने के साथ लागत राशि का आंकलन किया जा रहा है। इसके बाद प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर शासन के पास भेजा जाएगा। शासन से राशि आबंटित होने के बाद ई-ट्रैक बनाया जाएगा।

- डी. रविशंकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

बंदी की मौत पर बवाल, मरच्यूरी का गेट तोड़कर घुसे परिजन

केंद्रीय जेल दुर्ग का मामला, परिजनों ने लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध सुपेला उड़ियापारा निवासी विचाराधीन बंदी सुंदर जाल की संदिग्ध मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। शनिवार की सुबह परिजनों ने पोस्टमार्टम के दौरान मामले में न्यायिक जांच की मांग की।

इधर जानकारी के बाद दोपहर को गृहमंत्री विजय शर्मा जेल पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से इस पूरे मामले में जानकारी ली। साथ ही जेल की गतिविधियों के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जब सजा काटकर कोई व्यक्ति बाहर निकले तो लखपति बनकर निकले। अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सके। उनके द्वारा बनाए उत्पाद को बेचकर मुनाफे का हिस्सा कैदी के खाते में जमा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंदर सभी व्यवस्थाएं ▶▶|शेष पेज 4 पर

मरच्यूरी में जमकर हंगामा

सेंट्रल जेल दुर्ग में विचारधीन बंदी की मौत के मामले में परिजनों ने मरच्यूरी में जमकर हंगामा किया। अस्पताल में जहां पीएम हो रहा था, उसका दरवाजा तोड़ दिया। आरक्षक ने जब परिजनों को रोकने का प्रयास किया तो धक्का-मुक्की की। पद्मनाभपुर पुलिस ने बताया कि सुंदर जाल की मौत की सूचना सेंट्रल जेल से मिली थी। शुक्रवार की सुबह सुंदर बिस्तर से उठा और अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे जिला अस्पताल उपचार के लिए भेज गया। जहां उसकी मौत हो गई। हंगामे के बाद मौत की जांच जेएमएफसी विवेक नेताम के नेतृत्व में गठित टीम करेगी।इस मामले में परिजनों आरोप लगाया है कि मृतक सुंदर जाल को बेरहमी से मारा गया है। जिसकी वजह से उसकी मौत हुई।

एसपी अभिषेक पल्लव का वीडियो हुआ वायरल

कवर्धा एसपी अभिषेक पल्लव को हटाए जाने के सवाल पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव का एक वीडियो वायरल हुआ था। उस वीडियो को देखकर यह समझ आ रहा है कि उनको अपनी जिम्मेदारी इस ढंग से नहीं निभानी चाहिए थी। इसलिए उन्हें हटाया गया। विजय शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिस तरह लोहारडीह आए, उसी तरह उन्हें बिरनपुर भी जाना चाहिए।

क्वाड शिखर सम्मेलन से पहले मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से की मुलाकात

पीएम मोदी-राष्ट्रपति बाइडन के बीच रूस-यूक्रेन शांति वार्ता पर बातचीत

राष्ट्रपति बाइडन के घर पहुंचे प्रधानमंत्री, दोनों नेताओं में द्विपक्षीय बातचीत

एजेंसी ▶▶| विलमिंगटन (अमेरिका)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की, जिन्होंने भारत-अमेरिका साझेदारी को इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक मजबूत, घनिष्ठ और सर्वाधिक गतिशील बताया। भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए तरीकों की समीक्षा और पहचान करने के वास्ते दोनों नेताओं ने यहां क्वाड शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक महत्वपूर्ण यात्रा की विशेष शुरुआत। राष्ट्रपति जो बाइडन ने ग्रीनविले, डेलावेयर में अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। डेलावेयर के विलमिंगटन में स्थित बाइडन ने अपने आवास पर मोदी का स्वागत किया और दोनों नेता एक दूसरे से गले मिले। इसके बाद बाइडन मोदी का हाथ पकड़कर उन्हें अपने घर के अंदर लेकर गए। बाइडन ने 'एक्स' पर कहा, भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक मजबूत, घनिष्ठ और ▶▶|शेष पेज 4 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद जो बाइडन ने ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी इतिहास में किसी भी समय की तुलना में सबसे अधिक मजबूत है।

क्वाड बैठक के बाद जारी होगा साझा बयान

अमेरिका के विदेश विभाग की अधिकारी मार्ग्रेट मैक्लियोड का कहना है कि क्वाड ने अपने गठन के बाद से ही हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया है। अमेरिका सरकार की अधिकारी ने बताया कि क्वाड के साझा बयान में सदस्य देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की बात शामिल होगी। इसमें साइबर सिक्योरिटी, स्वास्थ्य सुरक्षा और मेरीटाइम सुरक्षा शामिल हो सकती है।

- तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंचे शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल
- बतौर पीएम नौवीं बार अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे नरेंद्र मोदी

बाइडन ने गले लगाकर किया स्वागत

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पीएम मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। दोनों नेता गर्मजोशी से मिले। अमेरिकी राष्ट्रपति हाथ पकड़कर प्रधानमंत्री को घर के अंदर ले गए।

भारतीय समुदाय के लोगों से मिले मोदी

पीएम मोदी ने फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। लोगों ने भारत और पीएम मोदी के समर्थन में नारे लगाए। विलमिंगटन से पीएम मोदी न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वह 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को करेंगे संबोधित

तीसरे दिन पीएम मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होंगे और संबोधन भी देंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को समिट ऑफ फ्यूचर नाम दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने इस पीढ़ियों में एक बार होने वाला सम्मेलन करार दिया है।

स्व. श्याम जी पांडेय की श्रद्धांजलि सभा में जुटे दिग्गज...

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उप मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि
- किरणदेव और हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु ने ढांढस बंधाया

भिलाई। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. सरोज पांडेय के पिता स्व. श्याम जी पांडेय की श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश के दिग्गज शामिल हुए। दशहरा मैदान रिसाली में आयोजित सभा में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, दोनों डिप्टी सीएम, मंत्रियों सहित सहित भाजपा नेताओं और अनेक प्रतिष्ठित लोगों ने स्व. पांडेय को भावभीनी श्रद्धाजलि दी। इस अवसर पर सरोज पांडेय व उनके भाई भाजपा नेता राकेश पांडेय सहित परिजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व सांसद सरोज ▶▶|शेष पेज 4 पर

सीएम साय ने लगाई मुहर

ग्रामीण आजीविका मिशन में 237 पदों पर भर्ती की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने के लिए व्यक्तिगत रूचि लेकर विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती को मंजूरी दे रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा स्वास्थ्य विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में रिक्त पदों की भर्ती के प्रस्ताव को हरी झण्डी दी गई है। इसके तहत राष्ट्रीय आजीविका मिशन में 237 पदों पर नई भर्ती की जाएगी। पंचायत ▶▶|शेष पेज 4 पर

इन पदों पर स्वीकृति

जिला मिशन प्रबंधन इकाई के 228 पदों में जिला मिशन प्रबंधक के 02, जिला कार्यक्रम प्रबंधक के विभिन्न 21, विकासखंड परियोजना प्रबंधक के 23 पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय समन्वयक के 98, लेखापाल के 10 एवं लेखा सह एमआईएस ▶▶|शेष पेज 4 पर

बिना पुस्तक प्रदेश के दर्जनों स्कूलों में हो रही तिमाही परीक्षाएं

चार महीने गुजरने के बाद भी 150 अशासकीय स्कूलों में नहीं पहुंचीं नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

सूरजपुर जिलांतर्गत 174 अशासकीय स्कूलों में अभी तक शासन की निःशुल्क पुस्तकें नहीं पहुंच पाई हैं। जिला मुख्यालय सहित आसपास के अशासकीय स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जुलाई में ही पुस्तकें उपलब्ध करा दी गई जबकि दूरस्थ क्षेत्र के स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों तक अभी निःशुल्क पुस्तकें ▶▶|शेष पेज 4 पर

संचालक लगा रहे सौतेले व्यवहार का आरोप

जांच के कारण रूका है वितरण

विलंब से नि:शुल्क पुस्तकें उपलब्ध होने के कारण वितरण में विलम्ब हुआ है। लिपिक द्वारा रद्दी में पुस्तकें बेचने के मामले की जांच चलने के कारण चार-पांच दिनों के लिए वितरण पर रोक लगाई गई है। जांच पूरी होते ही वितरण प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

- **ललित पटेल,** डीईओ, सूरजपुर

शासन का सौतेला व्यवहार

शासन नि:शुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के मामले में अशासकीय स्कूलों के साथ सौतेला व्यवहार करता है। हर साल अशासकीय स्कूलों को 15 अगस्त के बाद ही पुस्तकें मिलती हैं। यह अशासकीय स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

- **वीरेन्द्र सिंह चंदेल,** जिलाध्यक्ष, अशासकीय विद्यालय संघ

हजारों किताबें डिपो में खा रहीं धूल

बिलासपुर। स्कूली सत्र प्रारंभ हुए तीन माह से अधिक समय गुजर चुके हैं। बच्चों को अब तक सरकारी किताबें वितरित नहीं की गई हैं। डिपो प्रभारी की लापरवाही से हजारों की संख्या में पुस्तकें डिपो में धूल खा रही हैं। किताब न होने से ज्यादातर स्कूल के शिक्षक भी बच्चों को अध्यापन नहीं करा रहे हैं। सर्व शिक्षा अभियान योजना के तहत राज्य के सभी शासकीय और निजी स्कूलों में शाला ▶▶|शेष पेज 4 पर

पीएम नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति की एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। भाजपा के कोर एजेंडे में एक राष्ट्र एक चुनाव का मुद्दा रहा है। मोदी सरकार अब इस एजेंडे पर आगे बढ़ना चाहती है। राजग के सहयोगी दलों में इस मुद्दे पर सहमति है, लेकिन कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की ओर से इसे व्यवहारिक नहीं मानते हुए एक साथ चुनाव का विरोध किया जा रहा है। ऐसे में सरकार के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय पर राजनीतिक सहमति बनाना आसान नहीं होगा। चूंकि एक साथ चुनाव एजेंडे को लागू करने के लिए संविधान में कई संशोधन भी करने होंगे, इसलिए सत्ता पक्ष के लिए संसद का कठिन गणित मुसीबत बन सकता है। जिन राज्यों का कार्यकाल अधिक प्रभावित होगा, वे भी इससे आनाकानी करेंगे। हो सकता है, कई राज्यों में राष्ट्रपति शासन का सहारा लेना पड़े। ऐसी अनेक बाधाएं हैं, जिनसे पार पाना होगा। यह सही है कि एक साथ चुनाव आजादी के बाद वर्ष 1967 तक हुए हैं, आगे भी कराने में कोई दिक्कत नहीं है, विश्व के अनेक देश में होते हैं, इसके बावजूद मौजूदा भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक साथ चुनाव राजनीतिक सुधार का अग्निपथ ही है। इसी विषय पर पेश है आजकल का ताजा अंक...

सुधार का अग्निपथ 'एक साथ चुनाव'

विश्लेषण

शंभु भद्र

अर्थ-राजनीतिक विश्लेषक व पत्रकार

केंद्र में वर्ष 2014 से जब से पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, भारत व्यवस्थागत परिवर्तन की राह पर है। पीएम मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। भारत जल्द ही विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने व वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए संकल्पित है। व्यवस्था परिवर्तन की इसी कड़ी में भारत 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2026 में परिसीमन का कार्य पूरा होना है, उसके बाद ही लोकसभा व विधानसभा चुनावों में 33 फीसदी महिला आरक्षण भी लागू होगा और वर्ष 2029 एक राष्ट्र एक चुनाव का गवाह बन सकता है।

मोदी 3.0 सरकार एक नए सुधार की ओर कदम बढ़ा रही है। 'एक राष्ट्र एक चुनाव'। पीएम मोदी कैबिनेट ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति की एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय जनगणना, जाति गणना, परिसीमन के बाद केंद्र की राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करेगी। सवाल है क्या राजनीतिक सहमति बनेगी? क्या इसे लागू करना आसान होगा? इसे लागू करने से देश राजनीतिक रूप से कितना बदल जाएगा? देश को इसका फायदा होगा या नुकसान? चुनाव का स्वरूप कितना बदल जाएगा? वर्ष 1967 के बाद आखिर किसी सरकार ने ऐसी कोशिश क्यों नहीं की? आखिर भाजपा ने इस मुद्दे को अपने कोर एजेंडे में क्यों लिया? विपक्ष इसका विरोध क्यों कर रहा है? क्या एक राष्ट्र एक चुनाव सच में संघीय लोकतंत्र के लिए खतरा है और इससे देश प्रेसिडेंसियल स्वरूप की तरह हो जाएगा? क्या इससे क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व मिट जाएगा? अनेक सवाल हैं, जो देश की फिजाओं में तैर रहे हैं। सियासतदानों के मन में शंका-आशंका है।

केंद्र में वर्ष 2014 से जब से पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, भारत व्यवस्थागत परिवर्तन की राह पर है। बेकार कानूनों के निरस्तीकरण से लेकर नए न्याय संहिता तक, तीन तलाक की विधि तलाक-ए-बिद्दत व कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान व अनुच्छेद 35-ए के खात्मे से लेकर राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने व अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तक, महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण से लेकर ओबीसी व ईडब्ल्यूएस कोटे तक, जनधन से लेकर डिजिटल इंडिया तक, उज्ज्वला योजना से लेकर एक देश एक राशन स्कीम तक, किसान निधि से लेकर नैनो यूरिया तक, हाई-वे, एयरपोर्ट, पोर्ट, सी प्लेन तक भारत ने परिवर्तन की नई इबारत लिखी है। पीएम मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। व्यवस्था परिवर्तन की इसी कड़ी में भारत 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2026 में परिसीमन का कार्य पूरा होना है, उसके बाद ही लोकसभा व विधानसभा चुनावों में 33 फीसदी महिला आरक्षण भी लागू होगा और वर्ष 2029 एक राष्ट्र एक चुनाव का गवाह बन सकता है।

कोविंद समिति की ये सिफारिशें

एक साथ चुनाव की प्रक्रिया तय करने के लिए कोविंद समिति का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली इस समिति में आठ सदस्य थे। समिति ने इस वर्ष 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। एक राष्ट्र एक चुनाव की सिफारिश वाली इस रिपोर्ट को मोदी कैबिनेट ने बुधवार (18 सितंबर) को मंजूरी दे दी। समिति ने लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश की है, इसके 100 दिन बाद स्थानीय निकाय (नगर निकाय व पंचायत) चुनाव कराने की बात कही है। समिति ने सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक बढ़ाने का सुझाव दिया है। इसे लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करना होगा, इसके लिए सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक ला सकती है। समिति ने देश में एक कॉमन इलेक्टोरल रोल बनाने की सिफारिश की है। हंग असेंबली, नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं।

बदलेगी चुनावी तस्वीर

'एक राष्ट्र एक चुनाव' (वन नेशन वन इलेक्शन) देश की चुनावी तस्वीर को बदल कर रख देगा। यह न ही संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध है, न ही संघवाद की गारंटी के खिलाफ है और न ही इससे संविधान व संसदीय लोकतंत्र को कोई खतरा है। इससे देश की संघीय राजनीति और संविधान के बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। जैसा कुछ दल दुष्प्रचारित कर रहे हैं। हमारी संसदीय प्रणाली में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा नई नहीं है। आजादी के बाद वर्ष 1967 तक देश में लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ ही हो रहे थे। वर्ष 1968-69 से स्थिति बदली, जब केंद्र की कांग्रेस सरकार ने कुछ राज्य विधानसभाओं को विभिन्न कारणों से कार्यकाल से पहले ही भंग कर दिया गया था। कांग्रेस की मनमानियों व अनुच्छेद-356 के दुरुपयोग का ऐसा सिलसिला चला कि उसके बाद विधानसभाओं के कार्यकाल बदलते गए और राज्यों के चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे।

कब से बिगड़ा एक साथ चुनाव का चक्र

आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए गए थे। 1968 और 1969 में कई राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल समय से पहले खत्म कर दिया गया था। 1970 में इंदिरा गांधी ने पांच साल का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही लोकसभा को भंग करने का सुझाव दिया। इससे उन्होंने भारत में एक साथ चुनाव कराने की परंपरा को तोड़ दिया, जबकि 1972 में लोकसभा के चुनाव होने थे। लोकसभा और विधानसभा चुनाव को एक साथ कराने का मुद्दा 1983 में भी उठा था, लेकिन उस वक्त केंद्र की इंदिरा गांधी सरकार ने इसे कोई महत्व नहीं दिया था। उसके बाद 1999 में भारत में 'लॉ कमीशन' ने लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया था।

किन राज्यों पर क्या असर

उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर, पंजाब व उत्तराखंड का कार्यकाल 3 से 5 महीने घटेगा। गुजरात, कर्नाटक, हिमाचल, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा का कार्यकाल 13 से 17 माह घटेगा। असम, केरल, तमिलनाडु, प. बंगाल और पुडुचेरी का कार्यकाल भी कम होगा। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के चुनाव लोकसभा के साथ होते हैं। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, बिहार के समय भी घटाने होंगे। असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी की विधानसभाओं का कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा, गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब,यूपी और उत्तराखंड की विधानसभाओं का कार्यकाल 2027 में समाप्त होगा। हिमाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा और तेलंगाना में राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल 2028 में समाप्त होगा। कोविंद समिति ने स्वीडन, जापान, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, फिलीपिंस, इंडोनेशिया की चुनाव प्रक्रिया का अध्ययन किया।

करने होंगे संविधान संशोधन

संविधान के अनुच्छेद एक के अनुसार भारत 'राज्यों का संघ' है, 'एक राष्ट्र एक चुनाव' से संविधान की इस स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। संविधान के अनुच्छेद 83(2) और अनुच्छेद 172 में कहा गया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल पांच वर्ष का है, 'एक राष्ट्र एक चुनाव' से केंद्र व राज्यों के कार्यकाल एक साथ पूरे होंगे। अभी ऐसा नहीं हो पा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने एक प्रणाली के गठन का सुझाव दिया, ताकि राज्य विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ हो सकें। जस्टिस रेड्डी की अध्यक्षता वाले 1999 के विधि आयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। 2015 में संसदीय स्थायी समिति की 79वीं रिपोर्ट ने एक साथ चुनाव कराने के समर्थन को दोहराया था। भारतीय चुनाव आयोग ने वर्ष 2015 में सरकार को 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर एक व्यवहार्यता रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें संविधान तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन का सुझाव दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2016 में एक राष्ट्र एक चुनाव का विचार पेश किया था। अब एक साथ चुनाव को लागू करने के लिए दो बड़े संविधान संशोधन की ज़रूरत होगी। संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में संशोधन करना होगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद में एक साथ चुनाव के लिए संविधान के अनुच्छेद-83, 85, 172, 174 और 356 में संशोधन का जिक्र किया था। वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्र ने कहा था कि चुनाव आयोग एक साथ चुनाव कराने में सक्षम है।

भारत एक परिपक्व लोकतंत्र

एक परिपक्व लोकतंत्र होने के नाते भारत 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का अनुसरण सरलता से कर सकता है। वर्ष 2017 में नीति आयोग ने एक साथ चुनाव पर एक मसौदा पत्र तैयार किया गया था। विधि आयोग ने भी वर्ष 2018 में एक मसौदा पत्र लेकर आया था और कहा था कि एक साथ चुनाव कराने की संभावना के लिए कम से कम पांच संवैधानिक बदलावों की आवश्यकता होगी। विधि आयोग की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि देश में दो फेज में चुनाव कराए जा सकते हैं। कोविंद समिति ने भी यही सिफारिश की है। विधि आयोग के मसौदा पत्र (2018) की सिफारिशों के अनुसार, संविधान में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 तथा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं की प्रक्रिया के नियमों में संशोधन के माध्यम से एक साथ चुनाव बहाल किए जा सकते हैं। वर्ष 1951 के अधिनियम की धारा-2 में एक परिभाषा जोड़ी जा सकती है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कामकाज़ के नियमों में संशोधन के माध्यम से अविश्वास प्रस्ताव को रचनात्मक अविश्वास मत से बदला जा सकता है।

क्या होंगे फायदे

विधि आयोग द्वारा एक साथ चुनावों पर अगस्त 2018 में जारी मसौदा रिपोर्ट के अनुसार, इसके कई फायदे हैं। जैसे पैसे व संसाधन की बचत, प्रशासनिक ढांचे और सुरक्षा बलों पर बोझ में कमी, नीतिगत निरंतरता, चुनाव कर्मियों पर दबाव में कमी आदि। मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। वोट बैंक तुष्टिकरण की राजनीति रुकेगी। चुनाव प्रचार के दौरान बढ़ने वाली राजनीतिक कटुता में कमी आएगी। बार-बार होने वाले चुनाव शासन के फोकस को दीर्घकालिक नीति लक्ष्यों से अल्पकालिक नीति लक्ष्यों की ओर ले जाते हैं। इसलिए एक साथ चुनाव से विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न प्रशासनिक सुधार किए जा सकते हैं। त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति पर विधि आयोग का सुझाव है कि संविधान में इस तरह संशोधन करना होगा कि कोई भी ऐसी नई लोकसभा या विधानसभा जो बीच में बनी हो, केवल पिछले कार्यकाल के शेष समय के लिए ही गठित की जाएगी। 21वें विधि आयोग ने कहा कि देश में एकसाथ चुनाव के लिए एक व्यवहार्य वातावरण मौजूद है। अब केंद्र सरकार पर निर्भर है कि वह इसे कब लागू करती है।

राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर बने सहमति

विमर्श

अखिलेश आर्येन्दु

वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक व समाजकर्मी

केंद्रीय मंत्रिमंडल के जरिए एक राष्ट्र एक चुनाव को मंजूरी दिए जाने पर तमाम राजनीतिक दलों और राजनीति के जानकारों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आई हैं लेकिन ज्यादातर लोगों ने निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर इसका खैरमकदम किया है। गौरतलब है कि इसी साल मार्च में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाले पैनल ने अपनी रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी थी। समिति के गठन के बाद से 191 दिनों के हितधारकों, विशेषज्ञों और इस विषय पर अनुसंधान कार्य कर रहे लोगों के साथ परामर्श के बाद इतनी बड़ी रिपोर्ट तैयार की गई थी।

जानकारों का मानना है कि रिपोर्ट में लिखी गई बातें, सिफारिशें और नियम सभी राष्ट्र को मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने के अनुरूप हैं। बहुत कम लोग जानते होंगे कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का अस्तित्व 1983 से ही है, जब निर्वाचन आयोग ने पहली बार इसे पेश किया था। हालांकि वर्ष 1951 से 1967 तक भारत में एक साथ चुनाव आयोजित कराना एक सामान्य प्रक्रिया थी। लेकिन 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के वक्त से पहले विघटन की वजह से यह सामान्य चुनाव प्रक्रिया बाधित हुई, फिर तो लगातार बाधित होती चली गई। रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली समिति की रिपोर्ट में एक खास तरह के सुझाव दिए गए हैं। जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव करने की सिफारिश की गई है।

एकसमान गति से होंगे कार्य

इसके बाद 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराए जाएं। सिफारिश में यह बात भी जोर देकर कही गई है कि इन सिफारिशों के लागू होने का निरीक्षण करने के लिए एक कार्यान्वयन समूह का गठन किया जाना चाहिए। इसका मकसद भी साफ किया गया है जिसके तहत संसाधनों के बचाने, विकास को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने, सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के कार्य सारे देश में एक समान गति से किए जाएंगे। जो पार्टियां या बुद्धिजीवी इसे महज भाजपा का एक ध्यान हटाने का एजेंडा कह रहे हैं, यह उनकी सतही सोच का परिणाम ज्यादा लगता है। दरअसल, जब देशहित में कोई निर्णय केंद्र सरकार लेती है तो उस निर्णय का भविष्य में होने वाले सभी क्षेत्रों पर असर और समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक असर पर भी गौर करती है। विपक्ष को यह नहीं भूलना चाहिए कि सबसे पहले देश है फिर कोई दल या मजहब। जो लोग 'एक राष्ट्र एक चुनाव'को विकास का मिशन बता रहे हैं उनके तर्क को भी बगैर दुराग्रह आग्रह के समझा जाना चाहिए। तभी तो सोच और चिंतन निष्पक्ष माने जाएंगे।

बढ़ सकता है मतदान का प्रतिशत

एक सकारात्मक तर्क इसके पक्ष में यह भी दिया जा रहा है कि इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है। जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। एक राष्ट्र एक चुनाव किसी लोकतांत्रिक देश के लिए पहली बार नया प्रयोग नहीं है बल्कि स्वीडन जहां

राष्ट्रीय विधानमंडल, प्रातीय विधान मंडल, स्थानीय निकायों, नगरपालिका सभाओं के चुनाव एक खास तारीख और हर चौथे साल सितम्बर के महीने में कराए जाते हैं। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका में भी राष्ट्रीय और प्रान्तीय विधानमंडलों के चुनाव एक साथ हर पांच वर्ष में कराए जाते हैं। ब्रिटेन में भी ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता व पूर्वानुमेयता की भावना प्रदान करने के लिए एक निश्चित अवधि संसद अधिनियम 2011 पारित किया गया था। इस तरह हम यह नहीं कह सकते हैं कि दुनिया में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रणाली कहीं नहीं है।

नवनिर्माण का मिशन होगा

यह तो भारत का नया प्रयोग है। इससे जाहिर हो गया है कि दुनिया के वे देश जो बार-बार चुनाव की वजह से परेशान हुए या विकास में यह बाधा बनकर खड़ा रहा, वहां एक देश एक चुनाव की प्रणाली लागू कर दी गई जिससे आज ये देश तरक्की की नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। अनुमान लगा सकते हैं कि एक बार के चुनाव में कितनी बड़ी धन राशि देश की खर्च होती है और साल भर जो छोटे-छोटे आंचलिक चुनाव होते हैं, यदि उनका खर्च जोड़ा जाए तो शायद इतनी या इससे ज्यादा राशि और खर्च हो जाती है। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' ऐसा दूरगामी देश नव निर्माण का मिशन होगा जिससे साल भर चलने वाले चुनावों से तकरीबन छुटकारा मिल जाएगा। जाहिर तौर पर बार-बार के चुनाव से जहां विकास और प्रगति में जबरदस्त रुकावट आती है वहीं पर धन, जन, संसाधनों की बेतहाशा बर्बादी को रोकने में मदद मिलेगी। जो ऊर्जा बार-बार चुनाव के मद में लगती रहती है, वह ऊर्जा यदि जन कल्याण और विज्ञान के क्षेत्र में लगेगी तो भारत से गरीबी को रफूचक्कर करने में बहुत देर नहीं लगेगी। जाहिर तौर पर साल भर कहीं न कहीं किसी न किसी निकाय का चुनाव होता ही रहता है। आचार संहिताएं लगी रहती हैं। वहीं एनडीए सरकार में शमिल दलों का यह कहना कि आजादी के बाद 1951 से 1967 तक एक साथ ही चुनाव हुआ करते थे। तब कांग्रेस का शासन था। अब कांग्रेस इसी प्रणाली के खिलाफ हो गई है। यह उनका महज विरोध के लिए ही विरोध करने जैसा है। मायावती ने इसे सकारात्मक कदम बताकर यह संकेत दे दिया है कि केंद्र की हर देश हितैषी कदम का वे कदापि विरोध नहीं करेंगी। एक राष्ट्र एक चुनाव के मद्देनजर कुछ सवाल भी उठाए जा रहे हैं, जिनमें एक बड़ा सवाल यह है कि त्रिशंकु सरकार या सरकार के गिरने पर क्या होगा। इस सवाल का समाधान भी रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक त्रिशंकु सदन या अविश्वास प्रस्ताव के हालात में नये सदन के गठन के लिए फिर से चुनाव कराए जा सकते हैं। इस हालात में नये लोकसभा (या विधानसभा) का कार्यकाल पहले की लोकसभा (या विधानसभा) की बाकी बची अवधि के लिए ही होगा। इसके बाद सदन को भंग माना जाएगा। ऐसे भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि इसके लागू होने के बाद केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराहट बढ़ जाएगी। लोकसभा के पूर्व महासचिव और संविधान के जानकार पीडीटी आचारी का मानना है कि एक देश एक चुनाव का मुद्दा व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इसके लिए जरूरी है कि देश की सभी विधानसभाएं एक साथ भंग हों, जो संभव ही नहीं है।

राजनीतिक अस्थिरता का सवाल

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने का मतलब है कि स्थानीय निकायों के चुनाव भी एक साथ कराने होंगे। राज्य में चुनाव के बाद किसी एक दल या गठबंधन को बहुमत न मिले तो ऐसे हालात में राजनीतिक अस्थिरता खड़ी हो सकती है। ऐसे तमाम मुद्दों को लेकर एक राष्ट्र एक चुनाव पर सवाल किए जा रहे हैं। देखना यह है कि केंद्र सरकार ऐसा कौन सा रास्ता व कदम उठाती है जिससे सबकी सहमति हासिल हो जाए।

कल्पित नुकसान के कुतर्क को बढ़ा रहा विपक्ष

एकसाथ चुनाव

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ स्तंभकार

केंद्र की मोदी सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए गठित रामनाथ कोविंद की सिफारिशों पर अपनी मुहर लगा दी है। उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश एक चुनाव' की संभावना तलाशने के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी, गुलाम नबी आजाद, फाइनेंस कमीशन के पूर्व चेयरमैन एन के सिंह, संविधानविद् सुभाष कश्यप, प्रसिद्ध एडवोकेट हरीश शाल्वे और संजय कोठारी समेत कुल सात सदस्य शामिल थे। हालांकि अधीर रंजन चौधरी ने गृहमंत्री को पत्र लिखकर इस कमेटी में शामिल होने से इंकार कर दिया था। कमेटी की रिपोर्ट स्वीकारने के बाद अब सरकार का कहना है कि वह इस मसले पर आम सहमति बनाने की कोशिश के साथ शीतकालीन सत्र में विधेयक लाएगी।

अमलीजामा पहनाना बड़ी चुनौती

गौरतलब है कि कोविंद समिति ने सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कुल 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश के साथ ढेर सारे सुझाव दिए हैं। अब सरकार के लिए इसे अमलीजामा पहनाना इसलिए बड़ी चुनौती है कि विधेयक को लोकसभा से पारित कराने के लिए कम से कम 362 और राज्यसभा में 163 सांसदों का समर्थन चाहिए। इसके अलावा कम से कम 15 राज्यों की विधानसभा से भी पारित होना आवश्यक होगा। देखना दिलचस्प होगा कि सरकार इस कठिन अग्निपरीक्षा को कैसे पार करती है।

गौर करें तो 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार कोई नया नहीं है। 1952 में प्रथम आम चुनाव से लेकर 1967 के चौथे आम चुनाव तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते रहे। उसके बाद सत्तारुढ़ दलों की महत्वाकांक्षा और अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग ने चुनावी कैलेंडर की तस्वीर बदल दी। अब अगर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' फलीभूत होता है तो निःसंदेह देश का फायदा होगा। धन के अपव्यय से बचा जा सकेगा। वैसे भी इस मसले पर चुनाव आयोग, नीति आयोग और विधि आयोग अपना-अपना दृष्टिकोण प्रकट कर चुके हैं। 1999 में विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के सुझाव के साथ-साथ सख्त कानूनी ढांचे की सिफारिश की थी। आयोग द्वारा भी गत वर्ष की गई मसौदा सिफारिशों में संविधान और जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन की बात कही जा चुकी है ताकि एक साथ चुनाव सुनिश्चित हो सकें। विधि आयोग के अलावा 2015 में कानून और न्याय मामलों की संसदीय समिति ने भी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की सिफारिश की थी। इन संस्थाओं के सुझावों के बाद ही सरकार इस दिशा में आगे बढ़ी है। विचार करें तो एक साथ चुनाव होने के ढेर सारे फायदे हैं। अगर पांच साल में एक बार चुनाव होगा तो करोड़ों रुपये की बचत होगी और उस धन का उपयोग गरीबी, भुखमरी और कुपोषण से लड़ने में हो सकता है।

कम समय रहेगी आचार संहिता

इसके अलावा कम अवधि के लिए आचार

संहिता लागू होगी जिससे सामान्य सरकारी कामकाज में भी अवरोध उत्पन नहीं होगा। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव साथ होने से काले धन के प्रवाह पर भी रोक लगेगी। यह सच्चाई है कि चुनावों में काले धन का जमकर उपयोग होता है जिससे नतीजे भी प्रभावित होते हैं। चुनाव आयोग द्वारा हर चुनाव में हजारों करोड़ रुपये काला धन जब्त किया जाता है।

दूसरी ओर एक साथ चुनाव होने से शिक्षा क्षेत्र का कामकाज प्रभावित होने से बचेगा। चुनाव में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की ड्यूटी लगती है और पठन-पाठन बाधित होता है। एक साथ चुनाव होने से जनता की भागीदारी बढ़ेगी और लोकतंत्र मजबूत होगा। पांच साल में एक बार चुनाव होने से जनता के बीच भी उत्साह उत्पन्न होगा। यह सच्चाई है कि देश में बार-बार चुनाव होने से लोगों का चुनाव के प्रति आकर्षण कम होता है और उसका कुप्रभाव लोकतंत्र की बुनियाद पर पड़ता है। बहुत से लोग रोजगार एवं अन्य कारणों से दूसरी जगहों पर रहते हैं। उन्हें मतदान के लिए बार-बार अपने मूलस्थान पर आना संभव नहीं होता। लेकिन अगर एक साथ चुनाव हो तो लोग एक बार में दोनों चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। लेकिन विडंबना है कि कुछ राजनीतिक दल इसके फायदे के बजाए कल्पित नुकसान के कुतर्क को आगे बढ़ा रहे हैं। याद होगा गत वर्ष 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मसले पर जब प्रधानमंत्री ने बैठक बुलाई थी तो किस तरह कुछ राजनीतिक दलों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था। दरअसल इस बहिष्कार के पीछे उनका मकसद यह साबित करना था कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' असंवैधानिक और संघीय व्यवस्था के खिलाफ है और सरकार इसके जरिए अपना राजनीतिक हित साधना चाहती है।

यह आरोप ठीक नहीं है। विमर्श से पहले ही इस नतीजे पर पहुंच जाना कि एक साथ चुनाव देश हित में नहीं है, लोकतंत्र की भावना के विरुद्ध है। इन राजनीतिक दलों की नजर में एक साथ चुनाव होने से कई तरह की समस्याएं उत्पन होंगी। मसलन चुनाव जीतने के लिए बड़े राजनीतिक दल भारी पैमाने पर संसाधनों का इस्तेमाल करेंगे जबकि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए उनका मुकाबला कठिन होगा। यानी बड़े राजनीतिक दल छोटे राजनीतिक दलों को चुनाव में हरा देंगे। उनका सोचना है कि एक साथ चुनाव होगा तो मतदाता केंद्र एवं राज्य में एक ही दल को बहुमत देगा। लेकिन यह चिंता निर्मूल है।

क्षेत्रीय दलों में पनपी आशंका

2014 और 2019 में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ कई राज्यों की विधानसभाओं के भी चुनाव हुए लेकिन नतीजे अलग-अलग रहे। क्या यह रेखांकित नहीं करता है कि देश का मतदाता परिपक्व हो चुका है? कुछ क्षेत्रीय दलों का तर्क यह भी है कि चुनावों के दौरान देश के बड़े राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को उछालेंगे जिसमें क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के मुद्दे गौण पड़ जाएंगे। यानी देश की जनता क्षेत्रीय मुद्दों के बजाए राष्ट्रीय मुद्दों को तवज्जो देगी और उसका नुकसान क्षेत्रीय दलों को उठाना होगा। उनकी आशंका है कि एक साथ चुनाव होने से चुनाव का स्वरूप व्यक्ति केंद्रित हो जाएगा और राष्ट्रीय दल प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुनाव में बढ़त बना लेंगे। यानी जनता जिस व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाएगी उसी दल का राज्यों में भी दबदबा होगा। एक साथ चुनाव से परिणाम देर में आएंगे और सत्तारुढ़ दल उसमें हेरा-फेरी करा सकता है। गौर करें तो क्षेत्रीय दलों की आशंका ठीक वैसी ही है जैसी कि वे ईवीएम को लेकर छाती पीटते रहे हैं। संभवतः 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध करने वाले राजनीतिक दलों का देश की जनता पर भरोसा कम और अपने कपोलकल्पित आशंकाओं पर ज्यादा हैं। सच कहें तो इस तरह की नकारात्मक प्रवृत्ति देशहित के खिलाफ है।

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]
डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]
महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग
9131880895, 8319870997
6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर
83700 77700, 7024125200

जॉनी को मिलेगा अचीवमेंट अवॉर्डः लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जॉनी डेप को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। अभिनेता को यह सम्मान इस साल होने जा रहे रोम फिल्म फेस्टिवल में मिलेगा। रोम फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 16 से 27 अक्टूबर तक होगा।

रिजेक्शन से टूटकर छोड़ दी थीं एक्टिंग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एक्ट्रेस तान्या मानिकतला ने कई मूवीज और वेब सीरीज में काम किया है। इनके अभिनय की खूब तारीफ भी होती है। हालांकि, शुरू में इनके लिए ये सफर आसान नहीं था। उन्होंने काफी पापड़ बेले थे। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे वह एक्ट्रेस बनीं और किन चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। जब वह कॉलेज में थीं, तब उन्होंने FLAMES में काम किया था। ये एक सीरीज थी। हालांकि, इसके 10 महीने बाद वह जो भी ऑडिशन

देतीं, सबमें उनको रिजेक्ट कर दिया जाता था। बार-बार रिजेक्शन ने उन्हें तोड़ दिया था। वह हताश होकर अपनी बहन के साथ ऑस्ट्रेलिया शिफ्ट होना चाहती थीं। लेकिन बाद में किस्मत चमकी और एक कॉल आया। वो कॉल मीरा नायर का था, जो की डायरेक्टर हैं। उन्होंने एक्ट्रेस को 'अ सूटेबल बॉय' में लीड रोल ऑफर किया। यहीं से उनकी किस्मत पलट गई। हालांकि, रिजेक्शन के दौरान कुछ समय तक तान्या मानिकतला ने पढ़ाई पर ध्यान लगाया। एक विज्ञापन एजेंसी में कॉपीराइटर की नौकरी की और एक्टिंग में बड़ा नाम कमाने के अपने सपने को छोड़ दिया।

हाउसफुल 5 में होगा ढेर सारा फन चंकी ने दिखाई पहली झलक...

नई दिल्ली। अक्षय कुमार अपनी नई फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, जो कि बड़ी कमर्शियल एंटरटेनर मूवी हाउसफुल 5 है। तरुण मनुसूखानी के डायरेक्शन बन रही इस फिल्म में खिलाड़ी कुमार के अलावा जैकलीन फर्नांडिस, अभिषेक बनर्जी, चंकी पांडे और जॉन लीवर अहम किरदार में नजर आ रहे है। इसी बीच एक्साइटमेंट को बढ़ाते हुए एक्टर चंकी पांडे ने एक वीडियो फिल्म के शूट से शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस भी फिल्म देखने के लिए काफी एक्साइटेड होते दिख रहे है। जबकि यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। शेयर किए वीडियो

में चंकी पांडे ने लंदन डायरी की झलक फैंस को दिखाई है, जो कि हाउसफुल 5 की शूटिंग के दौरान की है। क्लिप में शूट के बीच क्रूज पर ली गई तस्वीरें है। पहली में चंकी पांडे लंदन में स्टाइलिश वाइट हुडी और ब्लू डेनिम में नजर आ रहे है। दूसरी फोटो में वह सेम आउटफिट में क्रूज पर दिख रहे है। तीसरी फोटो में उनके साथ को स्टार जॉनी लीवर हैं, जिसकी झलक फैंस को हंसने पर मजबूर कर रही है। इसके अलावा लंदन से अक्षय कुमार का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह हाउसफुल 5 के शूट के बीच फीमेल फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए नजर आ रहे है।

सैफ के किस अंदाज पर फिदा हुईं करीना? एक्ट्रेस ने खुद किया था खुलासा..!

मुंबई। करीना कपूर और सैफ अली खान की लव स्टोरी काफी अलग रही। इसके बारे में एक्ट्रेस ने खुद बताया और कहा था कि किस फिल्म के सेट पर उन्हें सैफ पसंद आए थे। 21 सितंबर 1980 को करीना कपूर का जन्म हुआ और शनिवार को उनका 44वां बर्थडे था। करीना कपूर की लाइफ 2008 के बाद बदली

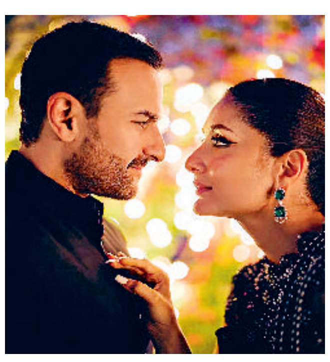

जब सैफ उनकी लाइफ में आए। 16 अक्टूबर 2012 को करीना कपूर ने सैफ अली खान के साथ कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसके बाद एक प्राइवेट रिसेप्शन भी रखा था। करीना और सैफ की लव स्टोरी साल 2007 में फिल्म टशन के सेट पर शुरू हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, किसी इंटरव्यू में करीना कपूर ने अपनी और सैफ की लव स्टोरी बताई थी। उन्होंने कहा था कि 'टशन' के सेट पर सैफ से वो पहली बार ठीक से मिली। वहां काफी-काफी देर तक लोग बातें करते थे और मस्ती भी करते थे। करीना कपूर ने हंसते हुए ये भी कहा था, 'मुझे उनका फिजिक पसंद आया। जब उन्होंने शर्ट उतारी तो उनकी बॉडी बेहद अट्रैक्टिव लगी। लेकिन उससे पहले मैंने उनकी आंखें देखीं जिसमें बहुत काइंडनेस देखने को मिली।' करीना उसी सेट पर सैफ पर फिदा हो गई थीं। फिल्म टशन (2008) तो फ्लॉप हुई, लेकिन सैफ-करीना की लव स्टोरी चल गई। काफी साल दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया और फिर साल 2012 में शादी कर ली। करीना कपूर और सैफ अली खान के दो बच्चे तैमूर और जेह अली खान हैं। करीना आज सैफ के साथ अच्छी लाइफ शेयर कर रही हैं। करीना-सैफ की शादी को लगभग 12 साल हो गए हैं।

जैकेट के शेष

दंतेश्वरी व पाताल .....

साथ नवमी तिथि बताई गई है। पंचांग के फेर में अब मंदिर समितियां दुविधा में फंस गई है। हालांकि प्रदेश की प्रमुख मंदिरों ने नवरात्र को लेकर अपना कार्यक्रम तय कर लिया है। रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर और डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर समितियों द्वारा 11 अक्टूबर को अष्टमी हवन एवं 12 अक्टूबर को नवमी पूजन किया जा रहा है। जबकि राजनांदगांव स्थित मां पाताल भैरवी मंदिर एवं दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर समिति द्वारा 11 अक्टूबर को ही सुबह अष्टमी हवन कर दोपहर बाद नवमी पूजन किया जाएगा। पंडितों के अनुसार इस बार की नवरात्र में सप्तमी एवं अष्टमी तिथि एक ही दिन होने से ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है। उन्होंने बताया कि 3 अक्टूबर से नवरात्र की शुरुआत हो रही है। जिसका समापन पंचांग अनुसार 11 अक्टूबर को है। वहीं 12 अक्टूबर को दशहरा पर्व है, परन्तु उदयमान तिथि के अनुसार कुछ मंदिरों में नवमी दशहरा के दिन ही मनाई जा रही है।

साल में चार नवरात्र....

भी कहा जाता है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा होती है। नवरात्र के 10वें दिन दशहरा होता है। इस बार 12 अक्टूबर को दशहरा का पर्व है।

सेम कंपनी, सेम ....

के माध्यम ऊंचे दामों पर की, उसी कंपनी की वही दवा राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन (आरएमएससीएल) ने लगभग आधे दामों में क्रय किया है।

आठ लाख के ....

/प्लाटून नम्बर 12 का कमांडर इनाम 8 लाख, मंगली पोटाम उर्फ कांति पति सुदरू पूनेम (25), जाति मुरिया निवासी पुसनार नेशनल पार्क एरिया कमेटी अंतर्गत प्लाटून नम्बर 2 पार्टी सदस्य, इनाम 2 लाख, आयतू कोरसा पिता पोरिया कोरसा (52), जाति मुरिया निवासी मनकेली गंगालूर एरिया कमेटी अन्तर्गत मनकेली आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष, इनाम 1 लाख, 18 स्थाई वारंट, रामू लेकाम पिता हुंगा लेकाम (26), जाति मुरिया निवासी आईपा थाना गंगालूर बैनपल्ली आरपीसी सीएनएमस अध्यक्ष, महेश यादव उर्फ आपू पिता लक्ष्मण (36), जाति मुरिया निवासी मल्लूर थाना गंगालूर बुरजी आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सी सेक्शन कमाण्डर, सुदरू हेमला उर्फ पोटटी पिता बुदरू हेमला (27), जाति मुरिया निवासी काकेकोरमा थाना बीजापुर पदेड़ा आरपीसी मिलिशिया प्लाटून ए सेक्शन कमांडर 4 स्थाई वारंट, हुंगा डोडी पिता सोमा डोडी (22), जाति मुरिया निवासी कोतापुड़ा थाना तर्रेम पुसबाका आरपीसी अन्तर्गत सीएनएम उपाध्यक्ष व सुरेश यादव उर्फ सुरेश पिता आयतू राम यादव (39), जाति राउत निवासी मल्लूर राउतपारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर, बुरजी आरपीसी अन्तर्गत जनताना सरकार सदस्य/आर्थिक शाखा अध्यक्ष शामिल हैं।

कई घटनाओं ...

रेंज, उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ा, उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में चलाये जा रहे माओवादी उन्मूलन अभियान के दौरान डीआरजी, बस्तर फाइटर, 85वीं वाहिनी केरिपु, 222वी वाहिनी केरिपु एवं 202, 210 कोबरा ने संयुक्त रूप से आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा से जुड़ने नक्सलियों से अपील की है।

2.50 लाख में ...

भीम साव के नाम का एक दो लाख बीस हजार का चेक, एक ज्वेलरी दुकान का सादा रसीद समेत कई कागजात बरामद किये गये हैं।

दोस्तों को मिठाई-समोसा पार्टी भी दी : बताया जा रहा है कि आईपीएस बनने के बाद मिथिलेश ने गांव के सभी लोगों को मिठाई समोसे की पार्टी भी दी। जब वह जिला परिषद अध्यक्ष दुलारी देवी व पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी गुड्डू यादव के आवास के बाहर मुख्य सड़क पर घूम रहा था तभी पुलिस की नजर उस पर पड़ी। पुलिस को उस पर शक हुआ और उसे गिरफ्तार किया गया।

मामा से लिया कर्ज और पूरा किया सपना : पुलिस की पूछताछ में मिथलेश ने यह बताया है कि खैरा इलाके के मनोज सिंह नामक एक व्यक्ति ने उसे पुलिस में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। इसके लिए मनोज ने 2 लाख 50 हजार रुपये की मांग की थी। मिथलेश ने अपने मामा से 2 लाख रुपये उधार लेकर मनोज को दिए थे। इसके बदले में मनोज ने उसे आईपीएस की वर्दी, बैच और पिस्टल प्रदान की थी।

वर्दी और पिस्टल देने वाले की तलाश : फिलहाल पुलिस को जब मामला ठगी का प्रतीत हुआ तो महकमा पूरे मामले की तहकीकात में जुट गया। अभी तक आरोपी मनोज सिंह का कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस खैरा के मनोज सिंह की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस यह भी जानने का प्रयास कर रही है कि आखिर मनोज सिंह कौन है, जिसने युवक के साथ ठगी कर फर्जी आईपीएस बनाने में अपनी भूमिका निभाई है।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

कर्क — किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

पेज एक के शेष

सड़कों पर दौड़...

संभाग का पहला स्वचालित ड्रायविंग ट्रैक सालों पहले बनना था, जो वर्तमान में ठंडे बस्ते में चला गया। लगभग 3 वर्ष पूर्व आडावाल स्थित आरटीओ कार्यालय के निकट स्थित सड़क में लायसेंस के लिए चालकों का ट्रायल करते थे, पर वर्तमान में ड्रायविंग ट्रैक के अभाव में कार्यालय में ही कंप्यूटर से चालकों ट्रायल कर रहे हैं। इस तरह से तीन सालों में विभाग ने लगभग 9000 चालकों को ड्रायविंग लाइसेंस बनाकर दे दिए गए। कई चालक तो बिना ट्रायल के ही एजेंट के माध्यम से परिवहन सुविधा केन्द्र में ही लाइसेंस बनवा रहे हैं। स्थाई लायसेंस के लिए चालकों को आरटीओ कार्यालय जाना पड़ता है, इस तरह से ड्रायविंग लाइसेंस ट्रायल दिए बिना ही चालकों को मिल रहे हैं।

ट्रैक के अभाव से कंप्यूटर पर ले रहे परीक्षा : क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने इस संबंध में बताया कि ग्राम सरगीपाल में संभाग का पहला ड्रायविंग ट्रैक बनेगा, इसके लिए एजेंसी तय हो गई। ठेकेदार की मनमानी के चलते अब तक ड्रायविंग ट्रैक का निर्माण कार्य नहीं हो सका, इसके लिए ठेकेदार को निर्देश दिया गया कि शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू करें। ट्रैक नहीं होने से कंप्यूटर में चालकों की परीक्षा लेकर लायसेंस दिया जा रहा है।

कांकेर में मुख्य...

का कहना है कि एलएमबी के लिए कार्यालय के सामने जो जगह है, वहीं पर टेस्ट लिया जाता है और भारी वाहन के लिए मुख्य मार्गों पर जांच किया जाता है। हरिभूमि ने इस मामले में हकीकत जानने के लिए जब जायजा लिया तो विभाग प्रमुख का दावा खोखला निकला। लाइसेंस देने के पहले जो टेस्ट, जिस मापदंड के होने चाहिए, उस मापदंड के टेस्ट नहीं होते हैं। मापदंड के अनुसार टेस्ट न लेकर जो लाइसेंस दिया जा रहा है, उससे आमजीवन के लिए खतरा है।

बिलासपुर में मैनुअल...

कर आटोमैटिक मशीन व सेंसर के रिजल्ट के आधार पर ड्रायविंग लाइसेंस बनाने की घोषणा की गई थी। यह योजना पीपीपी मोड पर बनाई गई थी, जिसका संचालन थर्ड पार्टी कंपनी द्वारा किया जाना था। राज्य सरकार ने जिला प्रशासन को इसके लिए भूमि आबंटित करने का आदेश भी दिया था लेकिन साल भर बाद भी बिलासपुर में ई ट्रैक नहीं बनाया जा सका है। इसमें लाइसेंस के साथ ही ई ट्रैक में ड्रायविंग टेस्ट का शुल्क देना पड़ सकता है, वहीं सेंसर के आधार पर मिले रिजल्ट से ही टेस्ट में पास व फेल की स्थिति पता चल सकता है। यह सुविधा प्रदेश में महज रायपुर परिवहन कार्यालय में उपलब्ध है। आरटीओ आनंद रूप तिवारी ने बताया कि ई ट्रैक नहीं होने के कारण आवेदकों का मैदान पर ही टेस्ट लिया जाता है, बारिश के दिनों में यातायात पार्क में टेस्ट लिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस बारे में उच्च अधिकारियों से चर्चा की जा रही है।

बंदी की मौत...

अच्छी है। कैदी अलग-अलग तरह के काम कर रहे हैं। सरकार उनके स्किल डेवलपमेंट पर काम कर रही है। बता दें कि शुक्रवार को केंद्रीय जेल में एक बंदी की मौत हो गई थी। परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद गृहमंत्री जेल पहुंचे थे।

पीएम मोदी-राष्ट्रपति...

अधिक गतिशील है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ जब भी हम बैठते हैं, मैं सहयोग के नए क्षेत्रों को खोजने की हमारी क्षमता से बहुत प्रसन्न होता हूं। आज भी कुछ अलग नहीं था। इधर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक अहम यात्रा की गर्मजोशी से और खास शुरुआत। एक विशेष भाव के तहत जो बाइडन ने अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेजबानी की। द्विपक्षीय बैठक से पहले ग्रीनविले, डेलावेयर में जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के अनुसार, द्विपक्षीय बैठक में यूक्रेन में युद्ध और मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा पर प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है। मोदी ने अमेरिका के लिये रवाना होने से पहले दिल्ली में अपने वक्तव्य में कहा था, "राष्ट्रपति बाइडन के साथ मेरी बैठक हमें अपने लोगों के लाभ और वैश्विक भलाई के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए, नए तरीकों की समीक्षा करने और उनकी पहचान करने का मौका देगी। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी मौजूद हैं। अमेरिकी दल में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के सहायक टी एव जेक सुलिवन और भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी शामिल हैं। अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर यहां आए मोदी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। दोनों नेता क्वाड शिखर सम्मेलन के शिरकत करने के लिए यहां आए हैं।

अंतरिक्ष सहयोग को लेकर हो सकता है समझौता : पीएम मोदी और जो बाइडेन के बीच मुलाकात में भारत-अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग को लेकर कोई समझौता हो सकता है। दरअसल, भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्जिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जा सकते हैं। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर के प्रीडिएटर ड्रोन समझौते पर भी बात हो सकती है।

स्व. श्याम जी पांडेय...

पांडेय के पिता श्याम जी पांडेय का नौ सितंबर को निधन हो गया था। शोकाकुल पांडेय परिवार ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। इसमें राज्यपाल रमेन डेका और मुख्य मंत्री विष्णुदेव साय सहित डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह सहित भिलाई दुर्ग व जिले के साथ प्रदेश भर से भाजपा नेता और विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित लोग पहुंचे। दोपहर दो बजे पहुंचे राज्यपाल डॉ. रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने श्याम जी पांडेय की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भाजपा नेत्री सरोज पांडेय व भाई राकेश पांडेय सहित शोकाकुल परिजनों से मिलकर संबल प्रधान किया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत, गौरीशंकर अग्रवाल सहित कई विधायक, सांसद, महापौर, पूर्व सभापति समेत बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोग शोकसभा में शामिल हुए। सुश्री पांडेय ने डॉ. द्विवेदी से अपने पिता के साथ शिक्षक के रुप में उनके योगदान और खुशी के पलों की यादों को साझा किया।

ग्रामीण आजीविका मिशन में...

एवं ग्रामीण विकास विभाग के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में भर्ती के प्रस्ताव को वित्त विभाग ने मंजूरी प्रदान कर दी है। जिसमें राज्य स्तर के कुल 09 और जिला स्तरीय 228 पद शामिल हैं। राज्य स्तरीय पदों में सहायक राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (वित्तीय प्रबंधन), सहायक राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (फार्म आजीविका), प्रोग्रामर व लेखापाल के एक-एक पद एवं भृत्य के दो पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा हाल में ही पीएचई में इंजीनियर्स सहित 181 पदों और स्वास्थ्य विभाग में 650 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी गई है।

इन पदों पर...

सहायक के 49, कार्यालय सहायक, ऑपरेटर के 17 और भृत्य के 8 पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी गई है। इन पदों पर भर्ती होने से मिशन की योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा, जिससे ग्रामीण समुदायों को सीधा लाभ मिलेगा।

चार महीने गुजरने के...

नहीं पहुंच सकी हैं। इधर, कई अशासकीय स्कूलों में जहां अब तक पुस्तकें नहीं पहुंची हैं वहां तिमाही परीक्षाएं चल रही हैं। पाठ्य पुस्तक निगम के संभागीय गोदाम से सूरजपुर जिले के लिए निःशुल्क पुस्तकों की पहली खेप 18 जून को पहुंची थी। पुस्तकों को वितरित करने के बाद विभाग ने मांग पत्र भेजा तो पुस्तकों की दूसरी खेप 28 अगस्त को पहुंची। अधिकारियों का कहना है कि शासकीय स्कूलों में निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के बाद अशासकीय स्कूलों को पुस्तकें दी गई। स्टॉक उपलब्ध नहीं होने के कारण दूरस्थ क्षेत्र के अशासकीय स्कूलों तक पुस्तकें नहीं पहुंच पाईं। पुस्तकों की दूसरी खेप पहुंचने पर पुस्तकों का वितरण चल ही रहा था कि प्रभारी लिपिक द्वारा रद्दी के भाव में निःशुल्क पुस्तकें बेचने की बात सामने आ गई। ऐसे में विभाग ने पुस्तकों का वितरण बंद करा दिया। गोदाम में उपलब्ध पुस्तकों की गणना की गणना की जा रही है ताकि प्रभारी लिपिक एंव भृत्यों द्वारा की गई हेराफेरी की सही जानकारी मिल सके। इस हेराफेरी की जांच के लिए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच का गठन किया है। इसे सिस्टम की अव्यवस्था कहें या अधिकारियों की लापरवाही कि अशासकीय स्कूलों में बिना पुस्तक बच्चे चार महीने से पढ़ाई कर रहे हैं तथा कई स्कूलों में तिमाही परीक्षा भी दे रहे हैं। ऐसे में निःशुल्क पुस्तकों की उपयोगिता भी सवालों के घेरे में है। इस बड़ी अव्यवस्था के कारण अशासकीय स्कूलों के संचालक विभाग पर सौतेला व्यवहार करने एवं हर साल अगस्त महीने या उसके बाद निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने का आरोप लगा रहे हैं। सूरजपुर जिले में 324 छोटे-बड़े अशासकीय स्कूल संचालित हैं। अधिकांश बड़े अशासकीय स्कूलों ने अलग-निजी प्रकाशकों की पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया है जबकि अन्य स्कूलों में शासन द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का पालन किया जा रहा है। निःशुल्क पुस्तकों से पाठ्यक्रम संचालित करने वाले प्रतापपुर, प्रेमनगर, रामानुजनगर, ओड़गी, भैयाथान, विकासखण्ड में संचालित अशासकीय स्कूलों में अब तक पुस्तकें नहीं पहुंच पाई हैं। इन स्कूलों में अध्ययनरत लगभग 12 से अधिक विद्यार्थी बिना पुस्तक के चार महीनों से पढ़ाई कर रहे हैं।

इन स्कूलों में पुस्तकों का इंतजार : विकासखंड ओड़गी अंतर्गत रामजग साव बाल विद्या मंदिर, निर्मला पब्लिक स्कूल, विवेकानंद विद्या मंदिर, जय गुरूदेव विद्यापीठ, ब्राइट फ्यूचर एकेडमी, राजमोहिनी देवी बाल विद्या मंदिर, गोडवाना पब्लिक स्कूल, दुर्गावती पब्लिक स्कूल, ग्राम स्थली विद्यामंदिर, रस्ती विद्या मंदिर, विकासखण्ड रामानुजनगर अंतर्गत ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल, नेहरू बाल विद्या मंदिर, मयूर द स्कूल, कर्तव्य स्कूल, विकासखण्ड प्रतापपुर अंतर्गत भारती विद्या मंदिर, लक्ष्मी विद्या मंदिर, शांति निकेतन, भारती विद्या मंदिर सहित अन्य अशासकीय स्कूलों के बच्चे निःशुल्क पुस्तकों का इंतजार कर रहे हैं।

हजारों किताबें डिपो में...

प्रवेशोत्सव के दौरान छात्रों को किताब का वितरण किया जाना है। स्कूल खुले तीन माह से अधिक गुजर जाने के बाद भी बच्चों को आधी-अधूरी किताबें मिली हैं। जिससे उनकी पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। मालूम हो कि बिलासपुर जिले के स्कूलों में पुस्तक भेजने के लिए चिंगराजपारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में सब डिपो बनाया गया है, इसका प्रभारी एक शिक्षक को बनाया गया है, जिनके द्वारा अभी तक जिले के 800 निजी व सरकारी स्कूलों को पुस्तकें वितरित की गई हैं। यहां अभी भी हजारों की संख्या में अलग-अलग विषयों की पुस्तकें धूल खा रही हैं। इन पुस्तकों को वितरण जुलाई माह के अंत तक किया जाना था। लापरवाही के चलते बच्चे सरकारी किताबों से वंचित है।

डिपो से किताब हो चुकी हैं वितरित : शिक्षा विभाग द्वारा बिलासपुर जिले के अलावा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, सक्ती, जांजगीर-चांपा, कोरबा सहित मुंगेली जिले में पुस्तक वितरण करने बिलासपुर के ग्राम गतौरी में डिपो बनाया गया है। जहां वितरण करने के लिए किताबें डंप की जाती हैं। उक्त डिपो से सारे जिलों में किताबें तय समय पर भेजा जा चुका है, जिसमें कक्षा पहली से 10 वीं तक के हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान भाग-1 व 2 संस्कृत आदि विषयों के किताबें शामिल हैं।

ध्रुव हेलिकॉप्टर की मदद से सेना ने लद्दाख में चलाया रात्रि अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- रात्रि अभियान के जरिए अपनी क्षमता का प्रदर्शन

एलएसी विवाद के बीच भारतीय सेना ने स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव का प्रयोग करते हुए लद्दाख में ऊंचाई वाले इलाकों में रात्रि अभियान के जरिए अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इन हेलिकॉप्टरों का उत्पादन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने चुनौतीपूर्ण भौगोलिक माहौल और जटिल मौसमी परिस्थितियों में सैन्य अभियान के संचालन के लिए किया है। ध्रुव हेलिकॉप्टरों के बेड़े की देखरेख कर रहे हविंदर सिंह ने बताया कि हेलिकॉप्टर मिशन के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मेरी जिम्मेदारी यह है कि हेलिकॉप्टर बेड़े में शामिल सभी कर्मी (तकनीशियन, सुपरवाइजर) लगातार प्रशिक्षण के जरिए मुस्तैद रहें। एचएएल के अलावा कई अन्य एजेंसियां भी ध्रुव हेलिकॉप्टर को बनाने के काम में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सबसे जरूरी हर तकनीशियन और अधिकारी की हवाई सुरक्षा है। जिसके साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

सर्दियों में उड़ान के दौरान बढ़ती चुनौती

रात्रि अभियान के दौरान ऊंचाई वाले इलाकों में हेलिकॉप्टर उड़ान के समय आने वाली चुनौतियों के बारे में भी सिंह ने बताया। उन्होंने कहा कि खासतौर पर सर्दियों के समय में जब तापमान माइनस 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है। तब एक तकनीशियन को विमान की उड़ान से पहले करीब दस मिनट तक उसकी जांच करनी पड़ती है। इसके बाद उसे पुनः गर्म होने के लिए कुछ देर तक छोड़ना पड़ता है। मेजर आयुष देवलीयाल (तकनीकी सुपरवाइजर) ने कहा कि उड़ान से पहले हेलिकॉप्टर का हर एक कलपुर्जो बेहद गंभीरता के साथ जांचा परखा जाता है। हर टीम अपने सिस्टम की गहनता से जांच करती है। इसके बाद इंजीनियरिंग अधिकारी जांच की अनुमति देता है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम - आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 158773 / निविदा सूचना क्र. 05/ व.ले.लि. / 2024-25 दिनांक 19.09.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 10.10.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम - खारंग जलाशय योजना अंतर्गत पाराघाट माईनर नहर के आर.डी. 765 मी. से 1315 मी. तक आर.सी.सी. बैरल का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत रू. - 153.94 लाख
(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ. आर. दिनांक 22.08.2022 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं शासन एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 26.09.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट :- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2023 में जारी किए गये Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2024) का उपयोग अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग
बिलासपुर (छ.ग.)

G-242502647/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला- जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 10-10-2024 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
158575	11 /व.ले.लि./ 2024-2025 दिनांक 19.09.2024	जांजगीर-चाम्पा जिले के मूलमुला बांध एवं नहर का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार एवं नहर का सी. सी. लाईनिंग का कार्य।	173.39	प्रथम आमंत्रण
158576	12 /व.ले.लि./ 2024-2025 दिनांक 19.09.2024	जांजगीर-चाम्पा जिले के सिंचाई जलाशय नरियरा का स्लूस गेट, बांध एवं नहर के जीर्णोद्धार का कार्य।	197.13	प्रथम आमंत्रण
158627	13 /व.ले.लि./ 2024-2025 दिनांक 19.09.2024	जांजगीर-चाम्पा जिले के हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत अकलतरा शाखा नहर के आर.डी. 2200 मी. से 2700 मी., 2900 मी. से 3500 मी. एवं 3600 मी. से 4050 मी. तक फिलिंग रीच में कांक्रीट, टो-वाल का निर्माण कार्य।	287.31	प्रथम आमंत्रण
158629	14 /व.ले.लि./ 2024-2025 दिनांक 19.09.2024	जांजगीर-चाम्पा जिले के हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत खिसोरा माईनर (आर.डी. 1600 मी. से 2100 मी.) एवं पोड़ी माईनर 02 (कन्टूर केनाल) (आर.डी. 130 मी. से 700 मी.) तक फिलिंग रीच में टो-वॉल का निर्माण कार्य।	274.87	प्रथम आमंत्रण
158633	15 /व.ले.लि./ 2024-2025 दिनांक 19.09.2024	जांजगीर-चाम्पा जिले के अंतर्गत कोकड़ी नाला में (ग्राम किरीत के पास) स्टॉप डेम सह रपटा निर्माण कार्य।	223.67	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 26-09-2024 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट https://eproc.cgstate.gov.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला- जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

G- 242502631/2

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

आदेश क्र./4838/ व.ले.लि./2024-25
कोटा, दिनांक 18/09/2024

निविदा सूचना क्र. 02/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 28.06.2024 सिस्टम नं. 155506 (तृतीय आमंत्रण) "दवनपुर जलाशय योजना का जीर्णोद्धार एवं नहर मरम्मत कार्य" अनुमोदित लागत राशि रू. 217.17 लाख की निविदा को प्रमुख अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ) जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.) के पत्र पृ.क्र. 4263014/निविदा प्रकोष्ठ/2024 / नवा रायपुर दिनांक 13.09.2024 (जी नं. 242500720 दिनांक 03.07.2024) के परिपेक्ष्य में उक्त निविदा निरस्त की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कोटा
जिला बिलासपुर (छ.ग.)

G-242502630/2

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक / 1365 / भू-अर्जन / आ.क्र.नि.-2024 — दुर्ग, दिनांक 04/09/2024

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की तेलीगुण्डरा - केसरा पहुंच मार्ग निर्माण एवं सड़क उन्नयन विकास कार्य में ग्राम तेलीगुण्डरा, प.ह.नं. 41 तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.) के पक्ष में क्रय करने का विचार किया जा रहा है।

क्र.	भूमि स्वामी का नाम व पिता/पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर परिसंपत्ति का विवरण
		खसरा नंबर	रकबा (व.मी. में)	
1	2	3	4	5
1	फुलसिंह, दुखित पिता सेखू	1500	10.00	बाऊड्रीवाल
2	छन्नू ईश्वरसिंग पिता स्व. लच्छूराम, दुर्गाबाई बेवा लच्छूराम	1494/1	24.00	-
3	छन्नूलाल पिता लच्छूराम	1494/2	12.00	-
4	धिराज पिता पचकौड़	1492	38.50	बाऊड्रीवाल
	योग-	4	84.50	-

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर, दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

(ऋचा प्रकाश चौधरी)
कलेक्टर, जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

G-242502665/1

कार्यालय अधिष्ठाता, छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान,
छत्तीसगढ़ शासन, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) 495001
FAX (O) -07752-224200, PHONE (O)-07752-230030, Website: www.cimsbilaspur.ac.in email-deancims@gmail.com

क्र. 11281/स्था/प्रशा/सिम्स/2024 — Walk-In-Interview — बिलासपुर, दिनांक 19/09/2024

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर के अंतर्गत सुपरस्पेशिलिटी चिकित्सालय, कोनी, बिलासपुर छ०ग० हेतु रिक्त शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय पदों की भर्ती संविदा माध्यम से किये जाने हेतु अधिष्ठाता कार्यालय, सिम्स, बिलासपुर में माह सितम्बर में दिनांक 26.09.2024 को Walk-In-Interview आयोजित किया जाएगा। रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

Professor	Associate Professor	Asst. Professor	Senior Resident	Medical Officer	Resident
Cardiology-I (UR) Cardiothoracic Vascular Surgery - 1 (UR) Neurosurgery-1 (UR-1) Urology-1 (UR) Neurology-1 (UR) Nephrology-1 (UR)	Cardiology-1 (UR) Cardiothoracic Vascular Surgery-1 (UR-1) Neurosurgery-2 (UR-1, ST-1) Urology - 2 (UR-1, ST-1) Neurology - 2 (UR- 1. ST-1) Nephrology - 2 (UR-1. ST-1)	Cardiology-2 (UR-1. ST-1) Cardiothoracic Vascular Surgery - 1 (ST-1) Neurosurgery 1 (ST- 1) Urology-1 (ST-1) Neurology 1 (ST- 1) Nephrology - 2 (UR-1. ST-1) Aneasthesia - 6 (UR 1. ST-3. SC - 1. OBC - 1)	Cardiology-5 (UR-2, ST-2. OBC - 1) Cardiothoracic Vascular Surgery - 5 (UR-2, ST-2, OBC - 1) Neurosurgery - 5 (UR- 2, ST-2, OBC - 1) Urology - 5 (UR-2. ST-2, OBC-1) Neurology 5 (UR-2, ST-2. OBC - 1) Nephrology 5 (UR-2, ST-2. OBC - 1) Ancasthesia - 10 (UR - 4(1F), ST-3. SC- 1, OBC-2)	8 (UR-3, ST-3, SC-1, OBC-1)	Pathology - 5 Biochemistry - 3 Microbiology - 5 Radiology - 3 Blood Bank - 4 {(UR-6, ST-9 (2F), SC-3 (1F), OBC-2)}
Salary Rs. 3,00,000/- (90,000+2,10,000)	Salary Rs. 2,50,000/- (80,000+1,70,000	Salary Rs. 1,50,000/- (50,000+1,00,000)	Salary Rs. 1,25,000/- (40,000+85,000)	Salary Rs. 60,000/- (30,000+ 30,000)	Salary Rs. 60,000/- (30,000+30,000)

विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाईट www.cimsbilaspur.ac.in पर उपलब्ध है। पदों के संवर्ग, रिक्तता एवं अर्हता के संबंध में जानकारी अधिष्ठाता कार्यालय, सिम्स, बिलासपुर के दूरभाष से प्राप्त की जा सकती है।

अधिष्ठाता
छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (छ.ग.)

G242502663/2

शब्द पहेली - 5640

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 5639 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खै
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
य	ह			म		य			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

सूडोकू नवताल - 5651

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5650 का हल

[illegible]

मेंढर में गृहमंत्री शाह ने कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस पर बोला हमला

पहले यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब वही मुल्क पीएम मोदी से डर रहा

विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा-गोली का जवाब गोले से देंगे

एजेंसी ▶▶ मेंढर

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव को धार देने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मेंढर पहुंचे। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी? पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि पहले यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान पीएम नरेंद्र मोदी से डरता है।

इनकी हिम्मत नहीं है गोलीबारी करने की और अगर इन्होंने गोलीबारी की तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। उन्होंने विपक्ष दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने आरक्षण समाप्त करने को कहा था, जबकि भाजपा कह रही हम प्रमोशन में भी गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे। पीएम मोदी के आने बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला। जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काना शुरू किया। हमने आपना वो वादा निभाया। तीनों विपक्षी दलों पर इस दौरान शाह ने जमकर हमला बोला।

जम्मू- कश्मीर में विधानसभा चुनाव में भाजपा को दी धार

आज गोलीबारी और पत्थरबाजी का माहौल खत्म कर दिया

भाजपा ने आरक्षण का वादा पूरा किया

अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने दशहतगर्दी फैलाई

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 90 के दशक से लेकर अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर से दशहतगर्दी को समाप्त किया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है।

तीनों परिवार जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के लिए जिम्मेदार

शाह ने कहा कि विधानसभा का यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों के शासन को समाप्त करने जा रहा है। अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार, इन तीन परिवारों ने यहां लोकतांत्रिक शासन की राह में रोड़े अटकाए। अगर मोदी सरकार नहीं आती तो पंचायत, ब्लॉक और जिले के चुनाव नहीं होते।

विपक्षी दल आरक्षण समाप्त करेंगे, हम सभी को देंगे

शाह ने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने कहा है कि हम आरक्षण समाप्त करेंगे जबकि हम कह रहे हैं कि हम प्रमोशन में भी गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे। पीएम मोदी के आने बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला। अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुज्जर भाइयों को भड़काना शुरू किया।

अब्दुल्ला का बड़ा बयान

मुस्लिम बहुल राज्य था, इसलिए बनाया केंद्रशासित

जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार) को केंद्र की सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर निशाना साधा। पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाया, क्योंकि यह मुस्लिम बहुल राज्य है। अब्दुल्ला ने भाजपा और पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जब भी वे कोई गलती करते हैं तो पाकिस्तान को सामने रख देते हैं। वे खुद गलती करते हैं और फिर कहते हैं कि हम पाकिस्तानी हैं। वे कहते हैं कि राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्ला के बीच गठबंधन पाकिस्तान समर्थित है। हमारा पाकिस्तान से क्या लेना-देना है? अब्दुल्ला ने कहा कि मैं समझता हूं कि ये खुद पाकिस्तानी हैं और हमें खतरा हमें दिखा रहे हैं।

चतरा में राजनाथ ने हेमंत पर साधा निशाना

यहां भ्रष्टाचारी सीएम की जरूरत नहीं...

चतरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुनावी राज्य झारखंड के दौरे पर पहुंचे। रक्षा मंत्रीसिंह ने चतरा में भारतीय जनता पार्टी की 'परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ किया और जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान भाजपा के दिग्गज नेता राजनाथ ने हेमंत सोरेन की सरकार पर जमकर निशाना साधा। भाजपा की परिवर्तन यात्रा 2 अक्टूबर तक चलेगी। राजनाथ ने कहा कि भारत कभी किसी दागी व्यक्ति को स्वीकार नहीं करेगा। सोरेन को सत्ता से हटाने और झारखंड में भाजपा को वोट देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि सोरेन ने भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रथाओं के साथ खिलवाड़ किया, भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं, अब ऐसे भ्रष्टाचारी सीएम की झारखंड में कोई जरूरत नहीं है।

आतिशी बनी मुख्यमंत्री पांच मंत्रियों ने भी ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

आतिशी दिल्ली की सबसे युवा मुख्यमंत्री होने के साथ ही दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गई हैं। राजनिवास में हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने आतिशी और मंत्रियों को शपथ दिलाई। सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत मंत्री बनाये गये हैं। अहलावत पहली बार मंत्री बन हैं जबकि चार अन्य पिछले मंत्रीमंडल में भी शामिल थे।

■ दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री आतिशी ने सबसे कम उम्र में संभाली सरकार की कमान

आतिशी संभालेंगी 13 विभाग, सौरभ के जिम्मे आठ विभाग

आतिशी ने वित्त, शिक्षा, बिजली, लोक निर्माण विभाग और राजस्व समेत 13 विभाग अपने पास रखे। वहीं, सौरभ भारद्वाज को स्वास्थ्य, शहरी विकास और इंडस्ट्रीज सहित आठ विभागों का जिम्मा दिया गया। गोपाल राय को विकास और पर्यावरण सहित तीन, गहलोत को परिवहन एवं महिला एवं बाल विकास सहित पांच, इमरान को फूड स्पलाई तथा चुनाव तथा अहलावत को लेबर, एससी एसटी वेलफेयर तथा रोजगार सहित पांच विभाग दिये गये हैं।

आतिशी ने केजरीवाल के छुए पैर

आतिशी दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री बनी हैं। शपथ लेने के बाद उन्होंने आप संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पैर छुए। आतिशी दिल्ली की अबतक की सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं, वे 43 साल की हैं। इससे पहले केजरीवाल 45 साल की उम्र में सीएम बने थे। आतिशी बतौर महिला सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

RAIPUR ZONAL OFFICE:- G.D. Shesh Nilayam, Tatyapara Chowk, Kankalipara Road, Raipur, Chhattisgarh, Ph.: 0771-4212422/32/12

Notice Inviting Tender (NIT)

FIRE EXTINGUISHERS' REFILLING AND SUPPLY FOR BANK OF INDIA BRANCHES / OFFICES / CURRENCY CHESTS IN RAIPUR ZONE

Bank of India, Raipur Zone invites tender from reputed agencies for refilling and supply of Fire Extinguishers at Bank's Branches / Currency Chests / Offices for a period of three years. Basic details of the Tender are as given below:

Sr.	Tender Particulars	Details
1.	Date of availability of tender document on Bank's website	21.09.2024
2.	Last Date for availability of tender Document on Bank's website	14.10.2024
3.	Last Date and Time for submission of duly filled bid	14.10.2024, 03:00 PM
4.	Date of opening of Bids / Tender	14.10.2024, 04:00 PM
5.	Eligibility Cut-Off Date	31.08.2024

Tender document is available on Bank's website https://bankofindia.co.in. All other details of the tender viz. Scope of work, Eligibility Criteria, documents required from the bidder etc. are available in the tender document.

(Zonal Manager), Raipur Zone

दिवंगत कर्मी के परिजनों से मिले केंद्रीय मंत्री गोपी, ढांढस बंधाया

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की कर्मचारी अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल की कथित तौर पर 'अधिक काम' के कारण हुई मौत के बाद केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कर्मचारी के परिवार से मुलाकात की।केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने भी ईवाई कर्मचारी के परिवार से मुलाकात की। गोपी ने कहा कि मैंने अन्ना के परिवार से बात की। जितनी जानकारी मैंने जुटाई है, उससे साफ है कि कर्मचारी की मौत के बाद जिम्मेदार लोगों की भागीदारी बहुत अनुचित रही है। मुझे लगता है कि इससे निपटना होगा। इसकी जांच लिए एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय कथित असुरक्षित और शोषणकारी कार्य वातावरण की जांच कर रहा है। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कर्मचारी के माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान उन्होंने कार्यस्थलों की परिस्थितियों में सुधार को लेकर लाखों पेशेवरों के लिए लड़ाई लड़ने का आश्वासन दिया।

महाराष्ट्र में कांग्रेस, उद्धव और शरद पवार के बीच सीटों का फॉर्मूला लगभग तय

मुंबई। महाराष्ट्र के विपक्षी खेमे महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य की 288 सीटों में से 100 सीटों पर उद्धव ठाकरे और 100 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। शरद पवार की पार्टी को 84 सीटें और बची हुई चार सीटें सहयोगियों के लिए रखी गई हैं। सूत्रों की मानें तो तीनों ही पार्टियां 60 फीसदी सीटों पर एकमत हैं। कुछ सीटों पर अभी भी पेंच है लेकिन उन्हें जल्द ही बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाएगा।

लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित

मिलेनियम प्लाजा कॉम्पलेक्स, जी.ई. रोड, रायपुर, फोन 0771-4038671

वार्षिक आमसभा व केवायसी पालन हेतु सूचना

सम्मानीय सदस्यों को हर्षपूर्वक सूचित किया जाता है कि बैंक की 30 वीं वार्षिक आमसभा की बैठक दिनांक 22.09.2024 दिन रविवार को मिलेनियम प्लाजा कॉम्पलेक्स, बांसटाल, जी. ई. रोड रायपुर में अपरान्ह 11:45 बजे आयोजित की गई हैं समस्त सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय हैं। डाक द्वारा अलग से सूचना भेजी जा चूकी हैं, जिन्हे सूचना न मिली हो इसे ही सूचना माने।

जिन सम्मानीय ग्राहकों / सदस्यों ने अपने खातों के KYC (केवायसी-आधार कार्ड, पेनकार्ड व फोटो) परिचय पत्र एवं एड्रेस प्रुफ बैंक में जमा न किये हो साथ ही खाते में आधार लिंक नहीं किए हैं वे कृपया 30.09.2024 तक अनिवार्य रुप से जमाकर देवें अन्यथा खाते के संचालन में रोक लगा दी जावेगी। संचालक मंडल के आदेशानुसार, मनजीत सिंह हूरा (प्रबंध संचालक)

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र.15/न.पा.नि./जल विभाग/2024-25 दिनांक 20/09/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु फार्म-"F" पर ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 24/10/2024 तक आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	धरोहर राशि	ठेकेदार की श्रेणी
158844	Proposed Water Supply Scheme for Two Villages Chilhati and Devari Khurd of Dist. Bilaspur.	473.07	236535.00	B एवं उच्च

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, सिलतरा

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्माननीय निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि **सिलतरा संभाग** अंतर्गत 33/11 के.व्ही. फीडरो को दीपावली पूर्व आवश्यक रख-रखाव एवं सुधार कार्य हेतु नीचे दिये गये तिथियों में **सुबह 09.00 से शाम 05.00 बजे तक** विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त फीडर एवं दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। **आवश्यकतानुसार समय एवं दिनांक में परिवर्तन किया जा सकता है।**

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर	प्रभावित क्षेत्र
1	23.09.2024	सोमवार	11. के. व्ही. एल. एल. लॉजिस्टीक	एल. एल. लॉजिस्टिक एवं गिरौद औद्योगिक क्षेत्र
2	24.09.2024	मंगलवार	11 के.व्ही निमोरा फीडर	ग्राम-पंचायत निमोरा
3	25.09.2024	बुधवार	11 के.व्ही सिलतरा फीडर	ग्राम-पंचायत, सिलतरा एवं औद्योगिक क्षेत्र
4	26.09.2024	गुरूवार	11 के.व्ही कन्हेरा फीडर	ग्राम-पंचायत, कन्हेरा
5	27.09.2024	शुक्रवार	11 के.व्ही चिखली फीडर	ग्राम-पंचायत, चिखली एवं सोण्डरा
6	30.09.2024	सोमवार	11 के.व्ही कुम्हारी फीडर	ग्राम-पंचायत, कुम्हारी एवं पठारीडीह
7	01.10.2024	मंगलवार	11 के.व्ही सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र	औद्योगिक क्षेत्र, सिलतरा
8	02.10.2024	बुधवार	11 के.व्ही मांढर फीडर	ग्राम-पंचायत, मांढर, अकोली एवं गिधौरी
9	03.10.2024	गुरूवार	11 के.व्ही धनेली फीडर	ग्राम-पंचायत, धनेली
10	04.10.2024	शुक्रवार	11 के.व्ही गिरौद फीडर	ग्राम-पंचायत, गिरौद
11	05.10.2024	शनिवार	11 के.व्ही पठारीडीह फीडर	ग्राम-पंचायत, बहेशर एवं मुरेठी

असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग,
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., सिलतरा

20 दिन बाद मां से मिला मासूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

दंतेवाड़ा से राजकुमार का हुआ था अपहरण

दंतेवाड़ा से 20 दिन पहले अपरहण किया हुआ 6 माह का मासूम शनिवार को अपनी मां से मिला। दंतेवाड़ा के पोंदुम गांव से अगवा 6 माह के मासूम राजकुमार को पुलिस ने बरामद कर लिया है। बच्चे को धमतरी जिले के केरेगांव पुलिस थाना क्षेत्र से बरामद कर ग्रामीणों ने शुक्रवार को पुलिस के सुपुर्द किया था। बताया जा रहा है कि धमतरी और नगरी के बीच सड़क किनारे किसी ने इस बच्चे को छोड़ दिया था। राह चलते कुछ राहगीरों की नजर इस पर पड़ी तो उन्होंने बच्चे को केरेगांव पुलिस के सुपुर्द किया। जिस समय पुलिस ने बच्चे को बरामद किया तब उसके हाथ में सफेद पट्टी बंधी हुई थी, जिस पर लिखा हुआ था यह दंतेवाड़ा का बच्चा है।

किडनेपरों ने धमतरी में छोड़ा बच्चा, हाथ पर लिखा

यह बच्चा दंतेवाड़ा का है

20 दिन पहले हुआ था अपहरण

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-89-2024-25, दिनांकः 13.09.2024.

कार्यः 30 जून 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सीनियर डीईएन/सेटलमेंट/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के तहत बिलासपुर रेलवे सेटलमेंट में सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के संबंध में सिविल जोनल कार्यो का निष्पादन। **निविदा मूल्यः** ₹ 1,19,74,403.58. **अमानत राशिः** ₹ 2,09,900/-. **पूर्णता अवधिः** 12 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 23.09.2024 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 07.10.2024 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/245 द.पू.म.रे.,बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: 34/ET/SBP/ENGG/2024-25, दिनांक: 16.09.2024

(1) ई-निविदा सं.: 21-eT-DENE-SBP-24

कार्य का नाम: रेलवे की भूमि/खदान के बाहर से जुजुमुरा डिपो में रेलवे के विनिर्देशन के अनुसार मशीन से तोड़े गए 60,000 CUM ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति एवं ढेरी लगाना तथा सम्बलपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/सम्बलपुर के क्षेत्राधिकार के अधीन रेलवे के वैगनों में लोडिंग (समापन अवधिः मानसून की अवधि छोड़कर 18 महीने)।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.7,76,43,000.00, बिड सिक्योरिटीः रु. 5,38,300.00।

(2) ई-निविदा सं.: 24-eT-DENE-SBP-24

कार्य का नाम: सम्बलपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE) (P.WAY)/रेंगाली (RGL) के क्षेत्राधिकार के अधीन दिनांक 30.09.2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए झारसुगुड़ा (JSG) (EX)-सरला (SLRA) (EX) एवं झारसुगुड़ा रोड (JSGR)-ईब (IB) लाइन के बीच अनुभाग में सभी PERMANENT WAY जोनल कार्यों का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,77,72,000.00, बिड सिक्योरिटीः रु. 2,38,900.00।

कार्य समापन की अवधिः मानसून की अवधि छोड़कर 18 (अठारह) महीने (क्रम सं. 1 के लिए) तथा 30.09.2025 (क्रम सं. 2 के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 14.10.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), सम्बलपुर

PR-542/P/24-25

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से चार आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में चार कथित आईएसआईएस आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस के आतंकवाद-रोधी विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पंजाब के चार शहरों - लाहौर, टोबा टेक सिंह, बहावलपुर और मियांवाली - में आतंकवादियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई और आईएसआईएस से जुड़े चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। आतंकवादियों की पहचान अमजद-उर रहमान, शेर अली, जहाबुल्ला और तैयब रईस के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2,570 ग्राम विस्फोटक, तीन डेटोनेटर, 40 गोलियों के साथ कलाश्निकोव राइफल, चार हथगोले और आईएसआईएस का प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया। गिरफ्तार आतंकवादियों ने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और हस्तियों को निशाना बनाने की योजना बनाई थी।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक CRGB

क्षेत्रीय कार्यालयः भारतीय रिजर्व बैंक के पास, महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.) 492013
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300,(PIN 492013)
E-mail: npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

नीलामी सूचना (जहाँ है जैसा है स्थिति में)

छत्तीसगढ राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा जब्त किये गये निम्नलिखित वाहनों की नीलामी "जहाँ है जैसा है" के आधार पर दर्शायी गई तिथि एवं स्थान पर किया जाना प्रस्तावित है।

क्र	शाखा	ऋणी का नाम	वाहन का प्रकार क्र.	वाहन क्र.	न्यूनतम राशि	अवलोकन हेतु स्थान (यार्ड)
1	लिमतरा	श्री मनोज कुमार शर्मा पिता व्यास नारायण शर्मा	HYUNDAI XCENT VTVT SX, 11/2019	CG04 MX 1192	3,74,000/-	मिक्चर फैक्ट्री के पास शैलेन्द्र शर्मा पार्किंग यार्ड मोहलई दुर्ग

(1) नीलामी हेतु निविदा बंद लिफाफे मे प्रस्तुत करना होगा। (2) शाखा का नाम, वाहन क्र, वाहन प्रकार स्पष्ट रूप से लिखकर बोली राशि अंको एवं शब्दों मे लिखकर स्वंय के पहचान पत्र की फोटो कापी सहित बंद लिफाफे मे प्रस्तुत करे। (3) अमानती राशि रू 38000/- (रू अडतीस हजार मात्र), छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के पक्ष मे ड्राफ्ट/नगद निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। (4) सफल निविदा कर्ता को 25% राशि तत्काल जमा करना होगा। (5) शेष 75% राशि नीलामी तिथि से 10 दिनों के भीतर जमा करना होगा अन्यथा जमा की गई राशि जप्त कर ली जाएगी। (6) बंद लिफाफे में निविदा दिनांक 04/10/2024 तक क्षेत्रीय कार्यालय सुन्दर नगर रायपुर में जमा की जा सकती है।

नीलामी से सम्बन्धित सर्वाधिकार बैंक के पास सुरक्षित रहेगा।

नीलामी स्थल-छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, महादेव घाट रोड, सुन्दर नगर रायपुर
नीलामी दिनांक-05/10/2024, समय-दोपहर 12 बजे
दिनांक- 21/09/2024

क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

कार्यालय नगर पंचायत देवकर, जिला - बेमेतरा (छ. ग.)

क्र./500 / न.पं./ लो.नि.वि./ नि.आ.सू./2024-25 देवकर, दिनांक 20/09/2024

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा नगर पंचायत देवकर द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग में प्रचलित पी.डब्ल्यू. डी. एस. ओ. आर (भवन / सड़क) 01/01/2015 के तहत निविदा तीन लिफाफा पद्धति से रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रतिशत दर पर फार्म "ए" में निम्न विवरण अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 01/10/2024 दोपहर 3:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 03/10/2024 दोपहर 3:00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 08/10/2024 दोपहर 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि - 08/10/2024 शाम 04.00 बजे

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि	समयावधि
01	वार्ड क्र. 02 में सार्वजनिक शौचालय से बनिया के खेत तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य । (15 वाँ वित्त)	4.66 लाख	02 माह
02	वार्ड क्र. 07 अम्बेडकर भवन से साजा मेन रोड तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य । (15 वाँ वित्त)	5.82 लाख	02 माह
03	वार्ड क्रं. 03 परपोड़ी चौक से पौनी पसारी बाजार तक और उस पार भी सी.सी. रोड निर्माण कार्य । (14 वाँ वित्त)	17.46 लाख	04 माह
04	वार्ड क्रं. 02 में घुघवाडीह तालाब से रियासत के घर तक नाली निर्माण कार्य । (14 वॉ वित्त)	3.36 लाख	02 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेब साईट http://uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत देवकर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank

(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड एवं आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित)
CIN L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय: केआरएम टावर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई - 600031.
टेलीफोन: +91 44 4564 4000 | फैक्स: +91 44 4564 4022.

सार्वजनिक सूचना
स्वर्ण नीलामी सह आमंत्रण सूचना

नीचे उल्लिखित उधारकर्ता को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड से उसके द्वारा प्राप्त स्वर्ण आभूषण के विरुद्ध ऋण सुविधा के लिए बकाया राशि का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। चूंकि उधारकर्ता सुविधा के तहत बकाया राशि चुकाने में विफल रहा है, हम 01/10/2024 को बंधक रखे गए स्वर्ण आभूषणों की नीलामी करने के लिए बाध्य हैं। यदि इस नीलामी से कोई अतिरिक्त राशि प्राप्त होती है, तो उसे संबंधित उधारकर्ता को वापस कर दिया जाएगा और यदि नीलामी के बाद कोई घाटा होता है, तो शेष राशि उचित कानूनी कार्यवाही के माध्यम से उधारकर्ता से वसूल की जाएगी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को बिना किसी पूर्व सूचना के निम्नलिखित खाते को नीलामी से हटाने का अधिकार है। इसके अलावा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी तिथि को बदलने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	शाखा का नाम
111585306	खातून निशा	लालपुर ग्रामीण

नीलामी https://egold.auctiontiger.net के माध्यम से 01/10/2024 को दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इस प्रकाशन के माध्यम से संबंधित उधारकर्ता को अंतिम सूचना और अंतिम अवसर दिया जाता है कि वे निर्धारित नीलामी तिथि से पहले सभी ब्याज और शुल्कों के साथ सुविधा बकाया राशि का भुगतान करें, अन्यथा आभूषणों की नीलामी की जाएगी। कृपया ध्यान दें कि यदि समय सीमा के कारण नीलामी उसी दिन पूरी नहीं हो पाती है तो बैंक अगले 7 दिनों के भीतर उन्हीं नियमों और शर्तों पर गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की पुन: नीलामी करेगा। यदि ग्राहक की मृत्यु हो जाती है तो नीलामी से संबंधित सभी शर्तें उसके कानूनी उत्तराधिकारियों पर लागू होंगी।

दिनांक:22/09/2024 स्थान: लालपुर ग्रामीण

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक CRGB

क्षेत्रीय कार्यालयः भारतीय रिजर्व बैंक के पास, महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.) 492013
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

नियम- 8(1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति)

जबकि (Whereas) वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13(2) सहपठित प्रतिभूति-हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी ने मांग सूचना पत्र जारी किया था, जिसमे निम्निलिखित उधार लेने वालों को उल्लिखत राशि ब्याज सहित नोटिस पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिये कहा गया था-

क्रं.	ऋणी का नाम एवं जमानतदार का नाम शाखा का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना एवं राशि (रु. में)	आधिपत्य की तिथि
1.	ऋणी:-1) श्रीमती थानेश्वरी पाटले पति सूरज पाटले शाखा-भाटापारा मो.-6232032007	श्रीमती थानेश्वरी पाटले की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-384/11, प.ह.न.-02, ग्राम- खोलवा तहसील भाटापारा, जिला-बलौदाबाजार (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:-800 वर्गफीट। चौहद्दी:- उत्तर- सुशील कुमार की भूमि, दक्षिण- सुशील कुमार की भूमि, पूर्व-रास्ता, पश्चिम- सुशील कुमार की भूमि।	01.06.2024, रू.11,80,397/-+ ब्याज + अन्य व्यय	17.09.2024

उपरोक्तानुसार उल्लिखित ऋणियों द्वारा राशि भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणियों को और आम जनता को एतत द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13(4) के तहत उक्त पठित नियम हस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्तानुसार वर्णित संपत्ति को आधिपत्य की तिथि को अपने कब्जे में ले लिया है। ऋणियों को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतत द्वारा सावधान किया जाता है कि उक्त संपत्ति के बाबत किये गये कोई भी व्यव्हार पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के उपरोक्त राशि एवं उस पर ब्याज के अधीन भार (CHARGE) होगा।

दिनांक-21/09/2024,
स्थान-रायपुर

प्राधिकृत अधिकारी
छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर (छ.ग.)

तरकश

संजय के. दीक्षित

मंत्री को फटकार!

ट्रांसफर केस में अपना भद पिटवा बैठे एक मंत्रीजी की क्लास लिए जाने की चर्चा इन दिनों बड़ी सरगर्म है। मंत्रीजी ट्रांसफर करके कहीं घूमने-फिरने चले गए थे। बिल्कुल बेफिकर होकर। मगर ट्रांसफर की परतें जब खुलने लगी तो साब का गुस्सा सातवे आसमान पर पहुंच गया। नाराजगी इतनी तीव्र थी कि मंत्री की गैर मौजूदगी में उनके लोगों को इतला कर दिया गया था कि वे जैसे ही लौटे, हाउस भेजा जाए। रायपुर लौटने पर मंत्रीजी कृत्रम मुंह लटकाए दरबार में पहुंचे। उनके सामने पड़ते ही साब भड़क गए। पूछे...ऐसा क्यों कर रहे हो? मंत्रीजी ने सर, सर...कर सफाई देने की कोशिश की मगर साब कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। साब का यद्यपि ऐसा स्वभाव नहीं मगर मंत्रीजी ने काम ही ऐसा किया था। किसी को नहीं छोड़ा। बोली लगा दी। उपर से नियम-कायदों की अनदेखी भी। नियमानुसार विभागीय सचिव और मुख्य सचिव से होते हुए समन्वय में ट्रांसफर की फाइलें भेजी जाती हैं। मगर मंत्रीजी ने बिना प्रक्रिया का पालन किए सब कुछ करा लिया। अगर प्रॉपर चैनल से फाइल चली होती तो हो सकता था कि किरकिरी कराने वाले ट्रांसफर नहीं होते।

2000 ट्रांसफर और सिकरेट्री

लोकसभा चुनाव से पहले एक मंत्रीजी ने 2000 ट्रांसफर की फाइलें विभाग को भेजी थी। मगर विभागीय सचिव ने स्व-विवेक से फाइलें उपर नहीं भेजी कि इस स्तर पर समन्वय में तबादले नहीं होते। कहने का आशय यह है अंडर सिकरेट्री से लेकर सिकरट्री, चीफ सिकरेट्री का चैनल इसीलिए बनाया गया है कि कोई त्रुटि हो तो पकड़ी जा सकें। मगर इसे ओवरलुक किया जाएगा तो फिर ब्लंडर होगा ही। आखिर, नए मंत्री को इतना कहां पता होता है कि सस्पेंशन में ट्रांसफर होता है नहीं। अभी तो कुछ मंत्रियों की भूख की ये स्थिति है कि पैसा देने पर रिटायर आदमी की पोस्टिंग की फाइल चला दें।

पीए डूबो रहे मंत्रियों को

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत सरकार में मंत्रियों के पीए और पीएस अपाइंट करने में काफी सावधानी बरती जाती है। एक तो वहां मंत्रियों की पसंद के पीए नहीं मिलते, उपर से 360 डिग्री सिस्टम से उनकी मानिटरिंग की जाती है। छत्तीसगढ़ में जीएडी को इस तरह का कुछ करना चाहिए। क्योंकि, मंत्रियों को बदनाम करने वाले कृत्यों में उनके स्टाफ का बड़ी भूमिका है। काम-धाम छोड़कर पीए सिर्फ ट्रांसफर-पोस्टिंग और कमीशन के धंधे में लिप्त हो गए हैं। 24 घंटे सिर्फ सिर्फ एक ही काम...कुर्सी पर टिके रहना है तो इतनी पेटी पहुंचा दो। अब लक्ष्मीजी किसे नहीं भाती...मंत्रीजी लोग मुग्ध हैं। लेकिन ये मुग्धता कहीं उन्हें ले न डूबे।

बड़ा मैसेज, मगर...

राज्य सरकार ने कवर्धा हिंसा में पुलिस पिटाई से आरोपी की मौत के बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए कलेक्टर जन्मजय मोहबे और एसपी डॉ0 अभिषेक पल्लव को हटा दिया। इस घटना के तूल पकड़ने के बाद इस बात का अंदेशा था कि एसपी को बदला जाएगा। मगर कलेक्टर के बारे में किसी ने सोचा नहीं था। सरकार ने कलेक्टर को भी हटा दिया। आपको याद होगा कलेक्टरों की जिम्मेदारी तय करते हुए सरकार कई मौकों पर कह चुकी था कि जिलों में अगर हिंसा होगी तो उसके लिए कलेक्टर भी जिम्मेदार होंगे। ये बात पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने पहले कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में कही थी और वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी। मगर इस पर अमल हो जाएगा, ब्यूरोक्रेसी में इसका किसी को अंदाजा नहीं था। हालांकि, कवर्धा कलेक्टर को नागरिक आपूर्ति निगम का एमडी बनाया गया है। ये पांचों उंगली घी में...वाली पोस्टिंग है। जन्मजय पिछली सरकार में पहले बालोद का कलेक्टर बनाए गए थे और फिर कवर्धा के। दिसंबर 2023 में सरकार बदलने पर कई कलेक्टर गुमनामी में चले गए थे। किन्तु जन्मजय बीजेपी की सरकार आने के बाद भी अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब रहे। और इस बार हटाए जाने के बाद बढ़ियां पोस्टिंग पाने में। यकीनन, जन्मजय किस्मत के धनी तो हैं।

दामाद बाबू कलेक्टर

डिप्टी सीएम के जिले में जन्मजय मोहबे की जगह गोपाल वर्मा को कलेक्टर बनाया गया है। वाणिज्यिक कर विभाग के अफसर गोपाल वर्मा एलायड कोटे से 2021 में आईएएस बने हैं। विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें खैरागढ़ का कलेक्टर बनाया गया था। मगर सरकार बदलने के बाद स्वाभाविक तौर पर पहली ही लिस्ट में उनका विकेट उड़ गया था। लेकिन, अभी कुछ अस्वाभाविक हो गया। कवर्धा हिंसा के बाद जन्मजय को हटाकर गोपाल को जिले की कमान सौंपी गई है। गोपाल एक एक्स सीएम के भांजी दामाद हैं। डिप्टी सीएम ने किस रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री के रिश्तेदार को अपने जिले में कलेक्टर बनवाया है, ब्यूरोक्रेसी का दिमाग काम नहीं कर रहा है। खुद गोपाल का भी दिमाग चकरा रहा होगा...अच्छे दिनों में खैरागढ़ जैसे नए जिले से संतोष करना पड़ा था और इस सरकार में कवर्धा जैसा पूर्व सीएम और वर्तमान डिप्टी सीएम का जिला मिल गया।

पुलिस के खराब योग

छत्तीसगढ़ पुलिस में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। तीन महीने में दो डायरेक्ट आईपीएस सस्पेंड हो गए। पहला, एसएसपी। और दूसरा आईपीएस की पिच पर उतरते ही एडिशनल एसपी। जाहिर है, एडिशनल एसपी लेवल पर आईपीएस विरले ही सस्पेंड होते हैं। इस कार्रवाई से नए और तेज-तर्रार अफसर के कैरियर पर बड़ा धब्बा लग गया। इसके बाद कवर्धा के एसपी अभिषेक पल्लव यकबयक हटा दिए गए। ये तीनों आईपीएस एक ही प्रदेश के रहने वाले हैं। ग्रह-नक्षत्र का खेल देखिए...तीनों ऐसे समय में वक्त का शिकार हुए हैं, जब उसी प्रदेश के लोग उपर में बेहद मजबूत स्थिति में हैं।

कुछ पूजा-पाठ

डीजीपी अशोक जुनेजा और एसीएस होम मनोज पिंगुआ को पुलिस मुख्यालय में कुछ पूजा-पाठ कराना चाहिए। क्योंकि, पुलिस के योग अच्छे नहीं चल रहे हैं। इस समय प्रदेश के अधिकांश पुलिस अधीक्षक ज्ञात-अज्ञात वजहों से दुखी चल रहे हैं। और जब कप्तान खुश नहीं तो फिर अच्छी पोलिसिंग की उम्मीद कैसे की जा सकती है। एसीएस और डीजीपी को अच्छे पुलिस अधिकारियों को हौसला बढ़ाने की जरूरत है।

आईएएस और ओड़िया लॉबी

चूकि प्रदेश विशेष और आईएएस लॉबी की बात निकली तो बता दें कि छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में एक दौर ओड़िसा के अफसरों का था। एसके मिश्रा चीफ सिकरेट्री थे। उनकी पत्नी इंदिरा मिश्रा एडिशनल चीफ सिकरेट्री। उसके बाद डीएस मिश्रा प्रमुख सचिव, एमके राउत सिकरेट्री। इनके बाद सुब्रत साहू। तब छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में ओड़िसा के नौकरशाहों की तूती बोलती थी।

लाल बत्ती, भाजपा और कांग्रेस

सत्ताधारी पार्टी के नेता लाल बत्ती के लिए बेचैन हैं। इतने व्यग्र उन्हें कभी नहीं देखा गया। रमन सिंह की 15 साल वाली सरकारों में भी नगरीय निकाय चुनाव के बाद ही सियासी नियुक्तियां हुई थी। मगर इस बार भाजपाइयों को धैर्य नहीं। कांग्रेसियों की तरह अपने ही पोस्ट में गोल मारने जैसी भ्रांतियां फैला रहे हैं...सरकार को कटघरे में खड़ा करने का मौका नहीं छोड़ रहे। 2018 की जीत के बाद कांग्रेसी भी कहते थे...हमने सरकार बनवाई। और बीजेपी वाले भी यही दावे कर रहे..। सवाल यह है कि कांग्रेसियों ने सरकार बनाई तो फिर 15 साल सत्ता से बाहर क्यों रहे। और प्रश्न भाजपाइयों से भी कि महतारी वंदन योजना के साथ अगर पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने अगर झांकी नहीं बनाई होती तो सरकार बनती क्या? अब आप बताइये...कांग्रेस और बीजेपी में फर्क क्या है?

अंत में दो सवाल आपसे

1. कवर्धा हिंसा में जब एसपी को हटाना था तो उससे पहले एडिशनल एसपी के निलंबन को आप कितना जायज मानते हैं?
2. ऐसा क्यों कहा जा रहा कि नगरीय निकाय चुनाव के बाद दो नहीं, बल्कि पांच मंत्री शपथ लेंगे?

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सेल्समैन

आवश्यकता है- शंकर फर्नीचर पंडरी रायपुर में काम करने वाले लड़कों की एवं सेल्समैन चाहिए। पता- शंकर फर्नीचर नियर नकोड़ा ज्वैलर्स पंडरी रायपुर मोबाइल- 9301645760, 9827136116. मिलने का समय सुबह 11:00 से 7:00 तक (RO-6493)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घर का समस्त कार्य करने के लिए एंव बुजुर्ग महिला की सेवा के लिए एक महिला कामवाली की, 24 घंटे साथ में रहने खाने की सुविधा फ्री जल्दी संपर्क करें - रायपुर (फोन करें केवल शाम 8 से 10 तक) मों. - 9425518442.(RO-6492)

सेल्सऑफिसर/मैनेजर

आवश्यकता है- वी वी इंफ्राकॉन जिंदल पैंथर टीएमटी सरिया/ पाइप्स के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर को एरिया सेल्स ऑफिसर/ बिजनेस मैनेजर चाहिए। स्थान- जगदलपुर, कांकेर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़। सभी दस्तावेजों सहित साक्षात्कार 23 सितंबर 2024 को क्लार्क इन सूट रायपुर में दोपहर 12 बजे पहुचे। अपना सीवी sales@vvinfracon.com प्रति भेजे। (RO-619)

आवश्यकता है- मध्य भारत इस्पात प्रा. लिमि. JSW ONE TMT सरिया के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर को एरिया सेल्स ऑफिसर एव बिजनेस मैनेजर चाहिए। स्थान जगदलपुर, कांकेर, रायपुर, भिलाई, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा। सभी दस्तावेजो सहित साक्षात्कार 24 सितंबर 2024 को 509, Orange Hives, मोवा रायपुर, दोपहर 12 बजे पहुचे। अपना सीवी mbispat2020@gmail.com प्रति भेजे (RO-620)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रायपुर में, मार्केटिंग कार्य करने के लिए लडकियों की आवश्यकता है,सैलरी-10,000/- से 20,000 योग्यतानुसार, संपर्क करें:- 8962274079.पता आमापारा चौक रायुपर (RO-6497)

सिविल इंजीनियर

Requirment- WANTED A CIVIL ENGINEER FOR ROAD CONSTRUCTION WORK (WITH MINIMUM 5 YEARS EXPERIENCE) AND A ACCOUNTANT FOR RAIPUR OFFICE WORK. Contact Mo. 9201011541.(RO-3003)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर शहर के भीतर ड्राइवर चाहिए जो ड्राइवरी सहित अन्य कार्य भी कर सके वेतन 12000/- प्रतिमाह लाइसेंस के साथ 1 दो हेल्परों की भी आवश्यकता हैं वेतन 9000/- प्रति माह संपर्क:- 99267-53341.(RO-2984)

आवश्यकता है- तीन चक्का इलेक्ट्रिक माल वाहक ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। अशोक इंटरप्राजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9:00 से 8:00 तक मोबाइल नंबर 8770676924 (Ro -7403)

आवश्यकता है- 5 वर्ष अनुभवी कार ड्राइवर जो की ऑटोमेटिक एवं मैनुअल चलाने का जानकार हो, घर का काम एवं टूर के लिए, सोमवार को मिले कृपा राम साहू 8435139024. (RO-6485)

सेल्स/ड्रायवर

आवश्यकता है- The Craft Story में (1) सेल्स स्टाफ -2 (पुरुष/ महिला), (2) समान पैकिंग स्टाफ - 5 (पुरुष/महिला), (3) कार ड्राइवर -1 संपर्क करें: सेकेण्ड फ्लोर, पुमा/ रेमण्ड स्टोर के ऊपर, तेलीबांधा चौक, रिंग रोड नंबर 1, रायपुर मोबाइल- 7748853047, 9343643284.(RO-647)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कंस्ट्रक्शन कार्य

आवश्यकता है - CISCONS कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड में काम करने के लिए आवश्यक स्टाफ। लिमिटेड, एनटीपीसी लारा पावर प्लांट में। मानव संसाधन अधिकारीः 5 वर्ष का अनुभव. किसी भी एनटीपीसी संयंत्र निर्माण में। सुरक्षा अधिकारीः 5 वर्ष का अनुभव. औद्योगिक सुरक्षा प्रमाणपत्र के साथ. सुरक्षा पर्यवेक्षकः 5 वर्ष का अनुभव। औद्योगिक परियोजनाओं में. कोई भी डिप्लोमा. अकाउंट्स एवं स्टोर प्रभारीः 10 वर्ष के अनुभव के साथ बीए/बी.कॉम. इलेक्ट्रीशियनः किसी भी सरकार से वायरमैन परमिट के साथ आईटीआई/डीईई। विभाग। सिविल इंजीनियरः डीसीई 5 वर्ष के अनुभव के साथ। औद्योगिक परियोजनाओं में. सिविल पर्यवेक्षकः 5 वर्ष के अनुभव के साथ आईटीआई। औद्योगिक परियोजनाओं में. कंक्रीट बैचिंग प्लांट ऑपरेटरः 5 वर्ष का अनुभव। तुरंत शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति अपना बायोडाटा अंग्रेजी में व्हाट्सएप द्वारा 9502393999 पर भेज सकते हैं। (RO-6489)

मास्टर टेलर

आवश्यकता है- कृतिका मोदी डिजाइन स्टूडियो बिलासपुर में एक कटिंग सिलाई मास्टर टेलर की आवश्यकता है रहने हेतु कमरा, बर्तन, गैस चूल्हा, बेड की सुविधा सम्पर्क करें- विद्या नगर बिलासपुर 8602048444, 7042954524.(RO-35434)

टीचर

आवश्यकता है- इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल की कक्षाओं हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। योग्यताः-12वीं कक्षा , साथ ही आया बाई की भी आवश्यकता है। पताः- ओशो पब्लिक स्कूल सरकारी अस्पताल के पास रास्ता सुपेला, भिलाई मो.-99077-58167.(आरो न.-590)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- अंजार फ्यूल्स पेट्रोल पंप में पेट्रोल डीजल डालने हेतु लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। (रहना + खाना फ्री लड़को के लिए) वेतन योग्यतानुसार पता- HP अंजार फ्यूल्स पेट्रोल पंप शंकर नगर चौक रायपुर मोबाइल 9340741230. (Ro- 6494)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु उम्मीदवार की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपने समस्त बायोडाटा सहित संपर्क करें- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर, मो.- 94255- 16644.(RO-645)

सेल्समैन

आवश्यकता है- थोक कपड़े व्यवसाय में केवल पुरूष अनुभवी सेल्समेन एंव साड़ी, हैंडलूम और सुटिंग शार्टिंग में काम करने हेतु कर्मचारी की आवश्यकता है संपर्क चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29- 30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658. (RO-1644)

एम आर

URGENTLY REQUIRED- *Experienced MR* *HQ*- RAIPUR *COMPANY* - MANIBRO HEALTH CARE PVT.LTD. (Main Division). *QUALIFICATION*- ANY GRADUATE SALARY- Best in the Industry and Incentive. Minimum 1 years of experience in the same HQ, Raipur And Along with Peripheri exposer is also required. WhatsApp no Contact- 9438186844 diptimanibrohealthcare@gmail.com'(RO-1768)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य महिला/ पुरुष पोस्ट - वेटर ,सफाई कर्मचारी कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, रेस्टोरेंट मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट कार्य जानकार को प्राथमिकता। संपर्क - होटल अपना केसरी होटल शिव- प्रभा, पावर हाऊस भिलाई, मो.- 98932-15251,89669-81590.(आरो न.-586)

वेल्डर/फिटर

आवश्यकता है- रायगढ़, भिलाई, रायपुर, बलौदा बाजार, कोरबा, चांपा पावर प्लांट इंजीनियर सिविल, पॉलिटेकनिक कोपा, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ऑफिस कार्य इलेक्ट्रीशियन, सुपरवाइजर, वेल्डर कटर फिटर गार्ड चपरासी, ड्राइवर, स्टोर कीपर, ऑफिसर, (रहना खाना+ मेडिकल फ्री) सम्पर्क- बिलासपुर 8962527013.(RO-35460)

छोटा विज्ञापन

पैकिंग/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- 375/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम 375 फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानीनाका चौक, रायपुर (RO-618)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / मेसेज 7999847673 समय - 12 से 5 तक (आरो न.-589)

फिटिंग/ऑपरेटर

आवश्यकता है- CCTV CAMERA इंस्टॉलेशन एवं फिटिंग और टैली ऑपरेटर हेतु युवक की वेतन 8000-15000.(ग्रामीण क्षेत्र को प्राथमिकता और रहनें की सुविधा) संपर्क करे - SAHU CCTV CAMERA मो- 9302933334, 9826733334.(Experience & Fresher can be apply) (RO-3740)

गार्ड

आवश्यकता है- गार्ड चाहिए। चैन गर्ल्स हॉस्टल, लक्ष्मी नगर रायपुर के लिए शाकाहारी सनातनी पूजा पाठ प्रेमी सकल व्यक्ति एकल व्यक्ति की आवश्यकता है। ब्राह्मण को प्राथमिकता। रहने खाने की सुविधा। संपर्क सूत्रः- 8959906595.(RO-7363)

अन्य

आवश्यकता है- Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 7003467406.(RO-470)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 9102935834. (RO-2975)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- भारत की नंबर - 1 RELIANCE JIO 5G कंपनी (SMS JOB) करके लड़के लड़कियां , गृहणियां , रिटायर्डपर्सन ,घरबैठे कमाए (21500 - 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त) NAME, ADDRESS QUALIFICATION, WhatsApp / Call करें:- 8391958072.(RO-471)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- *फेल विद्यार्थी समय बचाए* :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करें:- B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, (*एक साल में*) M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क:- *Bharti Education Academy* *Sector-6 Bhilai* Mo.-9826196515, 9826896515 नोट :- *एडमिशन हेतु फ्रेंचाइजी सेंटर & एजेंन्ट आमंत्रित* (आरो नं -6381)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-2998)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - कुरूद भिलाई में हाउसिंग बोर्ड ढांचा भवन EWS- 593 आकर्षक लोकेशन में 387.35 sf प्लाट बेचना हैं संपर्क करें:- 9752458982, 9326298682. (RO-3002)

प्लॉट बेचना है - शंकर नगर दुर्ग में दुर्गा चौक के पास 40×40= 1600 sq.feet का प्लाट बेचना है। कृप्या खरिददार ही संपर्क करें:- मो नं. 8319323527, 8319098707. (आरो न.-588)

प्लॉट बेचना है - 5 एकड़ प्लाट बेचना है- नेशनल हाईवे से इंट्री, स्थान घोर तालाब, (सड़क चिरचारी), फ्रंट में 5 एकड़ का प्लाट बेचना है। इक्छुक पार्टी संपर्क करे- 92292-00009, 90090-70000.(RO-646)

प्लॉट बेचना है - वेदान्ता कॉलोनी कान्दुल रोड में 5000 वर्ग फीट कॉर्नर प्लांट 100 x 50 डायवर्टेड (परिवर्तित भूमि) बेचना है कालीबाड़ी रायपुर से प्लांट की दूरी 3 किलोमीटर पर है। संपर्क करें- 9755607666.(RO-6498)

दुकान/मकान

बेचना है- ग्राम अंडा हाईवे से 20मीटर अंदर 2200 वर्गफीट में 800 वर्गफीट पर बना नवनिर्मित दुकान/मकान । संपर्क करें:-99071-14630. (आरो न.-587)

भूमि

बेचना है - 5.42 एकड़ सिंचित भूमि डंगनिया अर्जुदा डामर रोड पर। धान, गन्ना खेती, पोल्ट्री फार्म एवं राइस मिल हेतु अति उत्तम। संपर्क, 9752408700.(आरो न.-591)

Home Buildup भवन निर्माण

भवन निमार्ण- विभा कंस्ट्रक्शन कुशल इंजीनियर एवं वास्तु अनुरूप गृह निर्माण किया जाता हैं। 799 रूपये प्रति वर्गफीट से, सम्पर्क करें- 9407764797, 9301433491.(RO-6953)

For Rent किराया

किराये से चाहिए- स्वतंत्र बांग्ला /हाउस Fully Furnished रेंट पर चाहिए जो प्रियदर्शनी परिसर, नेहरूनगर या स्मृति नगर के आस पास हो ,इच्छुक व्यक्ति इस नंबर पर संपर्क करें मोबाइल No.-98267-08233. (आरो.-SP/893)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82,6' एमबीबीएस अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट पॉली क्लीनिक हेतु शिक्षित, अविवाहित, सुन्दर सजातीय, अपर कास्ट, वधु चाहिए ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज पैसा ठीक होने के बाद

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें 9753901137
पारख कॉम्लेक्स, शॉप नं.-16, ग्रीन चौक दुर्ग

चमड़ी रोग

क्या आप कोई गंभीर चमड़ी रोगो से परेशान है जिसका उपाय नहीं मिल रहा हो, इसमे सोरियासिस एक जटिल लाईलाज रोग हैं। क्योकि यह वात, पित्त, कफ, किसी एक विकृति के कारण यह रोग होता है। आप कैसे जानेंगे कि किस विकृति से रोग हुआ हैं। परंतु कारण को जाने बिना स्टेराइड इत्यादि दवा से इसे दबाने की कोशिश करते हैं जो रोग बाद में जिद्दी एवं पुराना हो जाता है। यह आटो इम्यून डिसआर्डर रोग है। इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा हैं ही नहीं। इसमे वायरस बैक्टीरिया दोनों नहीं होते । इसलिये यह छूत की बीमारी भी नहीं हैं। सिर मे रुंसी का भ्रम, शरीर में तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले, दाग, नाखूनो का सड़ना उंगलियों का टेढ़ा होना, जोड़ो में सूजन-दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है। इसमे कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया से रोग नहीं जाता दब जाता है इससे कईयों के लीवर एवं किडनी खराब हो गये यदि समस्त लाईलाज चमड़ी रोगों से परेशान हो तो मिलें।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लीनिक
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
भारत चिकित्सा रत्न व राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरुस्कार, नेशनल एवार्ड से सम्मानित
9425555659, 9617789223
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस)
(आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ) रजि. 00255)
9303948500
निशांत अग्रवाल(फार्मासाइटिस्ट)
9303242200
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग (छत्तीसगढ)समय - शाम 4 से 7 बजे।
अपाइंटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

तीन साल से फरार मिलिशिया डिप्टी कमांडर गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर जिले के पखनार साप्ताहिक बाजार में अपने ड्यूटी कर रहे गोपनीय सैनिक की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर फरार हो गए मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर को तोयनार मुंदेनार तिराहा के करीब घेराबंदी कर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी नक्सली द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। आरोपी के खिलाफ पूर्व से हत्या, बलवा, आर्म्स एक्ट व नक्सल मामले में रिपोर्ट दर्ज किया गया था।

पत्रवार्ता में एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि नड़ेनार कटेकल्याण इलाके में कई नक्सली घटना में शामिल तीन साल से फरार जन मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर सुखराम मड़कामी उर्फ हड़मा, उर्फ गोरगा उर्फ मनकू मड़कामी निवासी ग्राम नड़ेनार ड़ोगरीपारा थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा को गिरफ्तार किया गया है।

सर्पदंश से युवक की हुई मौत

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत पीव्ही 118 निवासी 27 वर्षीय केशव दास को साप ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पीव्ही 118 निवासी धनई दास ने पुलिस को बताया कि मृतक को साप ने काट लिया, शरीर में जहर फैल जाने के कारण उसकी 20 सितंबर को दोपहर 1 बजें मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

ग्रामीण ने खुदकुशी की कारण अज्ञात

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत मुल्ला निवासी 55 वर्षीय अश्वनी कुमार निषाद पिता थनवार ने 20 सितंबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक के परिजन ने पुलिस को बताया कि मृतक ने सोसायटी के बगल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या के कारणो का अभी पता नही चल पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

दो लोगों ने युवक के साथ की मारपीट

महासमुंद। ग्राम खैरझुडी मंडी के पास दो लोगों ने एक युवक के साथ पुरानी बातों को लेकर मारपीट की मामले की शिकायत बसना थाना अंतर्गत भंवरपुर चौकी क्षेत्र के बाद दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है।

स्पेशल
वर्ल्ड टूरिज्म-डे
27 सितंबर

बदल रहा है घुमक्कड़ी का अंदाज

घुमक्कड़ी केवल एक मानवीय शौक नहीं, देश-दुनिया को समझने और संस्कृति-परंपराओं को करीब से जानने का एक जरिया भी है। हाल के वर्षों में जैसे जीवन के तमाम पक्षों में बड़े बदलाव हुए हैं, ट्रैवलिंग के तरीके और ट्रैवलर्स की रुचियां भी बहुत बदल गई हैं। घुमक्कड़ी का हर शौकीन इनके बारे में जरूर जानना चाहेगा।

कवर स्टोरी / समीर चौधरी

हर साल विश्व पर्यटन दिवस 27 सितंबर को मनाया जाता है, जिसके लिए यूएनडब्ल्यूटीओ की जनरल असेंबली एक थीम और एक मेजबान देश का चयन करती है। इस वर्ष 2024 के लिए थीम है-पर्यटन और शांति। इस बार का मेजबान देश जॉर्जिया है। अगले वर्ष 2025 में विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी मलेशिया करेगा और थीम होगी 'टूरिज्म एंड सस्टेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन।'

इस साल की थीम है खास

आज जब संसार के अनेक स्थलों पर जंग जारी है, विशेषकर रूस, यूक्रेन और मध्यपूर्व के देशों में तो ऐसे में पर्यटन को शांति से जोड़ने का विचार अच्छा माना जा सकता है। गौरतलब है कि 2023 में सऊदी अरब की मेजबानी के दौरान जब थीम 'टूरिज्म एंड ग्रीन इन्वेस्टमेंट्स' था तो यूएनडब्ल्यूटीओ ने 'टूरिज्म ओपेंस माइंड' (पर्यटन दिमाग के पट खोल देता है) नारा अपनाया था। विश्व शांति को लेकर पर्यटन ने दिमाग के कितने पट खोले हैं, इस बारे में तो कहना बहुत मुश्किल है, लेकिन यह निश्चित है कि पर्यटन में कुछ नए ट्रेंड्स विकसित हुए हैं।

न्यू टूरिज्म का बढ़ता ट्रेंड

खुशी की बात है कि कोविड-19 महामारी के दो-तीन वर्ष बाद बाद पर्यटन अपनी पहली जैसी स्थिति में लौट आया है और विश्व अर्थव्यवस्था के प्रमुख स्तंभों में से एक हो गया है। अब पर्यटन केवल ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण, तफरीह या बिजनेस ट्रिप्स तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें जो नए ट्रेंड्स आए हैं, उनमें स्लो ट्रैवल, सस्टेनेबल ट्रैवल, स्प्रिचुअल रिट्रीट्स और वेलबीइंग जैसी यात्राओं के अतिरिक्त नए लोगों से मिलना, उनकी संस्कृति को समझना और उनके परंपरागत व्यंजनों का आनंद लेना भी शामिल हो गया है।

बदल रहा देशी पर्यटकों का मिजाज

भारत के घरेलू पर्यटन में तो अब यह ट्रेंड भी है कि मांएं केवल अपने बच्चों के साथ ही यात्राएं नहीं कर रही हैं बल्कि वह स्पेशल क्यूरेटिड टूर के विकल्प चुन रही हैं ताकि अपने बच्चों और साथी मांओं के साथ बॉन्डिंग बेहतर करने में मदद मिले और यात्रा लक्ष्यों की पूर्ति भी हो सके। मसलन, दिन में एडवेंचर हाइक्स, मछली पकड़ना और अंगामी नागा कबीले की संस्कृति में रंग जाना और रातों को ठिठुरती ठंड में आग के सामने बैठकर आसमान के तारे गिनना। घुमक्कड़ी पसंद करने वाली छह मांओं और उनके बच्चों की यही दिनचर्या थी, जब वे जखामा के धान के खेतों के पास कैंपिंग कर रहे थे। जखामा, नागालैंड राज्य में एक प्यारा सा गांव है। ये मांएं और उनके बच्चे देश के अलग-अलग हिस्सों से यहां आए थे और यह खोनोमा में स्थानीय नागा परिवारों के साथ भी रहे। खोनोमा एशिया का पहला ग्रीन गांव है। इन सबने छोटे से गांव द्ज़ुलेके की भी यात्रा की, जहां सिर्फ 35 घर हैं। ठीक उसी दौरान यहां से लगभग 3,700 किमी दूर दक्षिण भारत में कुछ टूरिस्ट मांएं अपने बच्चों के साथ तमिलनाडु में कोडइकैनाल का आनंद ले रहे थे। प्राकृतिक झरनों, प्राचीन गुफाओं, शानदार गिरजाघरों को देखने के बाद अपनी यात्रा के तीसरे दिन इन सबने रोलिंग हिल्स और धुंध भरे जंगल का नजारा करते हुए ओपन-एयर कैफे में लंच का आनंद लिया। गार्डेन में पिकनिक मैट्स बिछा दिए गए थे, जिन पर बच्चों ने जेंगा और दूसरे कई खेल खेले।

घूमने के अलावा होते हैं कई उद्देश्य

मैंने इस बार कश्मीर की यात्रा वहां की नैसर्गिक सुंदरता के साथ ही खान-पान की संस्कृति को और करीब से जानने-समझने के उद्देश्य से की थी। आयशा के बाग मंजुक की सैर पर भी गया था। यह स्थान श्रीनगर से एक घंटे की ड्राइव पर पुलवामा में स्थित है। मंजुक का अर्थ होता है-बागीचे में। कश्मीरी व्यंजनों की खासियत होती है कि इसमें कम से कम मसाले और सामग्री डाली जाती है, लेकिन इनका स्वाद गजब का होता है। कहने का अर्थ है कि पर्यटन का एक बदलता रुझान अब अनुभवात्मक यात्रा भी होता जा रहा है। अब अधिकतर पर्यटक उन गतिविधियों की तलाश करते हैं, जिनसे स्थानीय संस्कृतियों, व्यंजनों और परंपराओं को करीब से जान सकें। या कहें पर्यटक, पर्यटन आकर्षणों से अलग हटकर अधिक वास्तविक और नए अनुभवों की तलाश कर रहे हैं। *

जॉर्जिया स्थित कॉकेशस पहाड़ियों का मनोरम दृश्य

तमिलनाडु स्थित कोडइकैनाल में बोटिंग करते टूरिस्ट्स

नागालैंड में दूर-दूर तक फैली मोहक हरियाली

कश्मीर स्थित डल झील के किनारे शिकारा बोट्स

जॉर्जिया है परफेक्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन

इस साल के विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी करने वाला जॉर्जिया देश भी पर्यटकों को एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है, जो लीक से हटकर है। कॉकेशस पहाड़ों और ब्लैक सी के बीच में स्थित जॉर्जिया एक ऐसा छुपा हुआ खूबसूरत देश है, जिसका इतिहास, विविध संस्कृति और सुंदर लैंडस्केप पर्यटकों को अचरज से भर देते हैं। जॉर्जिया पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान कराता है। आपकी दिलचस्पी चाहे इतिहास में हो या आप प्रकृति प्रेमी हों या आप टेस्टी फूड्स के दीवाने हों, जॉर्जिया में हर पर्यटक के लिए कुछ ना कुछ अवश्य है। यहां स्थानीय लोग मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि जब लोग एक-दूसरे की संस्कृति, इतिहास, परंपरा और खान-पान के तरीके को समझने के लिए यात्रा पर निकलते हैं, तो इससे भी शांति स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलता है, जो इस साल की थीम है। वैसे भी लोग उसी मुल्क में पर्यटन पर जाना पसंद करते हैं, जिसमें शांति और सुरक्षा हो। इस लिहाज से जॉर्जिया पर्यटकों के लिए शानदार और सुरक्षित जगह है।

सबसे प्यारी-सबसे दुलारी मम्मी-पापा की परियां

हर बेटी अपने मां-बाप की परी, उनका गर्व होती है। बेटियों से ही हमारा घर-आंगन गुलजार होता है। इस बात को दुनिया के हर देश, समाज और दुनिया ने माना है। इसी मधुर रिश्ते और स्नेहिल भाव को सम्मान देने के लिए ही हर वर्ष आज के दिन बेटी दिवस मनाते हैं।

बॉन्डिंग
वीना गौतम

मदर्स-डे, फादर्स-डे की तरह दुनिया में जो एक और दिन बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, वह है डॉटर्स-डे। हालांकि प्राचीन काल में लड़के और लड़कियों के बीच किसी तरह का कोई भेद नहीं दिखता था। भारत में अतीत में लड़कियों का भी वही महत्व था, जो लड़कों का हुआ करता था। लेकिन कालांतर में युद्ध और हमले जैसी कुछ ऐसी परिस्थितियां बनीं कि अकेले भारत ही नहीं पूरी दुनिया के समाज में लड़कियों से ज्यादा लड़के महत्वपूर्ण हो गए। इक्कीसवीं सदी में भी जब यह सोच बदलती नहीं दिखी तो वैश्विक स्तर पर इसमें बदलाव की पहल के प्रयास किए जाने लगे।

ऐसे हुई डॉटर्स-डे की शुरुआत

11 अक्टूबर 2012 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने पूरी दुनिया में लड़के और लड़कियों के बीच बन रही गहरी खाई को पाटने के लिए एक दिन बेटियों को समर्पित करने का निर्णय लिया। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल का स्वागत पूरी दुनिया में हुआ। दुनिया भर के देशों ने अपने यहां इस दिन को अलग-अलग तारीखों में मनाने का निर्णय किया। भारत में सितंबर के चौथे रविवार को राष्ट्रीय बेटी दिवस मनाए जाने का फैसला हुआ। तब से हर गुजरते साल के साथ डॉटर्स-डे भारत में पहले के मुकाबले ज्यादा उत्साह से मनाया जा रहा है।

दुनिया ने समझी बेटियों की महत्ता

मध्ययुग के दौर में जब ज्यादातर समय, दुनिया में युद्ध ही युद्ध होते रहते थे, पूरी दुनिया में पितृसत्ता प्रसारित हो रही थी, क्योंकि जंग के इर्द-गिर्द घूमती दुनिया में लड़ने वाले पुरुष ही ज्यादा महत्वपूर्ण थे। लेकिन 19वीं और 20वीं सदी में जब पारंपरिक जंग की जगह खतरनाक हथियारों ने ली तो जंग इंसानी पौरुष की तरह हथियारों की ताकत पर जीती और हारी जाने लगी, तब दुनिया को ख्याल आया कि बेटियों और बेटों के बीच किसी भी किस्म का भेदभाव बेईमानी है और उसी क्रम में धीरे-धीरे पितृसत्ता कमजोर हुई। आज शायद ही कोई ऐसा देश हो, जो गर्व से घोषणा करे कि वह पितृसत्ता पर यकीन करता है। इसलिए दुनिया के हर समाज में बेटे और बेटियों की बराबरी समाज की पहली जरूरत बनकर उभरी है। पिछले कुछ दशकों में और विशेषकर संयुक्त राष्ट्र द्वारा लड़कियों और लड़कों की परवरिश में बराबरी के महत्व का जोर देने के बाद करीब-करीब दुनिया की हर सरकार ने लड़कियों की प्रगति के लिए नई-नई योजनाओं की घोषणा की है। आज दुनिया के अधिकांश देशों में लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए अनगिनत योजनाएं चल रही हैं। भारत भी इन देशों में शामिल है।

पिछले डेढ़ दशकों में देश ने लड़कियों को महत्व देने वाली एक दर्जन से ज्यादा अलग-अलग तरह की योजनाएं शुरू की हैं। चाहे उनकी शिक्षा की जरूरत हो, चाहे रोजगार में उनकी भागीदारी का सवाल हो और फिर चाहे किसी भी क्षेत्र में उनके प्रवेश की चुनौती हो। हर जगह सरकार ने बेटियों और बेटों के बीच मौजूद भेदभाव को दूर करने की कोशिश की है और काफी हद तक सफलता पाई है।

बेटियां होती हैं अधिक जिम्मेदार

राष्ट्रीय बेटी दिवस एक ऐसा दिन है, जिसके महत्व को बताने के लिए कितने ही शब्द कम पड़ सकते हैं। आखिर कौन मां-बाप होंगे, जो अपनी नन्ही सी परी का जश्न मनाने के लिए किसी दिन के मोहताज होंगे। लेकिन जब ऐसा कोई एक दिन होगा तो निश्चित रूप से हर मां-बाप इसे दिल से प्यार करेंगे। डॉटर्स-डे वास्तव में समाज में बेटी को दिया जाने वाला वह सम्मान है, जिसकी शायद हाल की सदियों में दुनिया ने अनदेखी की थी। इसलिए एक तरह से बेटी दिवस मनाकर मां-बाप अपनी बेटी या बेटियों के प्रति भावनात्मक आभार जताते हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है। व्यक्तिगत स्तर पर मम्मी-पापा को लड़कों से ज्यादा लड़कियां ही प्यारी होती हैं, क्योंकि लड़के जहां व्यावहारिक और कम भावुक होते हैं, वहीं लड़कियां कहीं ज्यादा जिम्मेदार और संवेदनशील होती हैं। वे मां-बाप को ज्यादा सम्मान भी देती हैं। वास्तव में यह विशेष दिन इसी बात को याद दिलाने का खास अवसर है कि बेटी हमारे जीवन में कितनी महत्वपूर्ण है।

हर कहीं बेटियां फहरा रहीं परचम

आजादी के बाद भारत में भी बेटियों ने लगातार उन सारी धारणाओं को ध्वस्त किया है, जो यह मानकर चलती थी कि बेटियां, बेटों के मुकाबले कमतर होती हैं। आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं हैं, जहां लड़कियां बढ़-चढ़कर लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर ना चल रही हों। हर क्षेत्र में आज लड़कियां, लड़कों की बराबरी कर रही हैं। इसलिए डॉटर्स-डे बहुत जरूरी और गर्व का दिन बन गया है। *

कविता
सरस्वती

पुरानी मिट्टी की याद

जिस दिन मां-बाप
आंगन में रोपते हैं बेटी
उसी दिन से
फैलने लगती हैं उसकी जड़ें
पहले आंगन के कोने-कोने
फिर घर के भीतर
और फिर आस-पड़ोस की जमीन में।
जड़ें मजबूती से मिट्टी को पकड़े रहती हैं
और चेतना की पत्तियां, शाखाओं में
परिवार पनपता, फूलता रहता है।
जब रोपा हुआ पौधा पेड़ बन जाता है
तो एक दिन अचानक
उस पेड़ को जड़ से उखाड़ कर
उससे यादों की मिट्टी झाड़ कर
लगा दिया जाता है
किसी और आंगन में
किसी और घर में।
इस नई हवा
नई मिट्टी में
जड़ें जमाने में
कई बार तो लग जाते हैं, बरस-बरस
और कई बार
सूख जाते हैं पहचान के सारे पुराने पत्ते।
बड़ी मुश्किल से वह उगाती है
अपने वजूद के नए कल्ले
पर फिर भी
उसकी जड़ें रहती हैं
जीवन भर पुरानी
और पुरानी मिट्टी की याद
जीवन भर नई।

लघुकथाएं

नासमझी

रमा ने जब से मेहमानों के लिए क्रॉकरी सेट निकाल कर मेज पर सजाया था, उसकी सात साल की बेटी पीहू मेज के आस-पास चक्कर काट रही थी। वह जिद कर रही थी, 'मम्मी, इस क्रॉकरी में मुझे खाना परोसो।' रमा ने बेटी को डांट दिया, 'एक बार कह दिया ना कि यह क्रॉकरी मेहमानों के लिए है। तुम स्टील की प्लेट में खाओ।' 'मम्मी, पक्का है कि मैं इसे नहीं तोड़ूंगी। मैं जमीन पर ही बैठ कर खा लूंगी, फिर कैसे टूटेगी क्रॉकरी।' पीहू ने मासूमियत से कहा।

'नहीं, ये बहुत महंगी है, नाजुक है और खाना तो वही है ना, तो फिर प्लेट से क्या अंतर पड़ता है?' रमा झुंझलाते हुए बोली। 'तो फिर आप उन अंकल-आंटी को स्टील की प्लेट में दे दीजिएगा ना।' पीहू अभी भी सफेद रंग की चमचमाती प्लेट पर नजरें गड़ाए हुए थी।

रमा और जोर से गुस्सा गई, उसने खींचकर एक चांटा पीहू के गालों पर जड़ दिया। दुःख और दर्द से बिलबिलाती हुई पीहू वहीं रखे सोफे पर बैठकर सिसक-सिसक कर रोने लगी। तभी भीतर से कमरे में आई मेड शांति बोली, 'दीदी, झाड़ू-पोंछा हो गया है। मैं घर जा रही हूं।'

रमा ने देखा पीहू की ही हमउम्र शांति की बेटी भी पीछे-पीछे कमरे में आ गई। रमा एक डिब्बा शांति को पकड़ाते हुए बोली, 'तुम्हारे लिए चाय के छह नए कप लाई हूं।'

शांति मुस्कुरा दी। वह कुछ कहती, इससे पहले ही उसकी बेटी बोली, 'मां, मुझे दो ना एक कप।' शांति ने तुरंत एक कप निकाल कर उसे पकड़ा दिया। 'अरे, टूट जाएगा। बहुत महंगे हैं! कोई आए-जाए तब इनमें चाय पिलाना।' रमा ने टोका। शांति बेटी के सिर पर हाथ फेरते हुए बोली, 'बाहर वालों को खुश करने के लिए अपनी बेटी को थोड़े ही रुलाऊंगी।'

रमा यह सुनकर सन्न खड़ी रह गई। उसको अपने आप पर बड़ी शर्म महसूस हुई। उसने पीछे मुड़कर देखा तो पीहू रोते हुए सोफे पर ही सो गई थी। रमा ने तुरंत सफेद चमचमाती हुई प्लेट में खाना परोसा और पीहू के पास आ गई। उसे पूरा विश्वास था कि उसकी नन्ही-सी बच्ची अपनी नासमझ मां को जरूर माफ कर देगी। *

- डॉ. मंजरी शुक्ला

बेटी का जन्मदिन

आज रतन की बेटी का जन्मदिन था। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह अपनी बेटी का जन्मदिन कैसे मनाए? बेटी के लिए नई फ्रॉक और खिलौने भी खरीद कर लाया। लेकिन ये चीजें उसे संतुष्ट नहीं कर पा रही थीं। उसकी घरवाली ने पूड़ी-सब्जी और खीर बनाई थी। उसने बेटी को अपने हाथों से बहुत चाव से खिलाया। लेकिन बेटी के जन्मदिन की खुशी रतन सबके साथ बांटना चाह रहा था। वह सबको बताना चाहता था, आज उसकी बेटी का जन्मदिन है। लेकिन कैसे बताए, उसे समझ नहीं आ रहा था। तभी अचानक उसके मन में एक ख्याल आया। रतन रिक्शा लेकर चल पड़ा। सवारियां रिक्शे पर चढ़तीं, पैसे देने को होतीं तो रतन मुस्कुराते हुए हाथ जोड़ लेता, बोलता, 'आज पैसे नहीं लूंगा। आज फ्री की सवारी है। आज मेरी बेटी का जन्मदिन है।'

सब उसकी बेटी को ढेर सारा आशीर्वाद देकर चले जाते। शाम होने को थी। एक आखिरी सवारी को उसने घर पहुंचाया। कोई कॉलेज जाने वाली लड़की थी। पैसे देने लगी तो रतन बोला, 'आज पैसे नहीं लूंगा, मेरी बिटिया का जन्मदिन है आज।' यह कह कर रतन अपनी ही धुन में आगे बढ़ गया। लड़की ने रोका, 'रिक्शे वाले भैया, जरा एक मिनट रुकिएगा।'

रतन रिक्शा रोककर खड़ा हो गया। लड़की एक स्टेशनरी शॉप में गई। कुछ कॉपी-किताबें और पेंसिलें खरीद कर वापस आई। इन्हें रतन को पकड़ाते हुए बोली, 'यह कॉपी-किताबें, पेंसिलें ले लीजिए भैया, ये चीजें मेरी तरफ से उपहार स्वरूप अपनी बेटी को दे दीजिएगा। आज उसका जन्मदिन है ना। उसे जन्मदिन मुबारक! उससे बोलिएगा पढ़-लिख कर कुछ बड़ा करे।' बेटी के लिए यह सुनकर और उपहार पाकर रतन मन ही मन गदगद हो उठा। उसने भी उस लड़की को अपना आशीर्वाद दिया, 'बिटिया, खुश रहो, तुम भी खूब पढ़ो-लिखो और अपना नाम रोशन करो।' यह कहते-कहते उसकी आंखें भीग उठीं। *

- रमेश कुमार निषाद

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का संग्रहणीय विशेषांक

हाल में कथा प्रधान त्रैमासिकी साहित्यिक पत्रिका 'निकट' का विशेषांक प्रकाशित हुआ है, जो प्रसिद्ध साहित्यकार प्रियंवद पर केंद्रित है। प्रियंवद एकांतप्रिय होने के साथ, बिना किसी लाग-लपेट के अपनी राय सामने रखने वाले लेखक हैं। पत्रिका के संपादक कृष्ण बिहारी भी बेबाक संपादक हैं। ऐसे में यह अंक विशिष्ट बनना ही था, सो बना भी है। संपादकीय में बिहारी जी ने साहित्यिक खेमेबंदियों, पत्रिका निकालने की दुश्वारियों समेत इस अंक के संयोजन की प्रक्रिया पर भी खुलकर लिखा है। बहरहाल, इस अंक में प्रियंवद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर कई लेखकों के बढ़िया लेख मौजूद हैं। विशेष रूप से राजेंद्र राव, अमरीक सिंह दीप और पंकज चतुर्वेदी के लेख, प्रियंवद के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को खूबसूरती से अनावृत्त करते हैं। प्रियंवद की तीन चर्चित कहानियां '1934 के न्यूरेंबर्ग में एक जवान होती हुई लड़की', 'अंदर खुलने वाली खिड़की' और 'दिलरस' यहां संकलित हैं। इन कहानियों को पढ़कर सहज ही इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रियंवद कहानियों की भाषा, उसके शिल्प और छोटे-छोटे मनोभावों को भी बारीकी से व्यक्त करने के लिए कितने सजग रहते हैं। कहना चाहिए कि वे कहानी लिखने से पहले, उसे अपने भीतर जीते हैं। यही वजह है कि उनकी कहानियां मन में स्थायी रूप से अंकित हो जाती हैं। कुछ लेखकों की संक्षिप्त टिप्पणियों के अलावा, पत्रिका में प्रियंवद से किए गए दो विस्तृत साक्षात्कार विशेष रूप से पठनीय हैं। *

पत्रिका: निकट-39 (सितंबर-दिसंबर 2024), **संपादक:** कृष्ण बिहारी, **मूल्य:** 50 रुपए, **संपर्क** : पनकी, कानपुर

सबसे मजबूत रेटिंग वाले म्यूचुअल फंड, कर रहे मालामाल

10 हजार की एसआईपी को सभी ने बनाया 50 लाख रुपये, 10 साल के टॉपर बने निवेशक ये रिटर्न चार्ट पर सबसे आगे, म्यूचुअल फंड की रेटिंग मजबूत है तो उस स्कीम में रिस्क कम

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेश करते जा रहे हैं या कर चुके हैं तो एक बार यह बात जान लें कि बाजार में कई तरह की निवेश स्कीम हैं, जो आपको लुभाती हैं, लेकिन इनमें निवेश करने से पहले एक बार रिसर्च जरूर कर लें। म्यूचुअल फंड मार्केट में बेहतर पोर्टफोलियो, एक्सपेंस रेश्यो, कम जोखिम और अच्छा प्रदर्शन करने के ट्रैक रिकॉर्ड से स्कीम को रेटिंग मिलती है। अगर म्यूचुअल फंड की रेटिंग मजबूत है तो उस स्कीम में रिस्क कम होता है। रेटिंग अच्छी होने पर बेहतर रिटर्न मिलने के चांस बढ़ जाते हैं। वहीं इनमें निवेश करने की लगात या एक्सपेंस रेश्यो भी 1 फीसदी से कम होता है। अगर बीते 10 साल में 3 स्टार, 4 स्टार या 5 स्टार रेटिंग वाली कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रदर्शन देखें तो ये रिटर्न चार्ट पर भी सबसे आगे दिख रही हैं। इन सभी ने 10 साल में 10 हजार की मंथली एसआईपी को 50 लाख बनाया। वहीं, एक मुश्त निवेश पर 800 फीसदी तक एबसॉल्यूट रिटर्न मिला है।

इन स्कीमों ने दिया बेहतर रिटर्न

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 27% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- एकमुश्त इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 61,19,911 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 24.48% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 8,93,297 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 793%
- इस फंड में कम से 500 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 500 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.65% ही है।

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 27.62% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 63,43,284 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 24.46% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 8,91,863 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 791%
- इस फंड में कम से 5000 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 100 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.65% ही है।

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 24.82% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 53,86,040 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 24.03% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 8,61,524 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 761%
- इस फंड में कम से 5000 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 500 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.65% ही है।

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 25.77% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 56,94,153 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 22.77% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,77,898 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 678%
- इस फंड में कम से 500 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 500 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.58% ही है।

कोटक स्मॉल कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 24.52% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 52,92,025 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 21.90% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,24,498 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 624%
- इस फंड में कम से 100 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 100 रुपये एसआईपी कर सकते हैं. इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.58% ही है।

एडलवाइस मिड कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 24.40% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 52,54,055 रुपये
- 10 साल में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 21.81% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,19,166 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 619%
- इस फंड में कम से 100 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 100 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.38% ही है।

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 24.40% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 52,54,616 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 21.66% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,10,359 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 610%
- इस फंड में कम से 100 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 100 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.54% ही है।

इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 23.54% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 49,97,896 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 20.85% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,64,456 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 554%
- इस फंड में कम से 1000 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 500 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.54% ही है।

एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 23.96% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,22,824 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 20.82% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,62,809 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 553%
- इस फंड में कम से 5000 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 500 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो भी 0.54% ही है।

एचडीएफसी मिड-कैप अपोच्यूनिटी फंड

- 10 साल में एसआईपी रिटर्न : 23.1% सालाना
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 48,71,312 रुपये
- 10 वर्ष में एकमुश्त निवेश पर रिटर्न : 20.37% सालाना
- 10 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,38,532 रुपये
- एबसॉल्यूट रिटर्न : 539%
- इस फंड में कम से 100 रुपये एकमुश्त और कम ये कम 100 रुपये एसआईपी कर सकते हैं। इसका एक्सपेंस रेश्यो 0.72 है।

टॉप मल्टी कैप फंड ने 25% से ज्यादा सालाना रिटर्न दिया रिटेल इनवेस्टर भी इनमें करना चाहिए निवेश, मिलेगा लाभ

मल्टी कैप म्यूचुअल फंड, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की एक महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं, जो रिटेल निवेशकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि मल्टी कैप फंड्स के जरिये निवेशकों को अलग-अलग मार्केट कैप वाले स्टॉक्स में एक साथ निवेश करने का अवसर मिलता है। आगे हम उन टॉप मल्टी कैप फंड्स की जानकारी देंगे, जिन्होंने पिछले 5 सालों में 25% से अधिक का औसत सालाना रिटर्न दिया है। साथ ही यह भी जानेंगे कि मल्टी कैप फंड की क्या खासियत है, जिसके कारण उन्हें रिटेल निवेशकों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मल्टी कैप फंड्स की खासियत

मल्टी कैप फंड्स का मुख्य उद्देश्य है, अलग-अलग मार्केट कैप (लार्ज, मिड और स्मॉल कैप) वाली कंपनियों में निवेश करना। यह फंड्स हमेशा एक तय अनुपात में अपने पोर्टफोलियो को बांटकर निवेश करते हैं, जिससे निवेशकों को लगातार संतुलित और डायवर्सिफाइड इनवेस्टमेंट का लाभ मिलता है। सेबी की गाइडलाइन्स के अनुसार मल्टी कैप फंड के पोर्टफोलियो का कम से कम 75% हिस्सा इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करना जरूरी है। साथ ही, इसका कम से कम 25% हिस्सा लार्ज कैप स्टॉक्स में, 25% मिड कैप स्टॉक्स में और 25% स्मॉल कैप स्टॉक्स में निवेश करना अनिवार्य है।

25% से ज्यादा रिटर्न देने वाले मल्टी कैप फंड्स

इस रिपोर्ट में हम अआपको बताएंगे उन मल्टी कैप फंड्स के बारे में जिन्होंने पिछले 5 सालों में 25% से ज्यादा औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) दिया है। इन सभी मल्टी कैप फंड्स का बेंचमार्क इंडेक्स एक ही है। निफ्टी 500 मल्टीकैप 50:25:25 टोटल रिटर्न इंडेक्सए जिसका पिछले 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 26.26% रहा है। ये सभी फंड वेरी हाई रिस्क कैटेगरी में रखे गए हैं।

क्वांट एक्टिव फंड

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 34.84%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (रेगूलर प्लान): 33.16%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 11,186.98 करोड़ रुपये

महिंद्रा मैनुलाइफ मल्टी कैप फंड

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 30.62%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (रेगूलर प्लान): 28.43%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4,780.57 करोड़ रुपये

निप्पॉन इंडिया मल्टी कैप फंड

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 28.57%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (रेगूलर प्लान): 27.64%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 39,091.90 करोड़ रुपये

इनवेस्को इंडिया मल्टीकैप फंड

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 27.00%
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (रेगूलर प्लान): 25.34%

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 24/2024–25 दिनांक 20/09/2024

मद का नाम :– जिला खनिज फाउण्डेश ट्रस्ट

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राषि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राषि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	सदर	आश्रम आवासीय विद्यालय, भेलवारा में 100 छात्रों के लिए नये छात्रावास भवन एवं अन्य विविध निर्माण कार्य।	42999300.00	10000.00	860000.00	एक वर्ष छः माह
2	बड़कागांव	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़कागांव को मॉडल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में विकसित करने से संबंधित कार्य।	49167800.00	10000.00	984000.00	एक वर्ष छः माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 04.10.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 05.10.24 से 12.10.2024 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 14.10.2024 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग।

PR.NO.336614 District(24-25):D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं0 : 8789242462 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांक:–780 धनबाद/दिनांक–20.09.2024

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RWD/SD/DHANBAD-22/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	धनबाद जिला के टुण्डी प्रखण्ड अन्तर्गत पंचायत जीतपुर के बंगारो से नवादा पथ के जोरिया पर पुल निर्माण। (पुल की लम्बाई 30.26 मी0)	247.49200	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	15 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –28.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 28.09.2024 से दिनांक 07.10.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 09.10.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 नरेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाश सं० – 8789242462 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

(ई0 नरेन्द्र कुमार), कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 336382 Rural Work Department(24-25)#D

Office of the Executive Engineer
Road Construction Department,
Road Division, Chaibasa

Very Short E-Procurement Notice

E-tender Reference No. : RCD/CHAIBASA/2024-25/06 Date : 20.09.2024

1.	Name of Work	Ordinary Repair/Traffic Restoration work of Asura (PWD) Road to Kumardungi via Balandia Road MDR(183) in Km 1P,2P,3P,4P,5P,6P,7P,8P,9P, 10P and 11P (Km 0.00 to 11.00 Km) under Road Division, Chaibasa for the year 2024-25.
2.	Estimated Cost (Rs.)	₹ 1,97,00,000.00 (One Crore Ninety Seven Lacs) Only.
3.	Time of Completion	03 (Three) Months
4.	Date of Publication of Tender On Website	23.09.2024 at 11.30 AM
5.	Last date/Time for receipt of bids.	30.09.2024 Up to 3.00 P.M.
6.	Last date/Time of receipt of cost of bidding document and Bid Security	01.10.2024 Up to 12.00 P.M.
7.	Date of Opening of Bid	01.10.2024 at 3:30 P.M.
8.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, RCD, Road Division, Chaibasa
9.	Contact no. of Procurement Officer	7781899686
10.	Authority to Open the Bid	E- ProcurementOfficer, office of the Chief Engineer(Com), RCD, Jharkhand.
11.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-3510880

* Quoted rate above Schedule rate will be Outright Rejected.
* Estimated value me be increase or decrease.
* Further details can be seen on website http://jharkhandtender.gov.in

Executive Engineer
RCD, Road Division,
Chaibasa.

PR 336427 (West Singhbhum) 24-25 (D)

Office of the Executive Engineer
Road Construction Department,
Road Division, Chaibasa

Very Short E-Procurement Notice

E-tender Reference No. : RCD/CHAIBASA/2024-25/09 Date : 20.09.2024

1.	Name of Work	Ordinary Repair/Traffic Restoration work of Asura (PWD) Road to Kumardungi via Balandia Road MDR(183) in 36P,37P,38P and 39P under Road Division, Chaibasa for the year 2024-25.
2.	Estimated Cost (Rs.)	₹ 1,31,00,000.00 (One Crore Thirty One Lacs) Only.
3.	Time of Completion	03 (Three) Months
4.	Date of Publication of Tender On Website	23.09.2024 at 11.30 AM
5.	Last date/Time for receipt of bids.	30.09.2024 Up to 3.00 P.M.
6.	Last date/Time of receipt of cost of bidding document and Bid Security	01.10.2024 Up to 12.00 P.M.
7.	Date of Opening of Bid	01.10.2024 at 3:30 P.M.
8.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, RCD, Road Division, Chaibasa
9.	Contact no. of Procurement Officer	7781899686
10.	Authority to Open the Bid	E- Procurement Officer, office of the Chief Engineer (Com), RCD, Jharkhand.
11.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-3510880

* Quoted rate above Schedule rate will be Outright Rejected.
* Estimated value me be increase or decrease.
* Further details can be seen on website http://jharkhandtender.gov.in

PR 336468 West Singhbhum (24-25)_D

Executive Engineer
RCD, Road Division, Chaibasa

GOVERNMENT OF JHARKHAND
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
R.C.D. , ROAD DIVISION, SAHIBGANJ

e- Procurement Notice
(VERY SHORT TENDER)
e-Tender Reference no.- RCD/SAHIBGANJ/688/2024-25
Dated : 21.09.2024

1	Name of Work	IRQP/Strengthening work of Lalbandh (MDR-210) to Mohanpur (NH-80) Road via Babupur and Jonka Link Road (Total length-14.305 KM) under Road Division, Sahibganj for the year 2024-25
2	Estimated Cost (Rs)	Rs. 8,87,31,326.00 (Rupees Eight Crores Eighty Seven Lacs Thirty One Thousand Three Hundred Twenty Six and Zero Paise) Only.
3	Time of Completion	04 (Four) Months
4	Last date / Time for receipt of bids	07.10.2024 upto 12.00 Noon
5	Date of Publication of Tender on website	26.09.2024 from 10.30 A.M.
6	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, R.C.D. Road Division, Sahibganj
7	Contact no. of Procurement officer	8271102250
8	Helpline number of e- Procurement cell	0651 - 2401010

Further details can be seen on website http://jharkhand tenders.gov.in

EXECUTIVE ENGINEER
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT
ROAD DIVISION, SAHIBGANJ

PR.NO.336563 Road(24-25):D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा

ई–अतिअल्पकालीन् निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या– 02/2024-25/RWD/CHATRA दिनांक– 20.09.2024

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	आईडेन्टिफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि		कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल सं.
			अंक में (लाख)	अक्षर में		
1	RWD/CHATRA/28/ 2024-25	चतरा–रॉंची पथ जबड़ा से टुनदाग ग्राम भाया अरसेल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं.– 7.250 कि.मी.)।	348.159	तीन करोड़ अड़तालीस लाख पन्द्रह हजार नौ सौ मात्र	15 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 24.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 30.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 04.10..2024 अपराह्न 3.30 बजे।
5. ई–निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा, द्वितीय तल, विकास भवन, चतरा।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या :– 06541-296208

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।

PR.NO.336496 Rural Work Department(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जामताड़ा

ई–अल्पकालीन पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

ई0–अल्पकालीन पुर्ननिविदा संख्या :– 12/RI/2024-25/RWD/JAMTARA दिनांक–20.09.2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, जामताड़ा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की तिथि/अवधि
			अंक में	अक्षर में	
1	RWD /JAMTARA/ 39/RI/2024-25	दखिनीडीह मोड़ से कमलपुर चौक तक पथ निर्माण कार्य – 2.720 कि0मी0 (प्रखंड– नारायणपुर)	26628000.00	दो करोड़ छियासठ लाख अठाईस हजार मात्र	15 माह

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 24.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 01.10.2024 अपराहन् 5:00 बजे।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 04.10.2024 अपराहन् 3:30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, जामताड़ा, ब्लॉक–सी, प्रथम तल्ला, कम्बाईंड बिल्डिंग, जामताड़ा, पिन–815351

विस्तृत जानकारी के लिये बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0का0वि0, कार्य प्रमंडल, जामताड़ा

PR 336502 (Rural Work Department) 24-25 (D)

ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, देवघर।
जिला परिषद बिल्डींग, सत्संगनगर, देवघर।.
ई–अल्पकालीन पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

ई–अल्पकालीन पुर्ननिविदा संख्या :- 10RI/2024-25/RWD/EE/DEOGHAR दिनांक :- 20.09.2024

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, देवघर द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति के रूप में निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
			अंक में	अक्षर में		
1.	RWD/EE/ DEOGHAR/23/ 2024-25	गॉव जेठुटॉड़ से तिलैया तक पथ निर्माण कार्य। (प्रखण्ड: देवघर सदर) (लं0–2.30 कि. मी.)	2,30,88,700.00	दो करोड़ तीस लाख अठासी हजार सात सौ रूपये।	12 माह	द्वितीय

(1). बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 23.09.2024
(2). ई0 निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि – 30.09.2024 अपराहन 5.00 बजे तक
(3). निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 01.10.2024 अपराहन 3.30 बजे।
(4). निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रा0 कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, देवघर।

कार्यपालक अभियन्ता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमंडल, देवघर।

PR 336557 Rural Development(24-25)D

टेस्ट

भारत जीत से छह विकेट दूर पंत और गिल ने ठोका शतक

287/4 पर भारतीय पारी घोषित, बनाई 514 की बढ़त

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

ऋषभ पंत और शुभमन गिल ने महीनों की निराशा, आशंका और बैचेनी को शतकों के साथ मिटाते हुए बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत के लिए पंत ने 109 और शुभमन गिल ने नाबाद 119 रन बना। भारत ने चार विकेट पर 287 रन पर पारी घोषित की। भारत के पास कुल 514 रन की बढ़त हो गई जिससे बांग्लादेश को 515 रन का दुरुह लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 158 रन बना लिए हैं। बांग्लादेश को अभी भी हार को टालने के लिए 357 रन बनाने हैं और पूरे दो दिन का खेल बाकी है।

तीसरे दिन का खेल गिल और पंत के नाम रहा। दोनों युवा बल्लेबाज व्यक्तिगत स्तर पर चुनौतियों से जूझते हुए पारंपरिक क्रिकेट की कसौटी पर खरे उतरे। दिसंबर 2022 में कार हादसे के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले पंत ने छठा टेस्ट शतक सिर्फ 124 गेंद में पूरा किया। उन्होंने किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक के अपने 'थाला' महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। पंत ने 109 रन बनाए जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल थे। वहीं गिल ने पांचवां टेस्ट शतक जड़ते हुए 176 गेंद की अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के जड़े।

पंत ने ईश्वर को दिया धन्यवाद

पंत और गिल ने चौथे विकेट के लिए 217 गेंद में 167 रन जोड़े। पंत ने छठा टेस्ट शतक पूरा होने के बाद आंखें बंद करके ऊपर देखते हुए हवा में बल्ला लहराया। शायद वह ईश्वर को क्रिकेट के मैदान पर वापसी या उस हादसे के बाद एक तरह से पुनर्जन्म के लिए धन्यवाद दे रहे थे। गिल दूर से उन्हें देखते रहे और उसके बाद दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया।

राहुल के 8000 रन पूरे

केएल राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में 19 बॉल पर 22 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 8000 रन भी पूरे कर लिए। वह अपने करियर का 200वां मैच खेल रहे हैं। उनके नाम टेस्ट में 2901, वनडे में 2851 और टी-20 में 2265 रन हैं।

10वां शतक : शुभमन गिल ने 2023 से इंटरनेशनल क्रिकेट में 10वां शतक लगा दिया

12वां इंटरनेशनल शतक : शुभमन गिल ने 2022 के बाद से 12वां इंटरनेशनल शतक लगाया। बाबर आजम और जो रूट ने 11-11 सेंचुरी लगाई हैं

100 सिक्स पूरे : 25 साल के शुभमन गिल इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 सिक्स पूरे कर चुके हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 2 सिक्स लगाकर छक्कों की सेंचुरी पूरी की।

गिल ने दिया जवाब

गिल ने पंत की तरह भले ही शारीरिक समस्याएं नहीं झेली हो लेकिन मानसिक रूप से वह भी आत्मविश्वास के लिए जूझ रहे थे। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम टेस्ट में शतक लगाकर उन्होंने अपने आलोचकों को जवाब दिया।

शुभमन का 5वां शतक

शुभमन गिल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकिल में तीसरा शतक लगाया। उन्होंने बाकी 2 सेंचुरी इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ लगाई थी। डब्लूटीसी मौजूदा साइकिल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीयों में शुभमन पहले नंबर पर पहुंच गए। उनके साथ रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के भी 3-3 शतक हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में ओवरऑल भारत के लिए रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 9 सेंचुरी लगाई हैं। शुभमन गिल 5 शतक के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए। वहीं ऋषभ पंत 4 सेंचुरी लगाकर तीसरे नंबर पर हैं।

पंत ने की धोनी की बराबरी

ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने करियर का छठा शतक लगाया। उन्होंने 109 रन की पारी खेली। इसी के साथ वह भारत के लिए सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले विकेटकीपर में एमएस धोनी के साथ पहले नंबर पर पहुंच गए। धोनी ने 90 टेस्ट में 6 शतक लगाए थे। पंत ने 34 टेस्ट में ही 6 शतक लगा दिए।

स्कोर बोर्ड

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का दास बो राणा	10	17	2	0
रोहित शर्मा का हसन बो अहमद	05	07	1	0
शुभमन गिल नाबाद	119	176	10	4
कोहली पगबाधा बो मिराज	17	37	2	0
ऋषभ पंत का और बो मिराज	109	128	13	4
केएल राहुल नाबाद	22	19	4	0

अतिरिक्त : 05, कुल : 64 ओवर में 287/4 पारी घोषित
गेंदबाजी : अहमद 7-1-22-1, महमूद 11-1-43-0, राणा 6-0-21-1, शाकिब 13-0-79-0, मिराज 25-3-103-2, हक 2-0-15-0.

अफगानिस्तान की 177 रन से सबसे बड़ी जीत

वनडे : द.अफ्रीका को उसके घर में 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| शारजाह

अफगानिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार एक दिवसीय क्रिकेट श्रृंखला में हरा दिया जबकि एक मैच खेला जाना अभी बाकी है। अफगानिस्तान ने दूसरे वनडे में 177 रन से जीत दर्ज की जो रनों के हिसाब से वनडे क्रिकेट में उसकी सबसे बड़ी जीत है।

रहमानुल्लाह गुरबाज ने 105 रन बनाए और सात वनडे शतक जमाने वाले वह पहले अफगान बल्लेबाज बने। अफगानिस्तान ने चार विकेट पर 311 रन बनाए लेकिन जवाब में दक्षिण अफ्रीका टीम शुक्रवार रात को 35 ओवर में 134 रन पर आउट हो गई। लेग स्पिनर राशिद खान ने अपना 26वां जन्मदिन 19 रन देकर पांच विकेट के साथ मनाया। वह बल्लेबाजी के दौरान चोटिल भी हुए थे।बाएं हाथ के स्पिनर नांगेयालिया खरोटे ने चार विकेट लिए। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को खेला जाएगा। राशिद ने जीत के बाद कहा, 'मुझे हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी लेकिन मैं मैदान छोड़कर जाना नहीं चाहता था। बड़ी टीम के खिलाफ जीतने का सुनहरा मौका था। दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम को हराना बहुत बड़ी बात है।'

- राशिद ने 5 विकेट के साथ मनाया अपना 26वां जन्मदिन

हरमनप्रीत प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड की दौड़ में शामिल

एफआईएच पुरस्कार के लिए 11 अक्टूबर तक होगा मतदान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को शनिवार को एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। 28 वर्ष के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक में आठ मैचों में दस गोल किए थे। वह 2020 और 2022 में लगातार दो बार पुरस्कार जीत चुके हैं।

हरमनप्रीत ने कहा, 'एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में एक बार फिर शामिल होना गर्व की बात है। मुझे खुशी है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुझे नामांकन मिला है। लेकिन यह मेरी टीम के सहयोग के बिना संभव नहीं था। मैं एफआईएच प्रो लीग और पेरिस ओलंपिक में भी इतने गोल इसलिए कर सका क्योंकि टीम ने गोल करने के मौके बनाए।' हरमनप्रीत के अलावा नीदरलैंड के थियरी ब्रिंकमैन और योएप डि मोल, जर्मनी के हानेस म्यूलेर और इंग्लैंड के जाक वालास भी दौड़ में हैं।

ऑस्ट्रेलिया की लगातार 14वीं जीत

लीड्स। एलेक्स कैरी की 67 गेंदों में 74 रन की आक्रामक पारी और मिशेल स्टार्क की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां 68 रन से हराकर खेल के इस प्रारूप में जीत का सिलसिला जारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 44.4 ओवर में 270 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह से पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया की वनडे में यह लगातार 14वीं जीत है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को 7 विकेट से हराया

पुडुचेरी। केपी कार्तिकेय (नाबाद 85) और कप्तान मोहम्मद अमान (नाबाद 58) के बीच चौथे विकेट के लिए 153 रन की अटूट साझेदारी के दम पर भारतीय अंडर-19 टीम ने शनिवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को सात विकेट से शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव होगन (42) और रिले किंग्सले (36) के योगदान

से पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 184 रन बनाए। दाएं हाथ के लेग स्पिनर मोहम्मद एनान ने 10 ओवर में 32 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 32 रन तक तीन विकेट गंवा दिए लेकिन इसके कार्तिकेय और अमान ने ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। कार्तिकेय ने इस दौरान आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 99 गेंद की नाबाद पारी में नौ चौके और दो छक्के जड़ें।

HONDA
Shine 100 Super Savetember
₹1100/- शगुन ऑफर

Shine 100
3 Years Standard + 7 Years Free Extended Warranty*
1st ईयर फ्री सर्विस मैंटेनेंस पैकेज^
^सिर्फ 30th सितम्बर तक मान्य
किफ़ायती डाउनपेमेंट — ₹1100** —
पाएं ₹5000## तक का कैशबैक
एक्स शोरूम ₹65100
छत्तीसगढ़
BOOK ONLINE NOW! www.honda2wheelersindia.com
CLICK BOOK RELAX
अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें
वीडियो का आनंद लेने के लिये, कृपया QR Code को स्कैन करें।
IDFC FIRST Bank Bank**/Credit Card##
HDFC BANK Credit Card##
TATA CAPITAL Two Wheeler Loans **
L&T Finance **
डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें
##Cashback Offer available on all Honda two-wheeler models for EMI transactions made using HDFC Bank credit cards & IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. ##Customers can avail 5% Instant cashback, up to a maximum of Rs. 5000. ##Valid on one transaction per card/order during the offer period. ##Cashback offer valid until 30th September 2024. #The scheme is available in select outlets only. **Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. **The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. **The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment. *3 years of standard plus 7 years of free extended warranty only on Shine 100. #This scheme is offered by Authorised Main Dealers and Associate Dealers. ^For detailed Terms and Condition of 1st Year Free Service Maintenance Package, kindly contact Authorised Main Dealers and Associate Dealers. ^Above scheme can be withdrawn at any time without prior intimation.
Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) 122050, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in
होंडा अधिकृत विक्रेता : रायपुर : ए सिटी होंडा – 9785823333, ग्रैंड होंडा – 0771-4033794, वरूण होंडा – 0771-4005901, जी.के. होंडा – 8058254444, आरंग: वी श्री होंडा – 9893728947, भिलाई: आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, 9584378238, जुनवानी रोड (फरीद नगर मैदान के सामने) – 6269092899, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) – 6269090005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, कोहका (रूंगटा रोड) 6269090004, नेहरू नगर (नेहरू नगर चौक) 8518020999, दुर्ग: श्री सांईराम होंडा (स्टेशन रोड) – 0788-4017246, 8458882333, रिसाली (कृष्णा टाकीज रोड) – 0788-4067690, 8823050333, बोरसी (एसबीआई बैंक के पास) – 0788-4058968, 8823050444, राजनांदगांव: अंशदीप होंडा – 07744-223100, मनराज होंडा – 07744-223333, महासमुंद: श्री आर्यन होंडा – 9425204997, दल्लीराजहरा: श्री शुभ होंडा – 7587764225, 9406082344, बालोद (गंजपारा)– 9425564232, बलौदा बाजार: किरण होंडा – 7049518181, कवर्धा: प्रथा होंडा– 7400550099, बेमेतरा : श्री रामा होंडा – 7824222521, धमतरी: श्री श्याम होंडा– 07722-233255, जगदलपुर: वाहेगुरू होंडा – 8435090001, कोंडागांव: दंतेश्वरी होंडा– 8517909999, कांकेर : शिवनाथ होंडा – 8720008800, 7970005301
For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com
Embassy

विरासत
छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

हिंदी साहित्याकाश को कई दैदीप्यमान नक्षत्रों ने आलोकित किया है। इन मूर्धन्य साहित्यकारों की श्रेणी में एक ध्रुव तारा भी दमका। जिनकी ज्ञान पिपासा, साहित्य लिप्सा ने उन्हे साहित्य जगत का कीर्तिमान स्तंभ बना दिया। अविभाजित मध्यप्रदेश में राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ में जन्मी इस विभूति ने हिंदी साहित्य की तीन पीढ़ियों को नई राह दिखाई। एक ऐसा साहित्य रचा जो अंतर्मन की गहराईयों और मानवीय जीवन के अनुभवों से निकला था।

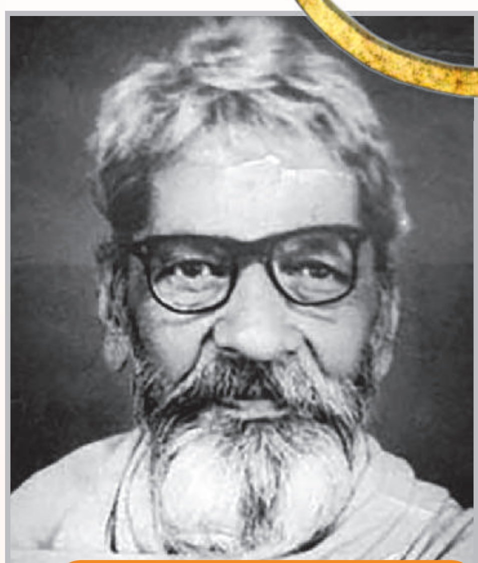

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जी का पुण्य स्मरण आते ही उनकी हिंदी साहित्य में विराट उपलब्धियां सामने आती हैं। बक्शी जी की रचनाओं में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति जहां के भोले-भाले लोग, सहज लोग नजर आते हैं। बक्शी जी अपना पूरा जीवन छत्तीसगढ़ की संस्कृति को सहेजने में लगे रहे। भाजपा सरकार के दौर में जब त्रिवेणी संग्रहालय बना तब हमने बक्शी जी की स्मृतियां भी सहेजी। त्रिवेणी संग्रहालय में बक्शी जी की सुंदर स्मृतियां हमें मिलती हैं। साथ ही उस दौर में मुक्तिबोध जी तथा बलदेव प्रसाद मिश्र जी के साथ जो उनकी त्रयी बनी, वह भारत के साहित्यिक इतिहास में बेमिसाल रही है।

-श्री विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़ शासन)

हिंदी साहित्याकाश का ध्रुव तारा
पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

जन्मभूमि खैरागढ़

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जी का जन्म 27 मई 1894 को अविभाजित मध्यप्रदेश के खैरागढ़ में हुआ। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक उस दिन ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी थी। तिथि को मानते हुए परिवार वालों ने जन्मदिन हमेशा ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी को मनाया। पिता पुन्नालाल बख्शी और दादा उमराव बख्शी साहित्यप्रेमी और कवि थे। पदुमलाल बख्शी की प्राइमरी शिक्षा खैरागढ़ में ही हुई । 1911 में वे मैट्रिकुलेशन की परीक्षा में बैठे । हेडमास्टर एनए गुलामअली के निर्देश पर उनके नाम के साथ पिता का नाम पुन्नालाल लिखा गया। तब से वे अपना पूरा नाम पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी लिखने लगे। मैट्रिकुलेशन की परीक्षा में बख्शी जी अनुत्तीर्ण हो गए । उसी वर्ष 1911 में उन्होंने साहित्य जगत में प्रवेश किया । 1912 में मैट्रिकुलेशन की परीक्षा पास की। उच्च शिक्षा के लिए इन्होंने बनारस के सेंट्रल हिन्दू कॉलेज में प्रवेश लिया । 1916 में ही उनकी नियुक्ति स्टेट हाई स्कूल राजनाँदगाँव में संस्कृत अध्यापक के पद पर हुई।

संस्कार में मिला साहित्य सृजन

पिता पुन्नालाल बख्शी और बाबा उमराव बख्शी साहित्यप्रेमी और कवि थे। माता को भी साहित्य से विशेष लगाव था। परिवार के साहित्यिक वातावरण का असर बालक पदुमलाल पर भी पड़ा। पदुमलाल जी के दादा उमराव बख्शी की लिखी जानकी पंचाशिका रचना लखनऊ के श्री नवलकिशोर प्रेस से प्रकाशित हुई थी। पिता पुन्नालाल बख्शी की कहानी मुंबई की पत्रिका मनोरमा में प्रकाशित हुई थी। इस तरह साहित्य के संस्कार पुन्नालाल जी को बचपन से ही मिले थे। दादाजी उमराव बख्शी और छोटे दादाजी कुन्दू बाबू अपनी रचनाएं लिखकर बालक पुन्नालाल को ही सुनाते थे। जिससे बचपन से ही साहित्यिक परिवेश मिला।

'सरस्वती' ने दिलाई ख्याति

सन 1920 में वे सरस्वती के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किए गए और एक वर्ष के भीतर ही 1921 में वे सरस्वती के प्रधान संपादक बनाए गये जहां बख्शी जी 1925 तक पद पर बने रहे। 1927 में फिर से सरस्वती के प्रधान संपादक के रूप में ससम्मान बुलाया गया, दो साल के बाद उनका साधुमन वहां नहीं रम सका। संपादकीय जीवन के कटुतापूर्ण कटाक्षों से क्षुब्ध होकर बख्शी जी ने इस्तीफा दे दिया। बख्शी जी ने 1952 से 1956 तक महाकौशल के रविवारीय अंक का संपादन भी किया तथा 1955 से 1956 तक खैरागढ में रहकर ही सरस्वती का संपादन कार्य किया। 1959 में दिग्विजय कॉलेज राजनांदगांव में हिंदी के प्रोफेसर बने और जीवन पर्यन्त वहीं शिक्षकीय कार्य करते रहे।

जीवन भर बना रहा खैरागढ़ से लगाव

बख्शी खुद को मास्टरजी कहलाना पसंद करते थे। मास्टरजी को अपनी जन्मभूमि से काफी लगाव था। बख्शी जी को जब भी मौका मिलता खैरागढ़ आकर लोगों से मिलते और यादें ताजा करते। अपने निबंधों में कई जगह खैरागढ़ और राजनांदगांव का जिक्र बख्शी जी ने किया है। खैरागढ़ के लिए बख्शी जी लिखते हैं-' खैरागढ़ में मैंने सदैव ग्राम की अपूर्वश्री का अनुभव किया। नगर के गर्म-कोलाहल और आदमियों की भीड़ में जो जीवन की व्यस्तता देखी जाती है, उसका यहां अभाव ही रहा है। यहाँ जीवन की गति सदैव मन्द रही है। ऊपर अनन्त नीलाकाश, नीचे हरे-भरे खेत, इनके बीच में खैरागढ़ का वह ग्राम अनायास ही मन के भीतर एक अपूर्व रहस्यमय सौन्दर्य की सृष्टि कर देता है।

'चंद्रकांता' से जागा साहित्य प्रेम

बचपन में ही बख्शी जी को बाबू देवकीनंदन खत्री की चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति पढ़ने का मौका मिला। इस ऐतिहासिक कृति के लिए जीवन भर उनमें लगाव बना रहा। अंतिम दिनों में जब भी मौका मिलता अपने परिवार के बच्चों को इसके पात्रों की बातें बताते थे। इसी उपन्यास के प्रति मोह ने स्कूल में बेतों से पिटाई की सजा दिलाई। उन दिनों पंडित रविशंकर शुक्ल विक्टोरिया हाईस्कूल खैरागढ़ के प्राचार्य हुआ करते थे। कक्षा से भागकर जब बालक पदुमलाल उपन्यास पढ़ते हुए पाए जाते थे तो प्राचार्य शुक्ल जी उन्हें बेतों से पीटते थे। उपन्यास चंद्रकांता के बहाने साहित्य के लिए जन्मा अनुराग और प्रेम बख्शी जी के हृदय में जीवन भर बना रहा। बख्शी जी 1911 में मैट्रिकुलेशन की परीक्षा में फेल हुए। इसी साल जबलपुर से प्रकाशित होने वाली हितकारिणी में विपिनचंद्र नाम से पहली कहानी तारिणी प्रकाशित हुई जो कि अंग्रेजी के एक नाटक के आधार पर लिखी हुई थी।

पक्षपात के बीच नहीं हारी हिम्मत

सन 1929 से 1949 तक खैरागढ़ विक्टोरिया हाई स्कूल में अंगेज़ी शिक्षक के रूप में नियुक्त रहे। कांकेर में भी कुछ समय तक उन्होंने शिक्षक के रूप में काम किया। तब 'सरस्वती' हिंदी की एकमात्र ऐसी पत्रिका थी जो हिन्दी साहित्य की आमुख पत्रिका थी, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी, बख्शी जी की साहित्यिक प्रतिमा से प्रभावित थे। एक समय ऐसा भी आया जब हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों ने 'सरस्वती' के लिए रचनाएं देना बंद कर दिया था। ऐसे में पत्रिका के प्रकाशन की नियमितता बनाए रखने के लिए बख्शी जी को अथक श्रम करना पड़ा। कई बार पत्रिका के लिए कल्पित नामों में रचनाएं प्रकाशित करनी पड़ी। बख्शी जी का संपादकीय लेखन केवल साहित्यिक विषयों तक सीमित ना होकर जीवन जगत के सामयिक महत्व के सभी प्रसंगों से संबंधित रहा है।

साहित्यकार के साथ एक अच्छे ज्योतिषी भी

एक अच्छे साहित्यकार और शिक्षक होने के साथ बख्शी जी की ज्योतिष पर भी अच्छी पकड़ थी। खैरागढ़ के जैन परिवारों में आपकी प्रसिद्धि का एक कारण ज्योतिष में सिद्धहस्त होना भी था। किसी की कोई सोने की वस्तु गुम हो जाए या नई दुकान खोलना या बनवाना है, गृह प्रवेश करना हो, तो ऐसे लोग बख्शी जी से संपर्क करते थे। शंका समाधान के लिए जो भी बख्शी जी के संपर्क में आया उसे जो भी बताया वो सही निकला।

साहित्य में महकती छत्तीसगढ़ की संस्कृति

साहित्य में 1916 में बख्शी जी की पहली मौलिक कहानी 'झलमला' सरस्वती में प्रकाशित हुई थी। बख्शी जी के कथा-साहित्य में छत्तीसगढ़ की संस्कृति रची-बसी है। त्योहारों की झलक बख्शी जी के कथा-साहित्य में सर्वत्र दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ में 'अखती' यानी अक्षय तृतीय का त्योहार मनाया जाता है, बख्शी जी की 'गुड़िया' कहानी में उसका जीवन्त रूप दिखाई देता है । 'एक कहानी की रचना' में बख्शी जी ने छत्तीसगढ़ की महानदी और कमरछठ त्योहार की चर्चा की। बख्शी जी की लेखनी ही ऐसा विशिष्ट कौशल कर सकती है। कथा-साहित्य और बाल कथाओं के माध्यम से बख्शी जी ने जीवन को सत्य की छाँव में रखने का प्रयास किया है।

साधक, तपस्वी सा जीवन जिया

बख्शी जी गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए भी मंजे हुए साधक तपस्वी थे। वे भगवान के भक्त थे। गीता, रामायण में आपकी बड़ी आस्था थी। जब कभी विषम परिस्थिति का सामना करना पड़ा तब मास्टर जी सबसे पहले भगवान की ही शरण में जाते थे। उनका यह कहना था कि भगवान पर विश्वास रखकर काम करते है तो अवश्य सफलता मिलती है। चाय या काफी पीने के पहले मंत्र कहते और फिर ग्रहण करते थे।

रचनाओं में झलकती संवेदनाशीलता

छत्तीसगढ़ मूलतः बख्शी जी का कार्यक्षेत्र रहा है। उनका जन्म ही खैरागढ़ में हुआ था। राजनांदगांव में भी अध्यापन हुआ था। बख्शी जी खुद संवेदनशील थे, उनकी रचनाएं भी उतनी ही संवेदनशील है। बख्शी जी खुद परिश्रमी थे, लेकिन उन पर रिसर्च करने वाले उतने परिश्रमी नहीं है। बख्शी जी पर काफी सतही अनुसंधान हुआ है।

-ललित कुमार वर्मा, पूर्व अध्यक्ष, बख्शी सृजन पीठ

हर विधा पर चली लेखनी

मास्टर जी का सम्पादकीय क्षेत्र भी उनके निबन्धों की तरह विस्तार लिए हुए है, उन्होंने अनेक पुस्तकों का सम्पादन किया है। 'बाल कथा माला' भाग 1, 2, 3 और 4, 'सरस वाचन माला', नवकथा माला, नवयुवक पाठमाला, नवभारत, गद्य-पद्य संग्रह, साहित्य शिक्षा, पद्मांजलि, नवमणि माला, मातृ-मूर्ति, हिन्दी गद्यमाला, साहित्य चर्चा आदि का संपादन किया। सन 1952 से 1955 तक उन्होंने रायपुर से निकलने वाले महाकौशल के साहित्यिक अंश का भी सम्पादन किया। इसी बीच उन्होंने छाया, प्रजाबन्धु व प्रदीप का भी सम्पादन कार्य किया। छत्तीसगढ़ से निकलने वाली अनेक ऐसी पत्रिकाओं विजयन्त, उद्गार, उदयाचल आदि के लिए उनका सदैव वरदहस्त रहा और उनके प्रेरणास्त्रोत भी रहे। बख्शी जी ने साहित्य लक्ष्मी की सेवा करते हुए जीवन पर्यन्त निष्काम साहित्य साधना की। उन्होंने साहित्य की विशाल ज्ञानराशि से विचारों की ऐसी श्रृंखलाबद्ध ज्योति जलाई है, जो चिर-पुरातन होकर भी चिर-नवीन बनी रहेगी। उनके व्यक्तित्व में साहित्यिक पत्रकारिता तथा संपादकीय रूप, अध्यापक तथा निवंधकार के समान ही सशक्त रहा है। वास्तव में बख्शी जी की साहित्यिक प्रतिभा का उन्मेष उनके सम्पादकीय कार्य से ही प्रारम्भ हुआ था।

सुप्रसिद्ध कवि हरिवंशराय बच्चन के साथ मास्टर जी।

अंतिम दिनों में भी 'चंद्रकांता' का रहा साथ

जीवन के आखिरी दिनों में मास्टर जी को ना तो ठीक से नींद आ रही थी और ना ही खा रहे थे। उन दिनों उनकी कोशिश होती थी कि घर के सभी लोग उनके आसपास रहें, बात करते-करते अचानक साहित्यिक बातों में खो जाते थे। तो कभी चंद्रकांता संतति के पात्रों में खो जाते हर दिन के साथ मास्टर जी की हालत चिंताजनक होते जा रही थी। 10 दिसंबर 1971 को उन्हें आक्सीजन दिया जाने लगा था। मास्टर जी को अचेत हालत में रायपुर के डीकेएस अस्पताल लाया गया, जहां 'मृत्यु नाचती मेरे सिर, मैं उसके सिर पर खेल रहा' कहने वाले मास्टर जी 28 दिसंबर 1971 मंगलवार को इस मृत्युलोक के खेल को समाप्त कर अनन्त पथ में विलीन हो गए।

inh न्यूज पर आज रात 8.00 बजे

साहित्य के देवता और महासमुद्र हैं बख्शी जी

बख्शी जी साहित्य के देवता और महासमुद्र हैं। हमेशा कविता और कहानी खास तौर से पुराने जमाने के उपन्यास हमेशा उनके दिमाग में चलते रहते थे। उसका नए तरीके से लेखन भी वो कर लेते थे। अपनी एक किताब में उन्होंने नए और पुराने जमाने के उपन्यासों को जोड़कर नया उपन्यास लिखा था, ये एक अद्भुत कला थी।

-जीवन यदु राही, वरिष्ठ साहित्यकार

बचपन से ही मिला साहित्यिक माहौल

गर्मियों की छुट्टी में जब हम दादा जी के पास राजनांदगांव जाते थे तो हमें बड़ा स्नेह मिलता था। अपने दादा जी को हम मास्टर जी कहा करते थे। उनके हर क्रियाकलाप को हम देखते रहते थे। दिनभर मास्टर जी से मिलने के लिए स्कूल, कॉलेज के छात्रों सहित साहित्य जगत की बड़ी- बड़ी हस्तियां आया करती थी। इस तरह से हमें बचपन से ही साहित्यिक माहौल मिला।

-श्रीमन नारायण बख्शी, बख्शी जी के पौत्र

लेखन में ज्ञान, शिक्षा और मनोरंजन भी

बख्शी जी ने बहुत ही संघर्षपूर्ण जीवन जिया था। उनकी जीवन यात्रा को देखने से पता चलता है कि वे प्रारंभिक अवस्था से ही लेखन में पारंगत थे। ज्ञान, शिक्षा और मनोरंजन को साहित्य में किस तरह समावेशित किया जा सकता है, ये उनके सृजन में झलकता है।

-डॉ. सुधीर शर्मा, विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं पत्रकारिता संकाय, कल्याण कॉलेज भिलाई

क्षेत्र, जाति, और भाषा की सीमा से परे थे

बख्शी जी योग्यता के धनी व्यक्ति थे। बख्शी जी क्षेत्रीयता की दीवार को पार कर गए थे। कोई भी साहित्यकार क्षेत्र की सीमा में बंधकर नहीं रहता। साहित्यकार की कोई एक निश्चित सीमा नहीं होती। वह क्षेत्र जाति और भाषा की सीमा से बंधकर काम नहीं करता।

-डॉ. शंकर मुनि राय
हिन्दी विभाग, दिग्विजय कॉलेज, राजनांदगांव

हमारे लिए दादा जी नहीं मास्टर जी

बख्शी जी को हम सभी मास्टर जी कहते थे। मास्टर जी ने अपने पिता और दादा की रचनाओं को प्रकाशित करवाया था, मास्टर जी को अध्ययन और अध्यापन में विशेष रुचि थी। वे संस्कृत , अंग्रेजी और हिन्दी के भी शिक्षक रहे। उन्होंने साहित्य में अमिट छाप छोड़ी।

-डॉ. नलिनी श्रीवास्तव, वरिष्ठ साहित्यकार

खैरागढ़ को दिलाई पहचान

खैरागढ़ में जन्मे बख्शी जी एक महान साहित्यकार थे। ये हमारे खैरागढ़वासियों के लिए गर्व की बात है । उनकी रचनाएं खैरागढ़ की संस्कृति में एक पहचान है। उनकी रचनाओं को देशभर के कई शिक्षा संस्थानों में पढ़ाया जाता है। बख्शी जी ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और तीज त्योहार को अपने साहित्य में समाहित कर छत्तीसगढ़ को सम्मान दिलाया है। -यशोदा वर्मा, खैरागढ़ विधायक

स्वभाव से सरल और सादगी पसंद

बख्शी जी स्वभाव से बहुत सरल और सादगी पसंद व्यक्ति थे और उनके व्यक्तित्व की विशेषता उनके सृजन में है, उनकी कृतियों में भी देखने में आती है। उनमें किसी भी तरह की जटिलता नहीं थी। बख्शी जी विराट व्यक्तित्व के धनी थे।

-प्रोफेसर जयप्रकाश, वरिष्ठ साहित्यकार

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com